MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-352

जैनम जयति शासनम्

श्री अरिहंत पैनल ने विजय पताका लहराई

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन समाज की सर्वोच्च संस्था श्री जैन सेवा संघ, हैदराबाद की कार्यकारिणी के लिए गत रविवार 21 दिसंबर को हुए मतदान के नतीजे अंततः बुधवार 24 दिसंबर को देर शाम मार्गदर्शक मंडल द्वारा घोषित कर दिये गए। श्री अशोक कुमार जैन (निवर्तमान महामंत्री) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जामबाग रोड स्थित विवेक वर्धिनी कॉलेज में 21 दिसंबर को हुए मतदान के बाद मतगणना के समय कुछ विषयों को लेकर श्री अरिहंत पैनल व नमो नवकार पैनल के बीच विवाद उत्पन्न हो गया था। 23 दिसंबर को पुलिस की निगरानी में मतगणना का कार्य सम्पन्न हुआ। किंतु श्री जैन सेवा संघ की नियमावली के अनुसार मुख्य चुनाव अधिकारी महेश गोलेच्छा ने पूरे मामले को मार्गदर्शक मंडल के हवाले कर दिया। मार्गदर्शक मंडल में सर्वश्री धर्मचंद रांका, गौतमचंद लोढा, विजयराज सेठी, निर्मल सिंघवी, नवरतनमल गुंदेचा, अशोक संकलेचा, विनोद कीमती, अशोक बरमेचा व गौतमचंद गुगलिया शामिल हैं। मार्गदर्शक मंडल ने चुनाव अधिकारियों व उनकी पूरी टीम की प्रशंसा की और दोनों पैनलों व अन्य के बीच आम सहमति बनाकर बुधवार 24 दिसंबर को शाम 6.00 बजे के बाद चुनाव के नतीजे जारी किये। सभी ने महसूस किया कि संस्था की सदस्यता के विवरण में आवश्यक बदलाव की जरूरत है। अगले चुनाव से पूर्व इन गलतियों को सुधारने की पहल की जाएगी। इस बहुप्रतिक्षित चुनावी नतीजों में श्री अरिहंत पैनल का पलडा भारी रहा। कुल 19 कार्यकारिणी सदस्यों में से 17 पर श्री अरिहंत पैनल ने विजय हासिल की। जबकि 2 पदों पर नमो नवकार पैनल के सदस्य विजयी रहे।

नतीजों की घोषणा के तुरंत बाद श्री अरिहंत पैनल के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार कोरा क्षेत्र के उमेश बागरेचा सहित विजयी उम्मीदवारों ने जमकर आतिशबाजी की और पुष्पमालाओं द्वारा विजेताओं का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। श्री जैन सेवा संघ, रामकोट से यह विजय जुलूस सड़क के उस पार श्री अरिहंत पैनल के चुनावी कार्यालय पर खत्म हुआ। जहां पर विजेताओं के परिजनों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी।

श्री जैन सेवा संघ के निवर्तमान कार्याध्यक्ष योगेश सिंघी ने श्री अरिहंत पैनल के मार्गदर्शक नवरतनमल गुंदेचा व अशोक बरमेचा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समस्त जैन समाज ने जो विश्वास अरिहंत पैनल के प्रति जताया है, पैनल की पूरी टीम उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हम सब मिलकर समाज सेवा का दायित्व पूरा करेंगे।

हैदराबाद क्षेत्र से निम्न प्रत्याशी विजयी रहे–

अमित जैन मुणोत	-	2698
मनोज तातेड़	-	2652
डॉ. अनीष पोकरणा	-	2553
आशीष भंसाली	-	2489
सज्जनराज गांधी	-	2302
अशोक कुमार कोठारी	-	2224
भरत जैन (विक्रम चौधरी)	-	2173
त्रिलोक झाबक	-	1940
विजय आंचलिया	-	1796
विक्रम श्रीश्रीमाल	-	1782
महावीर मुणोत	-	1773

सिकंदराबाद क्षेत्र से निम्न प्रत्याशी विजयी रहे–

सुनील बोहरा	-	2390
सुरेश कोठारी	-	2354
अशोक सोनी	-	2240
उमेशचंद नाहर जैन	-	2236
हुकुमचंद कोटेचा	-	1940

कोरा क्षेत्र से–

उमेश बागरेचा	-	2523
अविनाश भंडारी	-	2209

बोलारम क्षेत्र से–

अशोक कुमार संचेती	-	2270

मुख्यमंत्री रेवंत की बड़ी घोषणा

बड़ी ग्राम पंचायतों को 10 लाख और छोटी पंचायतों को 5 लाख मिलेंगे

कोडंगल, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को घोषणा की कि विशेष विकास कोष से बड़ी ग्राम पंचायतों को 10 लाख रुपये और छोटी पंचायतों को 5 लाख रुपये मंजूर किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों के आवंटन के अलावा, मुख्यमंत्री कोष से भी अतिरिक्त धनराशि जारी की जाएगी।

अपने विधानसभा क्षेत्र कोडांगल के कोसगी में नवनिर्वाचित सरपंचों और वार्ड सदस्यों की एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने चुनाव संपन्न होने के बाद एकता और सहयोग का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, राजनीतिक दलों में प्रतिद्वंद्विता केवल चुनाव के दौरान होनी चाहिए। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो पार्टियों के बीच कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। आइए विकास के लिए मिलकर आगे बढ़ें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए और नेत-ाओं से आग्रह किया कि वे गांव स्तर के झगड़ों को छोड़कर हर गांव के विकास पर ध्यान केंद्रित करें। ▶10पर

जब तक मैं राजनीति में हूँ, केसीआर की वापसी केवल एक सपना रहेगी : रेवंत

कोडांगल, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे, अगले चुनावों में केसीआर की सत्ता में वापसी केवल एक सपना बनी रहेगी।कोडांगल निर्वाचन क्षेत्र के नवनिर्वाचित सरपंचों के सम्मान समारोह में बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने खुली राजनीतिक चुनौती दी। उन्होंने कहा, यह मेरी चुनौती हैयदि आप कर सकते हैं, तो इसे स्वीकार करें।

▶10पर

दिल्ली को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने वाली योजना को मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जो निर्णय लिया गया, वह दिल्ली की दमघोंटू हवा के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान है।

हम आपको बता दें कि मोदी मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना के चरण पांच ए को स्वीकृति देकर यह साफ कर दिया है कि अब राजधानी को यूं ही धुएं और जाम के हवाले नहीं छोड़ा जाएगा। बारह हजार पंद्रह करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सोलह किलोमीटर लंबी इस नई मेट्रो विस्तार योजना में तेरह नए स्टेशन होंगे, जिनमें दस भूमिगत और तीन एलिवेटेड होंगे। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क चार सौ किलोमीटर की ऐतिहासिक सीमा पार कर लेगा। यह वही दिल्ली है जहां रोजाना औसतन पैंसठ लाख लोग मेट्रो से सफर करते हैं और सड़कों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस परियोजना के तहत तीन नए गलियारे विकसित किए जाएंगे। पहला गलियारा रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक बनेगा, जो कर्तव्य भवन जैसे अहम प्रशासनिक क्षेत्र को सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी देगा। दूसरा गलियारा एरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल एक को जोड़ेगा, जिससे दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल एक और तीन के बीच मेट्रो से सीधा संपर्क संभव होगा। तीसरा और सबसे ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

अरावली में कोई माइनिंग लीज नहीं दी जाएगी : केंद्र

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से गुजरात तक फैली अरावली पर्वतमाला को अवैध खनन से बचाने और संरक्षित करने के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्यों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध पूरे अरावली भूभाग पर समान रूप से लागू होगा और इसका उद्देश्य पर्वत श्रृंखला की अखंडता को संरक्षित करना है। इन निर्देशों का लक्ष्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है। साथ ही, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु ▶10पर

सर्वे भवन्तु सुखिनः
अग्रोहा धाम एवं राजस्थान धार्मिक यात्रा
20 से 22 जनवरी 2026
चलो अग्रोहा धाम
चलो पितृभूमि
निःशुल्क धार्मिक यात्रा
HYDERABAD TO DELHI
JAIPUR TO HYDERABAD
स्नेही अग्रबंधुओं,
अत्यंत हर्ष के साथ आप सभी को अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेनजी की जन्मभूमि – अग्रोहा धाम एवं कुलदेवी शक्तिपीठ महालक्ष्मी मंदिर की पावन निःशुल्क यात्रा में सादर आमंत्रित किया जाता है। यह यात्रा उन भाईयों के लिये की जा रही है जो किन्ही कारणवश आजतक अग्रोहा धाम व माताजी के दर्शन नहीं कर पाये । इस यात्रा के अंतर्गत आपको अग्रोहा धाम, शक्तिपीठ माँ महालक्ष्मीजी, माँ रानी सति दादी मंदिर, श्री सालासर बालाजी, जीण माता मंदिर एवं खाटू श्यामजी के दर्शन व आध्यात्मिक वातावरण का आनंद मिलेगा।
मंगलवार, 20 जनवरी 2026
प्रातः बेला में – हैदराबाद से दिल्ली के लिए प्रस्थान तथा दिल्ली से अग्रोहा धाम के लिए बसों द्वारा प्रस्थान
अग्रोहा धाम में माँ माधवी एवं भगवान अग्रसेनजी के मंदिर एवं कुलदेवी शक्तिपीठ माँ महालक्ष्मीजी के मंदिर के दर्शन
रात्रि विश्राम – अग्रोहा धाम में
बुधवार, 21 जनवरी 2026
प्रातः बेला में – अग्रोहा धाम से झुंझुनू रानी सती दादी मंदिर के लिए प्रस्थान
रानी सती दादी मंदिर, श्री सालासर बालाजी मंदिर एवं जीण माताजी मंदिर के दर्शन। रात्रि विश्राम – खाटू श्यामजी में
गुरुवार, 22 जनवरी 2026
खाटू श्यामजी के दर्शन तथा खाटू भ्रमण
रात्रि बेला में – हैदराबाद के लिए प्रस्थान
विशेष नोट :
1. यात्रा केवल अग्रबंधुओं के लिए, जिन्होंने आजतक अग्रोहा धाम व कुलदेवी के दर्शन नहीं किए ।
2. धार्मिक यात्रा हेतु यात्रियों का चुनाव 'पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर ।
3. एक परिवार से केवल 2 यात्रियों को यात्रा का अवसर दिया जायेगा ।
4. टिकट बुकिंग के लिए आधार कार्ड एवं यात्री की फोटो देना अनिवार्य होगा ।
ONLY FOR AGARWALS
परामर्शदाता : सुरेश अग्रवाल 94400 09883, मनोज अग्रवाल 98490 40497, विनय जैन 91500 00099
यात्रा हेतु पंजीकरण के लिए सम्पर्क करें : दिनेश मोदी 85558 77577, अल्का मिंडा 90323 06286
यात्रा आयोजक
रघुनाथमल गीताबाई गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट
वेंकटेश्वरा ग्रुप, हैदराबाद ✆ 9848023972
VENKATESHWARA GROUP

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर सख्ती 30 भारतीय ड्राइवरों समेत 42 गिरफ्तार

वाशिंगटन,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने हाल ही में बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 भारतीय नागरिकों सहित कुल 42 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी लोग अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे और वाणिज्यिक वाहन चलाने का लाइसेंस लेकर सेमीट्रक चला रहे थे।

अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बयान जारी कर बताया कि यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के एल सेंट्रो सेक्टर में की गई। 23 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच सीमा गश्ती एजेंटों ने आव्रजन चौकियों पर वाहनों को रोका और अंतर-एजेंसी अभियानों के तहत इन लोगों को हिरासत में लिया। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी लोग अंतरराज्यीय मार्गों पर सेमीट्रक चला रहे थे। सीबीपी के मुताबिक, गिरफ्तार 42 लोगों में से 30 भारत, दो एल साल्वाडोर से हैं, जबकि शेष लोग चीन, इरिट्रिया, हैती, होंडुरस, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्किये और यूक्रेन जैसे देशों के नागरिक हैं। यह तथ्य सामने आने के बाद अमेरिकी प्रशासन ने वाणिज्यिक परिवहन क्षेत्र में सुरक्षा और नियमों को लेकर चिंता जताई है।

जांच में यह भी सामने आया है कि विभिन्न अमेरिकी राज्यों द्वारा इन लोगों को वाणिज्यिक चालक लाइसेंस जारी किए गए थे। सीबीपी के अनुसार, कैलिफोर्निया ने 31, जबकि फ्लोरिडा, इलिनोइस, इंडियाना, ओहियो, मैरीलैंड, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और वाशिंगटन जैसे राज्यों ने मिलकर आठ वाणिज्यिक चालक लाइसेंस जारी किए थे।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस अंतर-एजेंसी अभियान का मुख्य उद्देश्य आव्रजन कानूनों का सख्ती से पालन कराना, अमेरिकी राजमार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और वाणिज्यिक परिवहन क्षेत्र में नियामक मानकों को बनाए रखना है। सीबीपी ने संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में अवैध प्रवासियों और नियमों के उल्लंघन पर इसी तरह की और सख्त कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

महज मोहम्मद यूनुस नहीं...........ये पांच कटटरपंथी चेहरे भारत और हिंदुओं के खिलाफ उगल रहे जहर

ढाका। बांग्लादेश में 2024 की कथित छात्र क्रांति के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार को हिंदुओं पर हमलों और कट्टरपंथ के बढ़ते प्रभाव के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। शेख हसीना की विदाई के बाद बने राजनीतिक माहौल में कट्टरपंथी नेताओं को बढ़ने का भरपूर मौका मिला। विशेषज्ञों का कहना है कि यूनुस सिर्फ इकलौते नहीं, बल्कि कई अन्य नेता भी इस्लामी कट्टरवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। 1. मोहम्मद नाहिद इस्लाम 27 वर्षीय नाहिद इस्लाम 2024 के छात्र आंदोलन स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन का मुख्य समन्वयक था। शेख हसीना की सरकार गिराने में इसकी अहम भूमिका रही। अंतरिम सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय संभालने के बाद इस्लाम ने नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की स्थापना की। आलोचक मानते हैं कि नाहिद का यह संगठन जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों के करीब है। नाहिद ने भारत विरोधी रुख अपनाया और अपनी युवा अपील के जरिए कट्टरपंथी विचार छात्रों तक पहुंचा रहे हैं। 2. हसनत अब्दुल्लाह हसनत छात्र आंदोलन के प्रमुख समन्वयकों में से एक थे। उन्होंने एनसीपी के गठन में मुख्य भूमिका निभाई और दक्षिणी क्षेत्र के आयोजक बने। हसनत लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहे हैं। दिसंबर 2025 में ढाका में उन्होंने कहा कि यदि भारत बांग्लादेश को अस्थिर करने की कोशिश करता है या हसीना समर्थकों को शरण देता है, तब उत्तर-पूर्वी राज्यों के अलगाववादियों को समर्थन दिया जाएगा। 3. ममुनुल हक हिफाजत-ए-इस्लाम के महासचिव ममुनुल हक कट्टरपंथ और एंटी इंडिया एजेंडे के सबसे विवादास्पद चेहरा हैं। 2021 में पीएम मोदी के दौरे के दौरान उन्होंने हिंसक प्रदर्शन किए। 2024 में जेल से रिहा होने के बाद हक ने यूनुस से मुलाकात की और महिला सुधार तथा अल्पसंख्यकों पर कट्टर विरोधी रुख अपनाया। 4. शफीकुर्रहमान बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर्रहमान कट्टरपंथी विचारधारा का मुखर प्रतिनिधि हैं। हसीना सरकार के पतन के बाद जमात सक्रिय हुई और धर्म आधारित राजनीति पर जोर देने लगी। शफीकुर्रहमान अल्पसंख्यकों में भय पैदा कर रहे हैं और खुले तौर पर हिन्दुओं के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। 5. आसिफ महमूद आसिफ महमूद भी छात्र आंदोलन से जुड़ा युनूस सरकार में युवा एवं खेल मंत्रालय संभाला रहा है। उन पर कट्टरपंथी छात्र संगठनों को संरक्षण देने का आरोप है। वे इस्लामी छात्र शिबिर जैसे समूहों को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत विरोधी भावनाओं को हवा दे रहे हैं।

सऊदी अरब ने शराब की दुकान तक पहुंच का बढ़ाया दायरा

रियाद। सऊदी अरब में अब गैर-मुस्लिम विदेशी नागरिक, जिनके पास प्रीमियम रेजिडेंसी परमिट है, इस स्टोर से शराब खरीद सकेंगे। इस फैसले की जानकारी सामने आते ही राजधानी रियाद में स्थित दुकान के बाहर लंबी कतारें देखी जाने लगी हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि यह कदम सीमित दायरे में ही सही, लेकिन बड़ा बदलाव माना जा रहा है। बिना किसी औपचारिक घोषणा के सऊदी सरकार ने अपने देश की इकलौती शराब की दुकान तक पहुंच का दायरा बढ़ा दिया है। यह शराब की दुकान रियाद के डिप्लोमैटिक क्वार्टर में स्थित है। बाहर से यह पूरी तरह सामान्य इमारत की तरह दिखती है, जिस पर किसी तरह का साइनबोर्ड या पहचान चिन्ह नहीं है। इस स्टोर को जनवरी 2024 में खोला गया था और शुरुआत में यहां केवल गैर-मुस्लिम राजनयिकों को ही शराब खरीदने की अनुमति थी। अब नियमों में किए गए बदलाव के बाद प्रीमियम रेजिडेंसी रखने वाले विदेशी नागरिकों को भी इस सूची में शामिल कर लिया गया है। हालांकि आम सऊदी नागरिकों और सामान्य विदेशी निवासियों के लिए शराब पर प्रतिबंध पहले की तरह पूरी तरह लागू है। प्रीमियम रेजिडेंसी परमिट सऊदी अरब की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह विदेशी निवेशकों, बड़े उद्योगपतियों और विशेष कौशल वाले लोगों को देश में आकर्षित करना चाहता है।

चीन में सुंदर दिखने के लिए कई तरह के 'फेक' तरीके आम

बीजिंग। डूयविन और शिहोंग्शू जैसे लोकप्रिय चीनी प्लेटफॉर्म्स पर कई युवतियां अपने ब्यूटी सीक्रेट्स साझा कर रही हैं। इन ब्यूटी सीक्रेटस में परफेक्ट गोरी और स्लिम टांगें, बड़ी क्यूट आंखें और आइडियल फेस शेप पाने के तरीके बताए जा रहे हैं। इन वीडियो ने दुनियाभर के यूजर्स का ध्यान खींचा है। इसी बीच एक चीनी लड़की ने खुलासा किया है कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली यह खूबसूरती काफी हद तक ट्रिक्स और इल्यूजन का नतीजा होती है। वायरल हो रहे एक वीडियो में चीनी युवती ने दावा किया कि चीन में सुंदर दिखने के लिए कई तरह के 'फेक' तरीके आम हैं। उसने बताया कि जिन लड़कियों को लोग नैचुरली खूबसूरत समझते हैं, वे अक्सर खास प्रोडक्ट्स और मेकअप तकनीकों का सहारा लेती हैं। इस खुलासे के बाद इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है कि क्या यह स्मार्ट ब्यूटी हैक हैं या फिर अनरियल स्टैंडर्ड्स को बढ़ावा देने का जरिया। सबसे ज्यादा चर्चा में आई पहली ट्रिक है गोरी और स्लिम टांगों का इल्यूजन।

कट्टरपंथियों के निशाने पर पत्रकार नाजनीन मुन्नी, न्यूज चैनल को जलाने की धमकी से बांग्लादेश में मीडिया पर संकट

काठमांडू,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मीडिया की स्वतंत्रता पर खतरे के संकेत एक बार फिर सामने आए हैं। देश के निजी टीवी न्यूज चैनल ग्लोबल टीवी बांग्लादेश की न्यूज हेड और वरिष्ठ पत्रकार नाजनीन मुन्नी को कट्टरपंथी समूहों ने निशाने पर ले लिया है। कथित आंदोलनकारी युवाओं ने नाजनीन मुन्नी को पद से हटाने की मांग करते हुए चैनल के दफ्तर को आग लगाने की धमकी दी है। यह धमकी ऐसे समय आई है, जब हाल ही में बांग्लादेश के दो प्रमुख समाचार संस्थानों प्रथम आलो और द डेली स्टार के दफ्तरों पर हमला कर आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं।

जानकारी के मुताबिक, खुद को एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट से जुड़ा बताने वाले 7-8 युवाओं का एक समूह 21 दिसंबर 2025 को ढाका के तेजगांव इलाके में स्थित ग्लोबल टीवी के कार्यालय पहुंचा। इन युवाओं ने चैनल प्रबंधन को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगर न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी को हटाया नहीं गया, तो चैनल के दफ्तर को भी प्रथम आलो और द डेली स्टार की तरह जला दिया जाएगा। कट्टरपंथी समूह का आरोप है कि चैनल ने इंकलाब मंच के प्रवक्ता शहीद शरीफ उस्मान हादी की मौत की कवरेज 'ठीक ढंग से' नहीं की। इसी मुद्दे को आधार बनाकर नाजनीन मुन्नी पर राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगाया जा रहा है। युवाओं ने दावा किया कि नाजनीन मुन्नी अवामी लीग की समर्थक हैं और इसलिए उन्हें न्यूज हेड के पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर नाजनीन मुन्नी ने खुद सोशल मीडिया पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट की सिटी यूनिट के नाम पर आए युवाओं ने उन्हें नौकरी छोड़ने की धमकी दी और दफ्तर जलाने की चेतावनी दी। नाजनीन मुन्नी के अनुसार, धमकी देने वाले युवाओं ने चैनल के मैनेजिंग डायरेक्टर अहमद हुसैन से एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराने की कोशिश की, जिसमें 48 घंटे के भीतर उन्हें नौकरी से हटाने की बात लिखी थी।

हालांकि, एमडी ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। नाजनीन मुन्नी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उन पर लगाए जा रहे अवामी लीग से जुड़े होने के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई यह साबित कर दे कि मेरा अवामी लीग से कोई संबंध है, तो मैं खुद जवाब देने को तैयार हूं। लेकिन अब तक एक भी सबूत पेश नहीं किया गया है।' उन्होंने यह भी कहा कि वह धमकियों से डरने वाली नहीं हैं और यह पूरा मामला मीडिया को डराने और दबाने की कोशिश का हिस्सा है। गौरतलब है कि एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट ने पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए विद्रोह में अहम भूमिका निभाई थी। बाद में इसी मंच से एक नई राजनीतिक पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) भी बनाई गई। लेकिन अब इसी आंदोलन से जुड़े कुछ तत्वों पर कट्टरपंथी रुख अपनाकर मीडिया को निशाना बनाने के आरोप लग रहे हैं। मीडिया विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना बांग्लादेश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जिस तरह खुलेआम धमकियां दी जा रही हैं और पहले भी मीडिया दफ्तरों को आग के हवाले किया जा चुका है, वह लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक संकेत है।

ट्रम्प ने सालभर में लिया 18 हजार करोड़ चंदा

वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी टीम ने बड़े पैमाने पर चंदा जुटाया है। एक जांच में सामने आया है कि चुनाव के बाद ट्रम्प और उनके करीबियों ने करीब 2 अरब डॉलर (18 हजार करोड़ रुपए) अलग-अलग फंड और योजनाओं के लिए इकट्ठा किए। यह रकम उनके इलेक्शन कैंपेन के लिए जुटाई गई राशि से भी ज्यादा है। इस जांच के मुताबिक, सरकारी कागजात, फंडिंग रिकॉर्ड और कई लोगों से बातचीत करके पता लगाया कि कम से कम 346 बड़े दानदाता ऐसे हैं, जिनमें से हर एक ने 2.5 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का चंदा दिया। इन लोगों से ही करीब 50 करोड़ डॉलर से ज्यादा की रकम आई। इनमें से लगभग 200 दानदाता ऐसे हैं, जिन्हें या जिनके कारोबार को ट्रम्प सरकार के फैसलों से फायदा मिला। इनमें सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे 6 भारतवंशी बिजनेसमैन शामिल हैं। इन फायदों में कई बातें शामिल हैं। किसी को राष्ट्रपति की तरफ से माफी मिली, किसी के खिलाफ चल रहे केस खत्म हो गए, किसी कंपनी को बड़े सरकारी ठेके मिल गए तो किसी को सीधे व्हाइट हाउस तक पहुंच मिली या सरकार में बड़ा पद दिया गया। हालांकि रिपोर्ट यह भी कहती है कि यह साबित करना मुश्किल है कि किसी ने पैसा दिया और बदले में सीधा फायदा मिला, लेकिन इतना जरूर है कि पैसे और फायदों का यह रिश्ता सवाल खड़े करता है। ट्रम्प की टीम ने पैसे जुटाने के लिए कई अलग-अलग रास्ते बनाए। इनमें सबसे बड़ा है मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आईएनसीडॉट, जो एक सुपर पीएसी है।

तुर्किये में विमान हादसे में लीबिया के सेना प्रमुख की मौत, चार अन्य भी मारे गए

अंकारा,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

तुर्किये में हुए एक दर्दनाक विमान हादसे में लीबिया के सेना प्रमुख (चीफ ऑफ जनरल स्टाफ) जनरल मोहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गई। लीबिया की त्रिपोली स्थित सरकार ने मंगलवार देर शाम इस हादसे की आधिकारिक पुष्टि की। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब अल-हद्दाद तुर्किये की राजधानी अंकारा की आधिकारिक यात्रा पूरी करने के बाद स्वदेश लौट रहे थे।

लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुलहमीद दबीबा ने सोशल मीडिया पर शोक संदेश जारी करते हुए कहा कि जनरल अल-हद्दाद की मौत देश के लिए 'अपूरणीय क्षति' है। उन्होंने इसे लीबियाई सेना और पूरे राष्ट्र के लिए गहरा आघात बताया। सरकार के बयान में कहा गया कि अल-हद्दाद और उनके सहयोगी देश की सेवा, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक थे। तुर्की अधिकारियों के अनुसार, निजी जेट फाल्कन-50 ने 23 दिसंबर की शाम 8:17 बजे अंकारा के एसेनबोगा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उड़ान के करीब 15 मिनट बाद विमान में तकनीकी खराबी, विशेष रूप से इलेक्ट्रिकल फेल्योर की सूचना मिली। विमान ने हायमाना क्षेत्र के पास आपात लैंडिंग का अलर्ट भेजा, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद रडार से गायब हो गया और संपर्क टूट गया।

तुर्की के राष्ट्रपति कार्यालय के संचार निदेशक बुरहानत्तिन दुरान ने बताया कि रातभर चले सर्च ऑपरेशन के बाद विमान का मलबा अंकारा के दक्षिण में हायमाना के पास बरामद किया गया। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने भी पुष्टि की कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और सभी संबंधित एजेंसियां पूरी सतर्कता से काम कर रही हैं। गौरतलब है कि जनरल अल-हद्दाद पश्चिमी लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर थे और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में लीबिया की बंटी हुई सेना को एकजुट करने की कोशिशों में उनकी अहम भूमिका रही थी।

ईरान पर आ सकता है संकट, तफ्तान ज्वालामुखी 7 लाख साल बाद फिर सक्रिय

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पूर्वी इलाके में स्थित माउंट तफ्तान ज्वालामुखी, जो पिछले करीब 7 लाख साल से खामोश था, अब उसके सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। वैज्ञानिकों के एक नए अध्ययन के मुताबिक इस ज्वालामुखी के शिखर पर जमीन ऊपर उठ रही है, जो दबाव बढ़ने का संकेत है। यह खोज यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के सेंटिनल-1 सैटेलाइट से मिले डेटा पर आधारित है। जुलाई 2023 से मई 2024 के बीच तफ्तान के शिखर के पास जमीन करीब 9 सेंटीमीटर ऊपर उठ गई। यह उठाव धीरे-धीरे हुआ। अब तक नीचे नहीं आया है। वैज्ञानिकों ने इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक का इस्तेमाल किया, जो जमीन की छोटी-छोटी हलचल को भी पकड़ लेता है। एक नई कॉमन-मोड फिल्टरिंग विधि से वायुमंडलीय शोर को हटाकर डेटा को और साफ किया गया, जिससे यह उठाव स्पष्ट दिख रहा है। यह दबाव का स्रोत शिखर से सिर्फ 490 से 630 मीटर गहराई पर है यानी बहुत उथली गहराई पर। रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उठाव ज्वालामुखी गैसों या गर्म पानी के जमा होने से हो रहा है, जो शिखर को गुब्बारे की तरह फुला रहा है। गहराई में मैग्मा का हल्का मूवमेंट भी हो सकता है।

इज़राइल के खिलाफ नरसंहार मामले में बेल्जियम भी शामिल आईसीजे में दक्षिण अफ्रीका के पक्ष को मिला समर्थन

द हेग,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

इज़राइल पर गाजा पट्टी में नरसंहार करने के आरोपों से जुड़े मामले में बेल्जियम भी औपचारिक रूप से शामिल हो गया है। यह मामला दक्षिण अफ्रीका ने संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अदालत अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में दायर किया था। आईसीजे ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि बेल्जियम ने इस केस में हस्तक्षेप (इंटरवेंशन) की घोषणा दाखिल कर दी है।

बेल्जियम से पहले ब्राजील, कोलंबिया, आयरलैंड, मेक्सिको, स्पेन और तुर्किये जैसे देश भी इस कानूनी प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका ने दिसंबर 2023 में यह मामला दायर करते हुए दावा किया था कि गाजा में इज़राइल की सैन्य कार्रवाई 1948 के संयुक्त राष्ट्र नरसंहार रोकथाम और दंड कन्वेंशन का उल्लंघन है। इज़राइल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है और इस मामले को राजनीति से प्रेरित बताया है। हालांकि, जनवरी 2024 में आईसीजे ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए इज़राइल को गाजा में नरसंहार रोकने के लिए ठोस कदम उठाने और मानवीय सहायता की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। अदालत के ये आदेश कानूनी रूप से बाध्यकारी हैं, भले ही इन्हें लागू कराने के लिए आईसीजे के पास कोई प्रत्यक्ष तंत्र नहीं है।

आईसीजे पहले ही यह भी कह चुका है कि कब्जे वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों में इज़राइल की मौजूदगी गैरकानूनी है और उसकी नीतियां व्यावहारिक रूप से कब्जे के विस्तार (एनेक्सेशन) के समान हैं। इसके बावजूद इज़राइल ने गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में सैन्य कार्रवाई जारी रखी है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना बढ़ती जा रही है। इस बीच, अमेरिका और उसके कुछ यूरोपीय सहयोगी देश इज़राइल को सैन्य और आर्थिक सहायता देना जारी रखे हुए हैं। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका के मामले को खारिज करते हुए उसकी आलोचना की है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद अमेरिका ने आईसीसी अधिकारियों पर प्रतिबंध भी लगाए हैं।

खालिदा जिया के बेटे तारिक पत्नी और बेटी के साथ 17 साल बाद लंदन से लौट रहे हैं बांग्लादेश

ढाका,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल के वनवास के बाद अपनी पत्नी और बेटी के साथ स्वदेश लौट रहे हैं। तीनों लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से बांग्लादेश के समयानुसार शाम 6:15 बजे बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की फ्लाइट से रवाना होंगे। उम्मीद है कि वे सिलहट होते हुए ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से पूर्वाचल के 300 फीट इलाके में एक स्वागत कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनका स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद तारिक सड़क मार्ग से एवरकेयर अस्पताल जाएंगे। वो वहां अपनी बीमार मां पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलेंगे। खालिदा का वहां एक महीने से ज़्यादा समय से इलाज चल रहा है। मां से मिलने के बाद वे गुलशन में फिरोजा जाएंगे। यहीं वह रुकेंगे। पार्टी वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी के अनुसार, उम्मीद है इस अवसर पर ढाका में लगभग 50 लाख लोग इकट्ठा होंगे। समर्थक एयरपोर्ट से 300 फीट इलाके तक सड़क के दोनों ओर खड़े होकर उनका स्वागत करेंगे। उधर, देश में अशांति के बीच तारिक की वापसी को सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। तारिक के काफिले के आसपास भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बीएनपी नेताओं ने आधीरात तक सुरक्षा अधिकारियों से इंतजामात पर चर्चा की है। एयरपोर्ट से गुलशन तक

तारिक की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी शम्सुल इस्लाम को सौंपी गई है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट इलाके में सिर्फ यात्रियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। तारिक का स्वागत करने के लिए 300 फीट इलाके में एक मंच तैयार किया जा रहा है। इस दौरान सिर्फ तारिक का ही भाषण होगा। भाषण के वैश्विक प्रसारण की व्यवस्था की गई है। बांग्लादेश रेलवे बीएनपी समर्थकों को राजधानी लाने के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इसके किराए से लगभग 36 लाख टका की कमाई होगी। ट्रेनें कॉक्स बाज़ार-ढाका, जमालपुर-मैमनसिंह-ढाका, टांगेल-ढाका, भैरब बाज़ार-नरसिंगडी-ढाका, जॉयदेबपुर-ढाका कैंटोनमेंट, पंचगढ़-ढाका, खुलना-ढाका, चटमोहर-ढाका कैंटोनमेंट, राजशाही-ढाका और जशोर-ढाका सहित रूट पर चलेंगी। तारिक 26 दिसंबर को सुरक्षा स्थितियों के आधार पर अपने पिता की कब्र पर जा सकते हैं और बाद में 13वें संसदीय चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र जमा करने के लिए बोगरा जा सकते हैं। वह बोगरा-6 से चुनाव लड़ेंगे। इस बीच, फेसबुक पोस्ट में तारिक की बेटी जायमा रहमान ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में योगदान देंगी और लौटने पर सीधे लोगों से जुड़ेंगी। उन्होंने अपनी दादी खालिदा के साथ बचपन की यादों को साझा करते हुए लिखा, 'बांग्लादेश से 17 साल दूर रहना बदलाव लाने वाला रहा है, लेकिन मैं अपनी जड़ों को सींचना और पोषित करना कभी नहीं भूली।' उसने कहा कि वह अपने पिता के चुनाव अभियान में शामिल होगी। उल्लेखनीय है कि पहली सितंबर 1978 को बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान ने राष्ट्रवादी विचारधारा वाले लोगों को एकजुट करने के उद्देश्य से बीएनपी की स्थापना की थी। बीएनपी अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टी है। बीएनपी अध्यक्ष खालिदा देश की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ विकास की नींव रखना 'जी राम जी' का उद्देश्य
प्रधानमंत्री कार्यालय ने शेयर किया शिवराज चौहान का लेख

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री कार्यालय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 'विकसित भारत–जी राम जी' पर लिखे लेख को शेयर किया है। पीएमओ ने कहा है कि 'विकसित भारत–जी राम जी' एक्ट 2025 को आय सहायता और बड़े ग्रामीण विकास के बीच एक रिश्ते के तौर पर देखा जा रहा है। इस आर्टिकल में 'विकसित भारत–जी राम जी' एक्ट 2025 को केवल योजनाओं या घटनाओं की एक शृंखला के रूप में नहीं, बल्कि इनकम सपोर्ट, संपत्ति निर्माण, कृषि स्थिरता और समग्र ग्रामीण विकास को जोड़ने वाले एक व्यापक आर्थिक फ्रेमवर्क के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, इस विधेयक को तैयार करने से पहले केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ बड़े पैमाने पर परामर्श किया था। इसके अलावा, तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया और विभिन्न हितधारकों–किसानों, ग्रामीण समुदायों, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ विस्तृत बातचीत की गई, ताकि जमीनी

जरूरतों और व्यावहारिक चुनौतियों को समझा जा सके।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस पोस्ट पर पीएमओ ने लिखा कि यह जानकारीपूर्ण आर्टिकल 'विकसित भारत–जी राम जी' एक्ट 2025 की मूल भावना को उजागर करता है। यह कानून इनकम सपोर्ट, परिसंपत्ति निर्माण, कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता और समुदाय के नेतृत्व वाले ग्रामीण विकास को अलग–अलग पहलुओं के रूप में नहीं, बल्कि आपस में जुड़े हुए तत्वों के रूप में देखता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ–साथ किसानों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आर्टिकल में यह भी जिक्र किया गया है कि 'विकसित भारत–जी राम जी' एक्ट 2025 का उद्देश्य केवल अल्पकालिक सहायता देना नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ विकास की नींव रखना है। इसके तहत रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि संसाधनों का बेहतर उपयोग और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने आगे कहा कि 'विकसित भारत–जी राम जी' एक्ट 2025 ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'विकसित भारत–जी राम जी' पर एक लेख लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा कि अक्सर कहा जाता है कि बदलाव मौके पैदा करता है। मनरेगा की आड़ में यूपीए सरकार ने लोगों को बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। 'विकसित भारत–जी राम जी' बिल पेश करके हमने कांग्रेस द्वारा छोड़ी गई गंभीर कमियों को दूर करने की कोशिश की है। इस बिल के बारे में कांग्रेस द्वारा अब जो भ्रम और गलत जानकारी फैलाई जा रही है, उसका सिर्फ एक ही मकसद है अपनी नाकामियों और पिछले गलत कामों को छिपाना।

महाराष्ट्र: कोर्ट में हाजिर न होने पर कैबिनेट मंत्री नितेश राणे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

सिंधुदुर्ग, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । महाराष्ट्र में कुडाल कोर्ट ने राज्य के कैबिनेट मंत्री और सिंधुदुर्ग जिले के गार्डियन मिनिस्टर नितेश राणे को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई लंबे समय से कोर्ट में पेश न होने और बार–बार गैरहाजिर रहने के चलते की गई है। संविधान बचाने के लिए हुए प्रोटेस्ट से जुड़े प्रकरण में विधायक प्रवीण दरेकर और विधायक प्रसाद लाड के खिलाफ भी गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। यह मामला 26 जून 2021 का है, जब सिंधुदुर्ग जिले में ओबीसी आंदोलन के दौरान कुडाल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। प्रोटेस्ट के सिलसिले में राजन तेली, विधायक नीलेश राणे, मंत्री नितेश राणे और 42 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान विधायक नीलेश राणे, राजन तेली और अन्य आरोपी कोर्ट में उपस्थित थे, जबकि नितेश राणे सहित कुल छह आरोपी गैरहाजिर रहे।कोर्ट ने नितेश राणे के वकीलों द्वारा दी गई गैरहाजिरी की याचिका को खारिज कर दिया। लगातार तारीखों पर पेश न होने को गंभीरता से लेते हुए कोर्ट ने उनके खिलाफ नॉन बेलेबल अरेस्ट वारंट जारी किया।

इससे पहले नासिक हाउसिंग घोटाले से जुड़े मामले में कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी (अजित पवार गुट) नेता माणिकराव कोकाटे को दो साल की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन गिरफ्तारी से संरक्षण देते हुए दो साल की जेल की सजा को अंतिम सुनवाई तक निलंबित कर दिया।हाईकोर्ट का यह आदेश नासिक सेशन कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर आया है, जिसमें कोकाटे को सरकारी फ्लैटों के अवैध अधिग्रहण से जुड़े हाउसिंग फ्रॉड मामले में दो साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी। सेशन कोर्ट के फैसले के बाद कोकाटे ने हाईकोर्ट का रुख किया था।

एनसीआर की हवा सुधरी, सीएक्यूएम ने हटाईं ग्रैप–4 की पाबंदियां

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । दिल्ली–एनसीआर को प्रदूषण से राहत मिली। हवा में सुधार के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने एनसीआर से ग्रैप स्टेज–खत की पाबंदियां हटा दीं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और उससे सटे क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली की वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार को देखते हुए ग्रैप के स्टेज–खत के तहत लागू कड़े प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का निर्णय लिया है। हालांकि, स्टेज–ख, खख और ||| के तहत उपाय यथावत रहेंगे और उन्हें और अधिक सख्ती से लागू किया जाएगा। आयोग ने यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में 21 नवंबर 2025 को जारी संशोधित ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत लिया। वर्तमान में 14 अक्टूबर, 19 अक्टूबर और 13 दिसंबर 2025 के आदेशों के अनुसार स्टेज–ख, खख, खखख और खत लागू थे।

ग्रैप पर गठित उप–समिति ने बुधवार को हुई बैठक में क्षेत्र की वायु गुणवत्ता और आईएमडी–आईआईटीएम के पूर्वानुमानों की समीक्षा की। समिति ने पाया कि तेज हवाओं और अनुकूल मौसम के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 24 दिसंबर को एक्यूआई 271 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। हालांकि, आने वाले दिनों में हवाओं की गति कम होने से वायु गुणवत्ता बढ़ने की संभावना जताई गई है।

इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उप–समिति ने 13 दिसंबर के उस आदेश को रद्द करने का फैसला किया, जिसके तहत स्टेज–खत लागू किया गया था।

हालांकि, आयोग ने स्पष्ट किया कि स्टेज–ख, खख और खखख के अंतर्गत सभी उपाय 21 नवंबर के संशोधित ग्रैप के अनुसार पूरे एनसीआर में सख्ती से लागू और निगरानी में रहेंगे, ताकि वायु गुणवत्ता फिर से 'अति गंभीर' श्रेणी में न पहुंचे। सभी संबंधित एजेंसियों को स्टेज–खख और खखख के तहत उपायों को और अधिक तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, शीतकालीन मौसम को देखते हुए नागरिकों से अपील की गई है कि वे ग्रैप स्टेज–ख, खख और खखख के तहत जारी नागरिक चार्टर का सख्ती से पालन करें।

विधानसभा में सपा ने उठाया स्मार्ट मीटर का मुद्दा

स्मार्ट मीटर आधुनिक तकनीक का अच्छा इक्यूपमेंट है, कोई कमी नहीं : शर्मा

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । सपा के सदस्य अनिल प्रधान ने स्मार्ट मीटर तेज भागने का मामला उठाया। इसकी वजह से मनमानी बिजली बिल वसूली होती है, इस पर सरकार क्या विचार करेगी।इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि खम्भे और मीटर का पैसा उपभोक्ता से वसूला जाता है।उन्होंने कई अखबारों की कतरन दिखाई तो विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा,अखबारों के संज्ञान नही लिया जाएगा। सपा विधायकों ने स्मार्ट मीटर की समस्या का मुद्दा उठाया ।सपा विधायकों का आरोप था कि स्मार्ट मीटर से लोगों का बिजली बिल ज्यादा आ रहा है।उपभोक्ता मीटर की रीडिंग भी नहीं समझ पा रहे हैं।

सपा सदस्यों का कहना है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं से लूट हो रही हैं। इतना ही नहीं जब अधिकारियों से शिकायत की जाती है तो कोई सुनवाई नहीं होती है।इसके जवाब में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि स्मार्ट मीटर आधुनिक तकनीक का बहुत अच्छा इक्यूपमेंट है, इसके प्रयोग से किसी उपभोक्ता का अहित नही होता, बल्कि एक्यूरेट रीडिंग आती है।जहां तक मीटर का पैसा उपभोक्ता से वसूलने का प्रश्न सदस्य ने उठाया है तो मैं साफ कर देता हूं, केवल नए मीटर का चार्ज लिया जा रहा है।

आरक्षण और भर्ती भ्रष्टाचार पर विधान परिषद में सपा ने किया हंगामा, केशव प्रसाद मौर्य का पलटवार

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश विधान परिषद में मंगलवार को सरकारी नौकरियों में आरक्षण के नियमों के कथित उल्लंघन और भर्तियों में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए जोरदार हंगामा किया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही बार–बार बाधित हुई। अंततः सपा सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया। हंगामे के बीच नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण का अधिकार कोई छीन नहीं सकता। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार में आरक्षण का पूरी तरह पालन किया जा रहा है और जितनी भी भर्तियां हो रही हैं, उनमें एक–एक पद पर आरक्षित वर्ग को उनका अधिकार मिल रहा है। केशव मौर्य ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को रोना पड़ता था, जबकि अब बिना रिश्वत और केवल योग्यता के आधार पर भर्तियां हो रही हैं। इस दौरान सदन में स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने नेता प्रतिपक्ष को सदन त्याग करने का निर्देश दिया।पीठ के निर्देश का तत्काल पालन न होने पर गतिरोध उत्पन्न हो गया। बाद में नेता प्रतिपक्ष ने सदन त्याग किया और पुनः लौटकर पीठ के प्रति

खेद भी प्रकट किया।शून्य प्रहर के दौरान शिक्षक दल के सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर शासनादेश 28 जून 2024 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए औचित्य की सूचना दी। उन्होंने कहा कि आठ माह बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस पर सभापति ने मामले को गंभीर मानते हुए सरकार को एक माह के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए।नेता सदन ने भरोसा दिलाया कि बैठक कर जल्द समाधान कराया जाएगा। भाजपा सदस्य विजय बहादुर पाठक ने नियम 111 के तहत आयुष और स्वास्थ्य विभाग के बीच फंसे लगभग 900 चिकित्सकों की पदोन्नति का मुद्दा उठाया।उन्होंने कहा कि विभागीय गतिरोध के कारण चिकित्सकों को न पदोन्नति मिल पा रही है और न ही प्रोन्नत वेतनमान का लाभ, जिससे उनमें भारी आक्रोश है।शून्य प्रहर में ही सपा के लाल बिहारी यादव, राजेंद्र चौधरी, डॉ. मान सिंह यादव सहित अन्य सदस्यों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग पर आरक्षण नियमों के उल्लंघन और भर्तियों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कार्य स्थगन प्रस्ताव रखा।

सदस्यों ने कहा कि यह मुद्दा बेरोजगार युवाओं से जुड़ा है और सरकार की कथनी व करनी में अंतर है। जवाब में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि संविधान में प्रदत्त आरक्षण को धरातल पर पूरी ईमानदारी से लागू किया जाए।उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सपा सरकार में नकल माफिया सक्रिय थे, जिन्हें मौजूदा सरकार ने तोड़ा है।

उन्होंने दोहराया कि सरकारी और आउटसोर्सिंग दोनों तरह की भर्तियों में आरक्षण का पूरा पालन किया जाएगा। तेज शोर–शराबे और नारेबाजी के बीच जब स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखी, तो सभापति के निर्देश के बावजूद असंतुष्ट सपा सदस्य वेल में आ गए और अंततः सदन से वाकआउट कर दिया।

ममता सरकार ने जानबूझकर करवाया हिंदू समुदाय पर लाठीचार्ज : प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ममता सरकार पर हिंदू समुदाय के लोगों पर जानबूझकर लाठीचार्ज करवाने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, पश्चिम बंगाल में जब लोग बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा और हिंदू भाई की बेरहमी से हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तो उस समय पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार ने हमारे हिंदू भाइयों पर लाठीचार्ज का आदेश दिया। इससे पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में, जहां पुलिस बाबरी मस्जिद की नींव रखने जैसे कामों का समर्थन करती है, वहीं हिंदू भाई के समर्थन में विरोध करने वालों पर लाठियां बरसाई जाती हैं। उन्होंने कहा, यह तुष्टीकरण की हद है।

ऐसा देश में कहीं और देखने को नहीं मिलता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने बंगाली हिंदुओं के लोकतांत्रिक अधिकारों के बजाय चरमपंथी समूहों के हितों को चुना। आज पश्चिम बंगाल में 'मां, माटी, मानुष' में हर जगह गुस्सा गूंज रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं जैसा आप सबने 'जागो मां' के

बारे में सुना है, जो बंगाल की संस्कृति का हिस्सा है। अगर कोई सिंगर इसे गाता है, तो तृणमूल कांग्रेस का नेता उसे रोक देता है।

बॉबी हकीम कहते हैं कि वह ऐसा कोलकाता देखना चाहते हैं जहां ममता बनर्जी का दाहिना हाथ काम करे, खासकर जहां हिंदू अल्पसंख्यक हों।

भंडारी ने महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के एक साथ आने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हार के डर से दो वंशवादी परिवार गठबंधन में एक साथ आ गए हैं। यह साफ सबूत है कि मुंबई में उनका एक साथ आना दिखाता है कि उन्हें डर है। उन्हें इस बात का डर है कि मुंबई के लोग एनडीए और भाजपा के साथ विकास को चुनेंगे।भाजपा प्रवक्ता ने तंज कसते हुए कहा, ठाकरे परिवार ने अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए गठबंधन किया है।

प्रदीप भंडारी ने विपक्ष को घेरते हुए कहा, एक तरफ मुंबई में दो खानदानी परिवार अपनी राजनीतिक जिंदगी बचाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। वे जानते हैं कि मुंबई विकास और एनडीए के साथ खड़ा है। दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल में जो हुआ, उससे पूरा देश गुस्से में है, लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने लोकतांत्रिक विरोध को बढ़ावा देने के बजाय हिंदुओं पर लाठियां बरसाईं।

कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिनमें हिंदू संत पश्चिम बंगाल पुलिस के सामने हाथ जोड़कर खड़े दिख रहे हैं।उन्होंने कहा, राहुल गांधी जर्मनी में जॉर्ज सोरोस के एजेंटों से मिलने में बिजी हैं, जबकि दिग्विजय सिंह उस हिंदू की बेरहमी से हुई हत्या को सही ठहरा रहे हैं। दिग्विजय सिंह इसे 'एक्शन–रिएक्शन' कहते हैं। सोचिए जब पूरे विपक्ष को सरकार के साथ एकजुट होना चाहिए था, क्योंकि यह राजनीतिक बदले की बात नहीं थी। ममता बनर्जी की सरकार वोट बैंक को खुश करने के लिए हिंदुओं पर लाठियां चला रही है।

अयोध्या बायपास को 10 लेन बनाने के लिए पेड़ कटाई पर लगी रोक

भोपाल,24 दिसंबर (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अयोध्या बायपास मार्ग को 10 लेन किए जाने के लिए हजारों की तादाद में पेड़ काटे जाना प्रस्तावित है। इस मामले पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने आगामी आदेश तक के लिए पेड़ कटाई पर रोक लगा दी है। एनजीटी के इस आदेश के बाद अब आठ जनवरी को इस पर सुनवाई होगी। बता दें कि राजधानी के अयोध्या बायपास रोड को 10 लेन में बदला जाना है, जिसके चलते आठ से 12 हजार पेड़ कटने की आशंका जताई जा रही है। पेड़ों की कटाई का सिलसिला भी शुरू हो गया है और इसका विरोध भी हो रहा है।वहीं, इसके खिलाफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में भी याचिका दायर की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में दायर की गई याचिका पर न्यायाधीश पुष्पा सत्यनारायण ने पेड़ कटाई पर रोक लगा दी है और इस मामले पर अगली सुनवाई आठ जनवरी को निर्धारित की गई है।

दायर की गई याचिका में कहा गया है कि 16 किलोमीटर का लंबा रास्ता है जिसे 10 लेन बनाया जाना है, जो आश्रम तिराहे से करोंद होते हुए रत्नागिरी तिराहा तक है और इसके चलते आठ से 12 हजार पेड़ काटे जाने हैं।यह परियोजना नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधीन है। अयोध्या बायपास में प्रस्तावित 10 लेन सड़क के लिए हजारों पेड़ काटे जाने का राजधानी में विरोध हो रहा है। इसकी वजह भी है क्योंकि इससे पहले राजधानी में बीआरटीएस, स्मार्ट सिटी, कोलार सिक्स लेन आदि परियोजनाओं के लिए हजारों पेड़ काटे जा चुके हैं। पेड़ कटाई का असर सीधे तौर पर राजधानी की आवो हवा पर पड़ रहा है और गर्मी में यहां का तापमान भी उछाल मार रहा है।

इसरो का ऐतिहासिक लॉन्च: एलवीएम3–एम6 ने ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 सैटेलाइट को एलईओ में स्थापित किया,पीएम ने बताया गौरव का पल, इसरो को दी बधाई

श्रीहरिकोटा, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी एसएचएआर), श्रीहरिकोटा से इसरो के एलवीएम3–एम6 रॉकेट ने अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल की ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक 'लो अर्थ ऑर्बिट' (एलईओ) में स्थापित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे गौरवपूर्ण पूर्ण क्षण बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि को एक बड़ी छलांग बताते हुए लिखा, एलवीएम3–एम6 का सफल लॉन्च, जिसने भारतीय धरती से लॉन्च किए गए अब तक के सबसे भारी सैटेलाइट, यूएसए के ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 स्पेसक्राफ्ट को उसकी तय ऑर्बिट में पहुंचाया, भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने लिखा, यह भारत की हेवी–लिफ्ट लॉन्च क्षमता को मजबूत करता है और ग्लोबल कमर्शियल लॉन्च मार्केट में हमारी बढ़ती भूमिका को और पक्का करता है। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हमारे प्रयासों को भी दिखाता है। हमारे मेहनती अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई। भारत अंतरिक्ष की दुनिया में लगातार ऊंचाइयों को छू रहा है।यह एलवीएम3 रॉकेट के इतिहास में अब तक का सबसे भारी पेलोड (6,100 किलोग्राम) है।

लॉन्च सुबह 8:54 बजे आईएसटी सेकंड लॉन्च पैड से हुआ। 43.5 मीटर ऊंचे और 640 टन वजन वाले इस रॉकेट ने लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद सैटेलाइट को 520 किलोमीटर की ऊंचाई पर 53 डिग्री इंक्लिनेशन वाली सर्कुलर ऑर्बिट में छोड़ा।

यह इसरो की 100 प्रतिशत सफलता वाली एलवीएम3 सीरीज की छठी उड़ान है, जो पहले चंद्रयान–2, चंद्रयान–3 और वनवैब के 72 सैटेलाइट्स लॉन्च कर चुकी है। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के माध्यम से एक समर्पित कमर्शियल डील का हिस्सा है। एएसटी स्पेसमोबाइल दुनिया का पहला स्पेस–बेस्ड सेल्युलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क बना रही है, जो सामान्य स्मार्टफोन पर सीधे 4जी/5जी वॉइस, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और इंटरनेट डेटा प्रदान करेगा।यह सैटेलाइट ब्लू बर्ड ब्लॉक–2 सीरीज का पहला है, जिसमें 223 वर्ग मीटर का बड़ा फेज्ड एरे है, जो एलईओ में अब तक का सबसे बड़ा कमर्शियल कम्युनिकेशन एरे है। कंपनी पहले सितंबर 2024 में ब्लू बर्ड 1–5 लॉन्च कर चुकी है, जो अमेरिका और चुनिंदा देशों में कवरेज दे रहे हैं। ब्लॉक–2 सैटेलाइट्स 10 गुना ज्यादा बैंडविड्थ देंगे और दुनिया भर में कनेक्टिविटी गैप (लगभग 6 अरब मोबाइल यूजर्स) की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहाड़ों, महासागरों और रेगिस्तानों में भी यह गैप खत्म किया जा सकेगा।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने लॉन्च से पहले तिरुमाला मंदिर में पूजा–अर्चना की। यह मिशन भारत की कमर्शियल स्पेस लॉन्च क्षमता को वैश्विक स्तर पर मजबूत करता है।

फोर टू का वन फेम झक्कास अनिल कपूर शूटिंग सेट पर जमकर करते हैं मस्ती

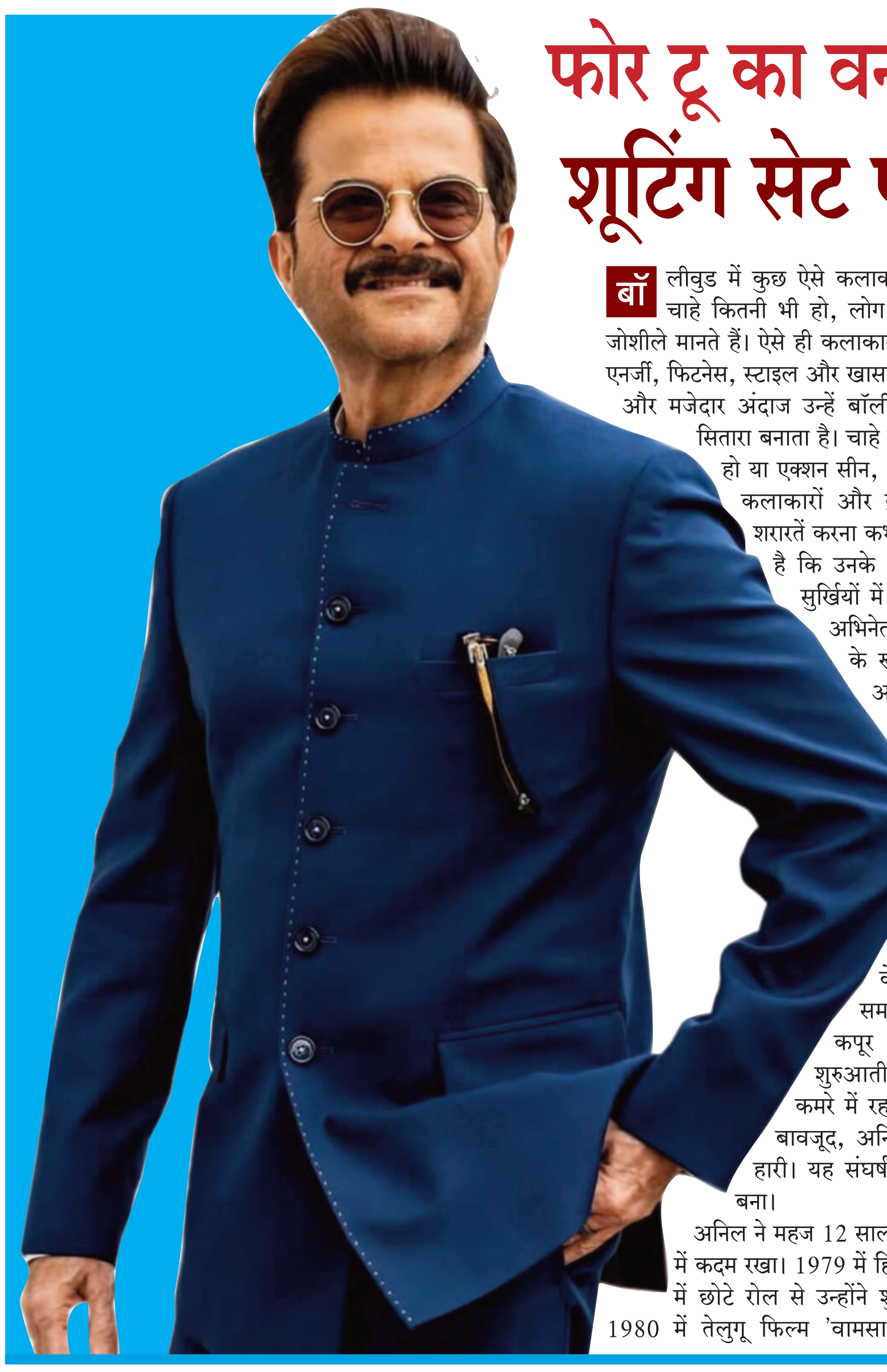

बॉलीवुड में कुछ ऐसे कलाकार होते हैं, जिनकी उम्र चाहे कितनी भी हो, लोग उन्हें हमेशा जवान और जोशीले मानते हैं। ऐसे ही कलाकार हैं अनिल कपूर। उनकी एनर्जी, फिटनेस, स्टाइल और खासकर सेट पर उनका झक्कास और मजेदार अंदाज उन्हें बॉलीवुड का सबसे पसंदीदा सितारा बनाता है। चाहे वह किसी गाने की शूटिंग हो या एक्शन सीन, अनिल कपूर अपने सह-कलाकारों और क्रू के बीच मस्ती और शरारतें करना कभी नहीं भूलते। यही वजह है कि उनके ऑन-सेट किस्से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं और दर्शक उन्हें अभिनेता के अलावा, फनी इंसान के रूप में भी याद करते हैं।

अनिल कपूर का जन्म 24 दिसंबर 1956 को मुंबई में हुआ। वे फिल्म निर्माता सुरेंद्र कपूर और निर्मल कपूर के बेटे हैं। उनके परिवार ने फिल्मों में कदम रखने के लिए काफी संघर्ष किया। जब वे मुंबई आए, तो कुछ समय के लिए उन्होंने राज कपूर के गैराज में रहकर शुरुआती दिन बिताए। छोटे से कमरे में रहने और आर्थिक तंगी के बावजूद, अनिल ने कभी हिम्मत नहीं हारी। यह संघर्ष उनके करियर की नींव बना।

अनिल ने महज 12 साल की उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। 1979 में हिंदी फिल्म 'हमारे-तुम्हारे' में छोटे रोल से उन्होंने शुरुआत की। इसके बाद 1980 में तेलुगू फिल्म 'वामसा वृक्षम' में बतौर लीड अभिनेता काम किया। 1983 में बॉलीवुड फिल्म 'वो सात दिन' से वह मुख्य अभिनेता बने। अभिनय के अलावा उन्होंने अपनी गायकी का हुनर भी दिखाया और फिल्म 'चमेली की शादी' में टाइटल सॉन्ग गाया, जिसे खूब सराहना मिली।

अनिल कपूर का सेट पर मस्ती भरा अंदाज हमेशा चर्चा में रहता है। 'मिस्टर इंडिया' की शूटिंग के दौरान उन्होंने कई बार सह-कलाकारों को डराया। कभी कैमरे के पीछे से फनी आवाज निकालकर हंसी दिलाते, तो कभी अचानक पीछे से छुपकर किसी को डराते। फिल्म 'राम लखन' के गाने की शूटिंग में अनिल इतने मजाकिया थे कि डांस करते-करते खुद हंसने लगते और पूरा सेट उनकी हंसी में डूब जाता।

उनकी शरारतें सिर्फ सह-कलाकारों तक सीमित नहीं रहीं। निर्देशक और क्रू के साथ भी अनिल की मस्ती का कोई मुकाबला नहीं था। 'परिंदा' और 'तेजाब' जैसी फिल्मों के सेट पर वह मजेदार चुटकुले सुनाकर माहौल खुशनुमा कर देते। कभी-कभी स्टंट के दौरान मजाक में अपनी खुद की भूमिका पर हंसने लगते।

अनिल कपूर ने हिंदी के अलावा तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। 1984 में रिलीज हुई 'मशाल' उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बनी। इसके बाद उन्होंने 'मेरी जंग', 'कर्मा', 'मिस्टर इंडिया', 'तेजाब', 'राम लखन', और 'परिंदा' जैसी हिट फिल्में दीं। 1990 के दशक में भी 'लम्हे', 'लाडला', 'जुदाई', 'दीवाना मस्ताना', 'हम आपके दिल में रहते हैं', और 'बीवी नंबर 1' समेत कई फिल्में लोगों को खूब पसंद आईं।

अनिल कपूर ने इंटरनेशनल फिल्मों और टीवी सीरीज में भी अपनी पहचान बनाई। डैनी बॉयल की ऑस्कर विजेता फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' में उनकी भूमिका को खूब सराहा गया। टीवी सीरीज '24' में उनके काम की भी लोगों ने तारीफ की। हॉलीवुड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल-घोस्ट प्रोटोकॉल' में उन्होंने टॉम क्रूज के साथ काम किया।अनिल ने अपने करियर में छह फिल्मफेयर और दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। वह अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं।

अशनूर कौर अपने स्कूल के फेस्टिवल में बनीं मुख्य अतिथि

टेलीविजन में बाल कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री अशनूर कौर हाल ही में बिग बॉस में नजर आई थी। हालांकि, शो में वे फिनाले से पहले ही बाहर निकल गई थी। अभिनेत्री हाल ही में अपने स्कूल में एक इवेंट के दौरान गेस्ट के रूप में गई थी। अपनी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वे मंच पर सम्मानित होती नजर आ रही हैं। अशनूर ने लिखा, यह मेरे लिए सच में गर्व की बात है कि मुझे अपने ही स्कूल के फेस्टिवल में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। जिंदगी सच में एक चक्र की तरह है। बहुत अजीब और खुश करने वाला एहसास था कि मुझे उसी मंच पर सम्मानित किया गया, जहां कभी मैं स्कूल का प्रतिनिधि बनकर एक प्रतिभागी के रूप में खड़ा था।

तस्वीरें देखते ही फैंस की प्रतिक्रियाएं उमड़ पड़ीं। कई यूजर्स ने कमेंट सेक्शन पर हार्ट और फायर के इमोजी शेयर किए।

अभिनेत्री ने रयान इंटरनेशनल स्कूल से अपनी स्कूल की शिक्षा पूरी की। बचपन से ही अभिनय और डांस में रुचि होने के कारण उन्होंने मनोरंजन जगत में कई शोज और फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री आज इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा हैं।

उन्होंने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'पटियाला बेब्स' जैसे धारावाहिकों में अहम भूमिकाएं निभाईं। हाल ही में बिग बॉस 19 में उनकी भागीदारी ने उन्हें और ज्यादा लोकप्रिय बना दिया।

बिग बॉस में अभिनेत्री की सबसे अच्छी दोस्ती सह-प्रतियोगी बजाज के साथ हुई थी, जो कि आज भी बरकरार है; दोनों एक दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। दोनों की दोस्ती घर के अंदर और बाहर, दोनों जगह चर्चा का विषय रही है। वहीं अशनूर और अभिषेक दोनों ने हमेशा यही कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं और इससे अधिक कुछ नहीं।

बीते साल की उपलब्धियों पर अलाया को है गर्व

ये साल अब अंतिम पड़ाव पर है और जैसे-जैसे नया साल करीब आ रहा है, लोगों के मन में भी सवाल आने लगते हैं कि इस साल हमने क्या हासिल किया, क्या खोया और भविष्य के लिए क्या सीखा। इसी कड़ी में अभिनेत्री अलाया फर्नीचरवाला ने एक पोस्ट के जरिए अपनी दिल की बात शेयर की। उन्होंने इस साल को मेहनत, हिम्मत और निरंतर आगे बढ़ने का साल करार दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की। इस वीडियो में वे कई तरह की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। कभी वह जिम में पसीना बहाते हुए तरह-तरह के व्यायाम कर रही हैं, तो कभी योगासन से लेकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक। वीडियो में उनकी फिट बॉडी और दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा है। पोस्ट कर अलाया ने लिखा, 2025 मेहनत, हिम्मत और आगे बढ़ने का साल था। पीछे मुड़कर देखती हूं तो इस साल मैंने जो हासिल किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं, और अलाया ने कमेंट्स में लिखा कि अलाया की मेहनत वाकई प्रेरणा देने वाली है।अलाया भी बाकी अभिनेत्रियों की तरह अपनी फिटनेस और हेल्दी डाइट पर फोकस करती रहती हैं। वे नियमित रूप से योग, पिलाटेस, डांस और वेट ट्रेनिंग करती हैं।

अभिनेत्री ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया है। वे अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी हैं। अलाया ने साल 2020 में आई फिल्म जवानी जानेमन में सैफ अली खान के साथ अपना डेब्यू बी-टाउन में किया था। जवानी जानेमन फिल्म में अलाया सैफ और तब्बू की बेटी के किरदार में नजर आई थीं। इसके बाद अभिनेत्री ने 'फ्रेडी' और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों में काम किया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवार्ड मिल चुका है।

सपना चौधरी ने जले-3 बलमा की सफलता पर लुटाया प्यार

हरियाणा की मशहूर कलाकार और डांसर सपना चौधरी अपने धमाकेदार डांस और गानों को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में उनका गाना 'जले-3 बलमा' रिलीज हुआ था। इस गाने को प्रशंसकों ने खूब सराहा है। गाने की लोकप्रियता देखते हुए सपना चौधरी ने अपने प्रशंसकों का दिल से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे 'जले-3 बलमा' गाने के बोल पर लिपसिंक करती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे के हाव-भाव और अदाएं गाने के बोल से बिल्कुल मैच कर रही हैं। फैंस को भी ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। पोस्ट कर सपना ने लिखा, 'जले 3' को इतना प्यार देने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। गाना हमारा नहीं, आपका है और आपका ही रहेगा। सुनिए और गाने को अपनापन दीजिए।

लोकप्रिय गाने को शिवा चौधरी ने अपनी आवाज से सजाया है और लिरिक्स दीपक डबलानिया ने लिखे हैं। जबकि, शिवा चौधरी ने ही गाने को कंपोज किया है। यह गाना सपना चौधरी की लोकप्रिय सीरीज 'जले' का तीसरा पार्ट है। इससे पहले 'जले' और 'जले-2' रिलीज किए गए थे, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था।

वहीं, गाने में सपना की देसी अदा और हरियाणवी स्वैग दर्शकों को लुभा रहा है।

सपना चौधरी हरियाणवी संगीत और डांस की दुनिया में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। वे स्टेज शो से लेकर सोशल मीडिया तक मौजूदगी रखती हैं। उनके गाने न केवल हरियाणा बल्कि भारत में भी लोकप्रियता हासिल करते हैं।

जल्द ही सपना की बायोपिक 'मैडम सपना' रिलीज होने वाली है। मशहूर निर्देशक महेश भट्ट सपना चौधरी की संघर्ष भरी जिंदगी को पर्दे पर दिखाएंगे। दिलचस्प बात ये है कि इस बायोपिक में सपना चौधरी अपना रोल प्ले नहीं कर रही हैं, बल्कि एक नई एक्ट्रेस को लॉन्च किया जाएगा। वहीं, बायोपिक साल 2026 में रिलीज हो सकती है।

पी. भानुमति रामकृष्ण : तेलुगू फिल्मों की पहली महिला सुपरस्टार फिल्म का आधा बजट होता था सिर्फ उनकी फीस

सिनेमा की दुनिया में कई सितारे आए और गए, लेकिन कुछ दिग्गज ऐसे हैं जिनकी कला, अभिनय और व्यक्तित्व ने उन्हें हमेशा के लिए लोगों के दिलों में बसा दिया है। ऐसा ही एक नाम है पी. भानुमति रामकृष्ण। वह तेलुगू सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार थीं। उनकी फीस इतनी थी कि किसी फिल्म के बजट का लगभग आधा हिस्सा बस उन्हें देने में चला जाता था, लेकिन उनके अभिनय की जादूगरी हर पैसे की कीमत को अदा कर देती थी। उन्होंने स्क्रीन पर ऐसे किरदार निभाए कि लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते और कभी-कभी उनकी भावुक अदाकारी से आंखें भी नम हो जाती थीं। भानुमति सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं थीं, बल्कि एक बेहतरीन सिंगर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और म्यूजिक कंपोजर थीं। उनका करियर 60 सालों का था और इस दौरान उन्होंने 97 फिल्मों में काम किया, जिनमें से 58 तेलुगु, 34 तमिल और 5 हिंदी फिल्में थीं। वो अपनी अदाकारी और बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर थीं। भानुमति का जन्म 7 सितंबर 1925 को आंध्र प्रदेश के ओंगोल में हुआ था। उनके माता-पिता संगीत में पारंगत थे, इसलिए उन्होंने बचपन से ही भानु को संगीत सिखाना शुरू कर दिया। छोटे से ही उन्हें स्टेज पर परफॉर्म करते हुए देखा और यही उनका फिल्मों की दुनिया में पहला कदम था। 13 साल की उम्र में ही उन्हें तेलुगु फिल्म 'वर विक्रमायम' में काम करने का मौका मिला।

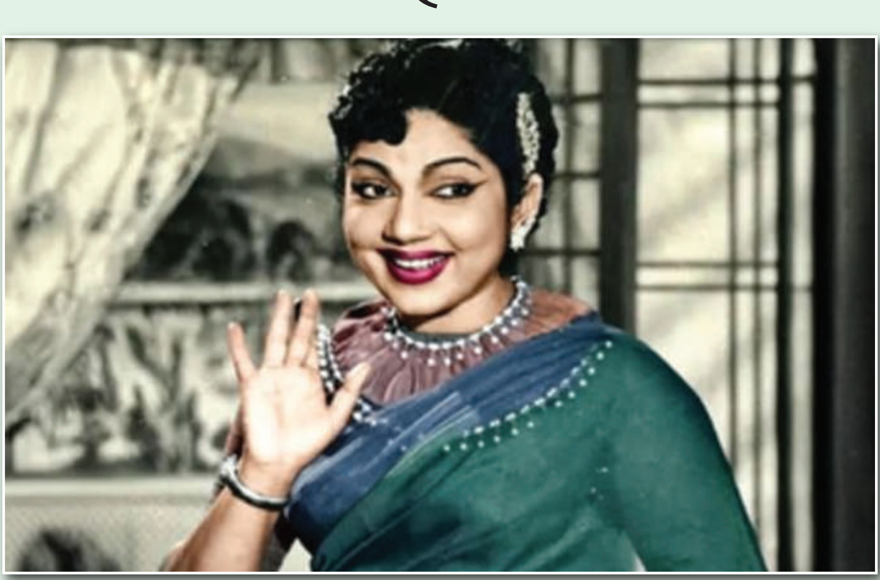

भानुमति ने जल्दी ही अपनी अद्भुत प्रतिभा का जादू दिखाना शुरू कर दिया। उनके जमाने में फिल्म के कुल बजट का आधा सिर्फ उनकी फीस हुआ करती थी। चाहे वो म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर फिल्म मल्लेश्वरी हो या रोमांटिक फिल्म कृष्ण प्रेम, भानुमति ने हमेशा दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाई।

उनकी जिंदगी में रोमांस भी उतना ही रंगीन था जितनी उनकी फिल्मों की कहानी। शूटिंग के दौरान उन्हें असिस्टेंट डायरेक्टर रामकृष्ण से प्यार हो गया। उनके माता-पिता ने इस शादी को मंजूरी नहीं दी, लेकिन भानुमति ने अपनी चाहत के लिए घर से भागकर शादी कर ली। शादी के बाद भी उन्होंने फिल्मों को अलविदा नहीं कहा। उनके करियर का बड़ा मोड़ फिल्म स्वर्गसीमा रही।

भानुमति सिर्फ अभिनय में ही नहीं, बल्कि संगीत में भी माहिर थीं। उन्होंने कई फिल्मों में अपने गाने खुद गाए और संगीत भी दिया। उनकी आवाज में जो भाव होता था, वह सीधे दिल को छू जाता था। यही कारण है कि आज भी उनके गाने लोगों की यादों में बसे हैं।

1953 में भानुमति ने फिल्म डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखा और 'चंडीरानी' से डायरेक्टिंग डेब्यू किया और भारत की पहली महिला डायरेक्टर भी बन गई। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने बेटे के नाम पर 'भारणी स्टूडियो' खोला और अपने पति रामकृष्ण को फिल्म डायरेक्टर के तौर पर मौका दिया। उनके बैनर तले बनी फिल्में जैसे लैला मजनू और विप्रनारायण ने नेशनल अवॉर्ड जीते।

भानुमति की पर्सनैलिटी भी इतनी दमदार थी कि उनके एटीट्यूड की कहानियां आज भी सुनाई जाती हैं। एक बार किसी रिपोर्टर ने पूछा कि आप टॉप मेल सुपरस्टार्स के साथ काम करती हैं, तो भानुमति ने कहा, ''मैं उनके साथ काम नहीं करती, वे मेरे साथ काम करते हैं।''

1966 में उन्हें पद्मश्री मिला और 2003 में पद्मभूषण। उनका योगदान इतना बड़ा था कि 2013 में सिनेमा के 100 साल पूरे होने पर भारत पोस्टल डिपार्टमेंट ने उन्हें समर्पित डाक टिकट भी जारी किया। चाहे अभिनय हो, संगीत हो, डायरेक्शन हो या लेखन उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी। यही कारण है कि भानुमति आज भी साउथ सिनेमा की आइकॉन और भारतीय सिनेमा की प्रेरणा मानी जाती हैं। 24 दिसंबर 2005 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया था, लेकिन उनकी फिल्में, गाने और कहानी आज भी लोगों के दिलों में जिन्दा हैं। भानुमति केवल एक अभिनेत्री नहीं थीं, बल्कि एक लीजेंड थीं जिन्होंने अपने टैलेंट और आत्मविश्वास से सिनेमा की दुनिया में अमिट छाप छोड़ी।

फिटकरी के उपाय करने से धन में होती है वृद्धि

वास्तु शास्त्र में फिटकरी को वास्तु से जुड़े उपायों के लिए रामबाण माना गया है। धन और आर्थिक स्थिरता के लिए भी वास्तु शास्त्र में फिटकरी महत्वपूर्ण बताया गया है। फिटकरी घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के साथ-साथ आर्थिक समस्याओं से भी मुक्ति दिलाती है। ज्योतिष के अनुसार, अगर कड़ी मेहनत के बाद भी आपके पास पैसा नहीं टिक पा रहा तो फिटकरी का छोटा सा टुकड़ा आपके लिए बड़ा असरदार साबित हो सकता है।

धन में वृद्धि के उपाय

शुक्रवार या गुरुवार के दिन सुबह स्नान के बाद फिटकरी का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर उसे लाल कपड़े में बांध लें। इस पोटली को अपनी तिजोरी, अलमारी या उस स्थान पर रखें जहां आप धन रखते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से धन में वृद्धि होती है और फिजूल के खर्चे कम होने लगते हैं।

दरिद्रता दूर करने के उपाय

अमावस्या की रात को फिटकरी का एक छोटा टुकड़ा लेकर उसे अपने हाथ में पकड़ें और अपनी आर्थिक परेशानियों का याद करें। इसके बाद उस फिटकरी को घर के किसी ऐसे कोने में रख दें जहां किसी की नजर न पड़े। माना जाता है कि यह उपाय घर से दरिद्रता को दूर करता।

ग्रह दोष दूर करने के उपाय

फिटकरी का संबंध राहु और शनि जैसे ग्रहों से भी होता है। यह व्यक्ति के जीवन में अचानक रुकावट, कर्ज और मानसिक तनाव का कारण बन सकते हैं। ऐसे में सप्ताह में एक बार पानी में फिटकरी मिलाकर स्नान करने से ग्रह दोषों का प्रभाव कम होता है। इससे कार्यक्षेत्र में स्थिरता आती है और लाभ के योग बनने लगते हैं।

नौकरी में तरक्की के लिए उपाय

नौकरी में तरक्की के लिए भी फिटकरी का उपाय कारगर माना गया है। इंटरव्यू या किसी महत्वपूर्ण डील के लिए जा रहे हो, तो जेब में फिटकरी का छोटा सा टुकड़ा रखने से सफलता के योग बढ़ जाते हैं। यह उपाय आत्मविश्वास बढ़ाता है और नकारात्मक सोच को दूर करता है।

हर गुरुवार को करें ये पांच काम, विष्णुजी की कृपा से चमक उठेगी किस्मत

हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और बृहस्पति देव को समर्पित माना जाता है। ऐसे में इस दिन लोग विष्णुजी की विशेष पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। माना जाता है कि गुरुवार का व्रत रखने से जातक को जीवन के कई दुखों से निजात मिल सकती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में गुरुवार के कुछ उपाय भी बनाए गए हैं, जिन्हें करना बहुत फलदायी माना जाता है। इन्हें विधि-विधान और श्रद्धा पूर्वक करने से व्यक्ति की सोई किस्मत जाग सकती है और पैसों की तंगी से भी निजात मिल सकती है।

केसर युक्त दूध का करें सेवन

गुरुवार के दिन दूध में केसर मिलाकर पीना बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति की कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत होती है और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है। घर पर केसर न मौजूद होने पर आप दूध में चुटकीभर हल्दी मिलाकर भी पी सकते हैं। हर गुरुवार को ऐसा करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसके अलावा, गुरुवार के दिन एक लोटा दूध में थोड़ा सा केसर डालकर शिवजी का अभिषेक भी किया जा सकता है। ऐसा करने से व्यक्ति को पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गंगाजल, हल्दी और जल से करें यह विशेष उपाय

ऐसा माना जाता है कि हर गुरुवार के दिन घर में जल में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर इसका मुख्य द्वार पर छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए पहले एक लोटा जल में थोड़ी सी हल्दी और गंगाजल मिला लें। इसके बाद, अपने घर के मुख्य दरवाजे पर इसका छिड़काव करें। इस उपाय को करने से घर से नकारात्मकता दूर होने लगती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हर गुरुवार के दिन इस उपाय को करने से व्यक्ति के घर में शांति का माहौल बना रहता है और गृह क्लेश से भी निजात मिल सकती है।

इस एक मंत्र का करें जाप

गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और फिर, साफ वस्त्र धारण करके शांति से बैठ जाएं। इसके बाद, 'ॐ क्लीं बृहस्पतये नम:' मंत्र का 108 बार जाप करें। इस मंत्र का श्रद्धा पूर्वक जाप करना बहुत फलदायी माना जाता है। इससे जातक को बृहस्पति देव की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, इससे कुंडली में मौजूद गुरु दोष से भी राहत मिल सकती है। गुरुवार को ॐ क्लीं बृहस्पतये नम: का जाप करने के साथ-साथ भगवान विष्णु की भी विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से विष्णु जी की कृपा जातक पर बनी रहती है।

गाय को खिलाएं ये 2 चीजें

माना जाता है कि गुरुवार के दिन गाय को चने की दाल और गुड़ खिलाना अत्यंत फलदायी होता है। ऐसा करने से व्यक्ति की कुंडली में गुरु मजबूत होता है। साथ ही, अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार कोई बाधा आ रही है, तो इस उपाय को गुरुवार के दिन जरूर करें। ऐसा करने से काम में आ रही अड़चनें दूर हो सकती हैं और सफलता प्राप्त होती है। इस एक उपाय को हर गुरुवार के दिन करने से व्यक्ति की किस्मत भी बदल सकती है और जीवन के दुखों से निजात मिल सकती है। साथ ही, इससे जीवन में खुशहाली आती है।

विष्णु स्तोत्र का और सहस्रनाम का करें पाठ

हर गुरुवार के दिन आप घर में भगवान विष्णु की पूजा करने के साथ-साथ विष्णु स्तोत्र का भी पाठ कर सकते हैं। इसके अलावा, सहस्रनाम का पाठ करना भी लाभकारी माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही, इनके पाठ से कुंडली से गुरु दोष को दूर करने में भी सहायता मिलती है और करियर में भी सफलता प्राप्त हो सकती है।

गुरुवार को भूलकर भी न करें ये काम

ऐसा माना जाता है कि गुरुवार के दिन भूलकर भी कुछ काम नहीं करने चाहिए। इस दिन हल्दी और पैसा किसी को उधार नहीं देना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। गुरुवार को इन चीजों को देने से व्यक्ति के जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और घर से खुशहाली जाने लगती है। अगर आप गुरुवार के दिन हल्दी या पैसा किसी को उधार देते हैं, तो वह वापस नहीं मिलता है और साथ ही, आपको पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, गुरुवार को घर में पोछा लगाने से भी बचना चाहिए। इसकी जगह आप घर को केवल झाड़ू से साफ कर सकते हैं। गुरुवार को पोछा लगाने से अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

कुंभ राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 कुंभ राशि के जातकों के लिए महत्वपूर्ण और बदलाव भरा रहेगा। इस साल कुछ क्षेत्रों में चुनौतियां सामने आएंगी, वहीं कुछ क्षेत्रों में बड़े और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। नई चीजें सीखने और अपने कौशल को निखारने का मन इस वर्ष अधिक रहेगा। शनि, बृहस्पति और राहु के गोचर आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे आर्थिक स्थिति, करियर और व्यक्तिगत विकास पर असर डालेंगे। आर्थिक मामलों में मजबूती आएगी और सही प्रयास से कई अवसर हाथ लग सकते हैं। साल की शुरुआत में ही राशि स्वामी शनि का गोचर मीन राशि में होगा। मीन राशि में गोचर करते हुए शनि आपको परिवार, धन, वाहन, संपत्ति, वाणी, कुटुम्ब से जुड़े प्रभाव देने वाले हैं। जब शनि साल के मध्य के दौरान वक्री होंगे तब इन बातों को लेकर सावधान रहने की अधिक आवश्यकता होगी। गुरु का प्रभाव साल के आरंभ में मिथुन राशि में होने पर पंचम भाव एक्टिव रहेगा। इस दौरान प्यार, रिश्ते, एजुकेशन, क्रिएटिविटी के मामले में अच्छे असर देखने को मिल सकते हैं। इसके बाद साल के दूसरे भाग से गुरु कर्क में चले जाएंगे तब छठा भाव एक्टिव होगा जिसके कारण कंपटीशन, शत्रु पक्ष, डेली रूटीन की स्थिति पर असर होगा और साल के अंतिम भाग में सिंह में गुरु का होना सातवें भाव पर असर देगा और तब दिशा और विचार बदल सकते हैं। राहु केतु का गोचर साल के पहले भाग में कुम्भ राशि और सिंह राशि पर असर डालेगा। नवंबर के अंतिम भाग से इन दोनों में बदलाव होगा और तब राहु मकर में गोचर करेंगे और कर्क में केतु अपना गोचर करेंगे। अब इस दौरान व्यक्ति की मानसिकता के साथ साथ विचारशीलता का असर बदलेगा। बुध, सूर्य, शुक्र, मंगल अपनी सामान्य चाल से चल रहे होंगे और प्रेम संबंध, घर परिवार की स्थिति अपना असर दिखाने वाली होगी। इस वर्ष शनि मीन राशि में रहेगा, जो कुंभ राशि वालों के लिए विशेष प्रभाव डालेगा। शनि आपके दूसरे भाव में रहेगा, जिससे आपके आर्थिक मामलों में मजबूती आएगी। कुछ समय के लिए आपको पैसों से संबंधी मामलों में सावधानी रखने की आवश्यकता होगी। दूसरे भाव में शनि का गोचर आमतौर पर खर्चों में वृद्धि का संकेत देता है, लेकिन यह आपकी आय के स्रोतों को भी मजबूत करेगा। शनि की स्थिति आपको समय-समय पर आर्थिक फैसलों में सोच-समझ कर काम करने की सलाह देती है 25 नवंबर के बाद राहु मकर राशि में बारहवें भाव में गोचर करेगा, जिससे यह आपकी विदेश यात्रा, खुद को जानने की क्षमता, स्पिरिचुअल ग्रोथ, आध्यात्मिक उन्नति के लिए अनुकूल समय होगा।

कैरियर –कुंभ राशि के जातकों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहेगा। हालांकि, आपकी नौकरी सुरक्षित रहेगी, इसलिए मेहनत और समर्पण से काम करने वाले जातकों को अच्छे परिणाम भी मिल सकते हैं। लेकिन, आपके प्रथम भाव पर राहु-केतु का प्रभाव रहेगा और ऐसे में, आपको ऑफिस पॉलिटिक्स में पड़ने से बचना होगा, अन्यथा आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए कार्यक्षेत्र के मामलों में पड़ने से बचना होगा। साथ ही, आपको अन्य लाभ भी मिल सकेंगे। बता दें कि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में रहेंगे जो नौकरी में आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में सहायता करेंगे जिसके चलते आप अच्छी उपलब्धियां हासिल कर सकेंगे। मन लगाकर काम करने की स्थिति में शुभ फल प्राप्त होंगे। हालांकि, आपके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि राहु-केतु का प्रभाव आपका ध्यान भटका सकते हैं। कुंभ राशिफल 2026 के अनुसार, 02 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 की अवधि में गुरु ग्रह आपके छठे भाव में उच्च अवस्था में विराजमान होंगे। ऐसे में, यह आपकी नौकरी को सुरक्षित रखने के साथ-साथ आपके नए संपर्क भी बनवाएंगे जो भविष्य में आपके लिए फलदायी साबित होंगे। नए विचारों और नई योजनाओं को अमल में लेंगे। काम करने के तरीके में बदलाव करने के लिए आप सोचेंगे। साल की शुरुआत में ही किसी नए काम को शुरू करने का अनुकूल समय रहेगा। आपकी सर्जनात्मकता में बढ़ोतरी होगी और आपकी नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। राहु के प्रभाव से एक से ज्यादा काम करने में आपको महारत हासिल होगीऔर राहु आपको बिजी रखेगी। आप एक से ज्यादा प्रोजेक्ट को एक साथ काम करने के लिए चलेगे, यह चुनौती पूर्ण तो होगा, लेकिन इन नए कार्यों से आपको बहुत अच्छी ग्रोथ देखने को मिलेगी और इसी से आपको सफलता प्राप्त होगी।

आर्थिक स्थिति –कुंभ राशि के जातकों का आर्थिक जीवन वर्ष 2026 में मिलाजुला रहेगा। बता दें कि आपके लाभ भाव के स्वामी गुरु ग्रह साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में रहेंगे क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में बैठकर लाभ भाव को देखेंगे। ऐसे में, यह आपको अच्छा लाभ करवाना चाहेंगे। सरल शब्दों में, अगर आपका व्यापार और नौकरी सही तरह से आगे बढ़ेगा, तो आपको अच्छा लाभ मिलता रहेगा और कोई बड़ी समस्या भी नहीं आएगी। लेकिन, दूसरे भाव में उपस्थित शनि देव आपको धन की बचत करने में समस्याएं दे सकते हैं या फिर जमा किए हुए धन को खर्च करवा सकते हैं। बृहस्पति 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में आपका सहयोग करेंगे। हालांकि, छठे भाव में गुरु देव के गोचर को शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन, इनकी नवम दृष्टि आपके धन भाव पर होगी जो बेकार के खर्चों को रोकने का काम करेगी। हालांकि, फिर भी आपको आय में वृद्धि के प्रयास करते रहना होगा। इसके पश्चात, 31 अक्टूबर 2026 के बाद गुरु देव आपके लाभ भाव को दोबारा देखेंगे और इसके फलस्वरूप, आपको पर्याप्त मात्रा में लाभ दिलाना चाहेंगे। कुल मिलाकर लाभ की दृष्टि से साल 2026 अनुकूल और बचत के नज़रिये से कमज़ोर रह सकता है। ऐसे में, यह वर्ष आर्थिक जीवन के लिए मिलाजुला कहा जाएगा। जून में बृहस्पति के पहले गोचर के बाद आपके करियर में तेजी आने लगेगी। इस समय आपको अच्छा सपोर्ट मिलेगा और कार्यस्थल का माहौल भी पॉजिटिव और सपोर्टिव रहेगा। आपके विरोधी या प्रतिस्पर्धी सक्रिय तो रहेंगे, लेकिन आपको या आपके काम को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। जो लोग नई जॉब की तलाश में हैं, उन्हें अच्छे मौके मिल सकते हैं। अगर आप करियर चेंज करने या ट्रांसफर करवाने की सोच रहे हैं, तो यह समय अनुकूल रहेगा। अक्टूबर में बृहस्पति के दूसरे गोचर के बाद नेटवर्किंग और टीम वर्क से जुड़ी चीज़ें बहुत अच्छी रहेंगी। कलीग्स आपके साथ ज्यादा सहयोग करेंगे और अगर आप टीम लीड कर रहे हैं, तो टीम ज़्यादा अनुशासित और सिस्टमैटिक नजर आएगी। साल के अंत तक आप अपने करियर गोल्स को लेकर और ज्यादा स्पष्ट होंगे और बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस बना पाएंगे।

परिवार – कुंभ राशि वालों का पारिवारिक जीवन वर्ष 2026 में कुछ कमज़ोर रह सकता है, क्योंकि इस पूरे

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वर्ष आपके दूसरे भाव में शनि देव उपस्थित रहेंगे। ऐसे में, यह आपके परिवार में रिश्तों को बिगाड़ने का काम कर सकते हैं। बेहतर होगा कि परिवारजन जिद से बचें और एक-दूसरे का ख्याल रखें। आपके दूसरे भाव में शनि देव की मौजूदगी इस बात की तरफ संकेत करती है कि अगर आप पूरे मन से एक-दूसरे का ख्याल रखेंगे, तो पारिवारिक जीवन में कोई समस्या नहीं आएगी। इसके विपरीत, दिखावा करने या बात का बतंगड़ बनाने की स्थिति में पारिवारिक जीवन समस्याओं से भर सकता है। वर्ष 2026 में आपका गृहस्थ जीवन काफ़ी हद तक बेहतर रहेगा। सामान्य शब्दों में, यह वर्ष गृहस्थ जीवन के लिए पारिवारिक जीवन की अपेक्षा ज्यादा अनुकूल रहेगा। लेकिन, यहां पर भी आपको एक-दूसरे का ख्याल रखना होगा क्योंकि शनि देव की तीसरी दृष्टि चौथे भाव पर होगी, जो पूरे वर्ष रहेगी। ऐसे में, आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी क्योंकि यह अवधि आपके लिए थोड़ी नाजुक रह सकती है। कुंभ राशि के विवाह योग्य जातकों के लिए वर्ष 2026 मददगार साबित होगा। साल की शुरुआत यानी जनवरी से शुभ कार्यों के कारक ग्रह बृहस्पति देव आपके पंचम भाव में रहेंगे जो सगाई और विवाह की बातों को आगे बढ़ाने में सहायता करेंगे। इस अवधि में आपके विवाह की बात आगे बढ़ सकती है या फिर सगाई हो सकती है। घर-परिवार का कोई बड़ा बुजुर्ग आपका विवाह करवाने में सहायता करेगा। वाह के योग सिर्फ़ साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक रहेंगे और इसके बाद. 02 जून से 31 अक्टूबर तक का समय विवाह के लिए कमज़ोर रह सकता है। संभव है कि इस अवधि में गुरु ग्रह का विवाह के संबंध में आपको साथ न मिले। लेकिन, 31 अक्टूबर के बाद की अवधि शादी-विवाह के लिए अच्छी कही जाएगी। ऐसे में, अब आपके विवाह की बात आगे बढ़ सकती है। सरल शब्दों में कहें तो, यह वर्ष वैवाहिक जीवन के लिए ज्यादा अनुकूल नहीं कहा जा सकता है, परंतु आप कोशिश करने परेशानियों से बचने में सक्षम होंगे। अगर आप रिश्ते को ईमानदारी से निभाएंगे और अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो आप वैवाहिक जीवन को मधुर बनाए रख सकेंगे। साथ ही, आपको आपसी संदेह से बचना होगा, अन्यथा यह समस्या का कारण बन सकती है।

प्रेम – रोमांस –कुंभ राशि के लोगों को साल 2026 में अच्छे रिजल्ट देखने को मिलेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से आपकी लव लाइफ साल की शुरुआत में बहुत अच्छी रहेगी। प्रेम में स्थिरता रहेगी, प्रेम बढ़ेगा यही नहीं विवाहित दंपति के रिश्ते में भी प्रेम और स्थिरता का भाव रहेगा, लेकिन राहु और केतु का प्रभाव शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें उत्पन्न करेगा जबकि दूसरी तरफ लव मैरिज करने की स्थिति बनाएगा। आपकी लव लाइफ में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। रिश्ते मजबूत होंगे। आपके पार्टनर के साथ गहरे भावनात्मक संबंध आपको खुशी देंगे। अकेले लोगों को गुरु के प्रभाव से नए रिश्ते मिलने का योग बनेगा। किसी नए व्यक्ति के साथ आपकी नजदीकियां बढ़ेंगी। दिल में प्रेम के भाव उत्पन्न होंगे। आप अपने साथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके पंचम भाव के स्वामी बुध का गोचर पूरे वर्ष आपको औसत या औसत से बेहतर परिणाम देगा। वहीं, शुक्र की स्थिति आपको शुभ फल प्रदान करेगा जबकि राहु की स्थिति आपके और साथी के बीच संदेह पैदा कर सकती है। ऐसे में, आपका रिश्ता कमज़ोर पड़ सकता है। बता दें कि प्रेम जीवन में बृहस्पति देव आपका सहयोग करेंगे क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में रहेंगे। इसके परिणामस्वरूप, यह आपके प्रेम जीवन को प्रेमपूर्ण बनाना चाहेंगे। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव का सहयोग आपको नहीं मिल पाएगा। राहु-केतु का असर आपके वैवाहिक संबंधों में कुछ असंतोष उत्पन्न कर सकता है। यह समय आपके लिए रिश्तों में कुछ भ्रम, मतभेद, या छोटे-छोटे विवाद उत्पन्न करने वाला हो सकता है। इससे आपके जीवन साथी के साथ रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है। वर्ष का पहला भाग लव और मैरिज के लिए अनुकूल है, फिर भी आपको इस समय थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है, विशेष रूप से विवाह के निर्णय के मामले में। राहु-केतु के प्रभाव के कारण अचानक से कुछ विवाद उत्पन्न हो सकते हैं, और इसका असर आपके वैवाहिक जीवन पर हो सकता है। इसलिए, आपको शादी से पहले या प्रेम संबंधों को लेकर किसी भी प्रकार का निर्णय लेने से पहले अपनी भावनाओं और स्थितियों का पूरी तरह से मूल्यांकन करना होगा।

शिक्षा– कुंभ राशि वालों की शिक्षा के लिए वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। लेकिन, इसके लिए आपका स्वास्थ्य अच्छा रहना जरूरी होगा। क्योंकि आपकी सेहत इस साल नाज़ुक रहने की आशंका है। हालांकि, कुंडली में दशाएं अनुकूल होने पर अगर आपका स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, तो शिक्षा के मामले में यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। बता दें कि इन जातकों पर राहु-केतु का प्रभाव होने की वजह से आपका मन पढ़ाई से भटक सकता है या फिर भ्रमित रह सकता है। वहीं, एकाग्रचित होकर पढ़ाई करने की स्थिति में आप न सिर्फ़ अपने विषयों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे, बल्कि शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन भी कर सकेंगे। बात करें बृहस्पति ग्रह की, तो इस साल की शुरुआत से ही शिक्षा के क्षेत्र में गुरु ग्रह आपकी सहायता करना चाहेंगे। बता दें कि जनवरी से लेकर 02 जून 2026 तक बृहस्पति देव आपके पंचम भाव में उपस्थित रहेंगे और अपनी नवम दृष्टि से प्रथम भाव को देखेंगे। सरल शब्दों में कहें तो, गुरु ग्रह की दृष्टि आपके पंचम भाव, नवम भाव, लाभ भाव और प्रथम भाव पर होगी। कुंडली के यह सभी भाव शिक्षा में सहायता करने वाले भाव माने जाते हैं, इसलिए उच्च शिक्षा के कारक ग्रह बृहस्पति देव का आपके पक्ष में होना शिक्षा के संबंध में सकारात्मक कहा जाएगा। वहीं, प्राथमिक शिक्षा के कारक ग्रह बुध देव भी आपको औसत से बेहतर परिणाम दे सकते हैं। कुल मिलाकर, बृहस्पति देव और बुध ग्रह इन दोनों की कृपा इस साल आपको मिल जाएगी जिसके चलते आप शिक्षा में सफलता पाने में सक्षम होंगे। वहीं, जनवरी से 02 जून 2026 की अवधि में गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में बैठकर आपकी मदद करेंगे। ऐसे में, बृहस्पति देव प्राथमिक और उच्च शिक्षा की पढ़ाई कर रहे छात्रों को शुभ फल प्रदान करेंगे। इसके बाद, 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह उच्च अवस्था में होने की वजह से प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों को कामयाबी देने का काम कर सकते हैं। इसके पश्चात, 31 अक्टूबर के बाद गुरु देव की स्थिति एक बार फिर से प्राथमिक और उच्च शिक्षा हासिल कर रहे छात्रों के लिए सकारात्मक हो जाएगी। सामान्य शब्दों में, वर्ष 2026 कुंभ राशि के छात्रों के लिए अनुकूल रहेगा। लेकिन साल का दूसरा हिस्सा आपके लिए बेहतर रहेगा, खासकर उनके लिए जो विदेश जाकर पढ़ाई करने की सोच रहे हैं। हालांकि हो सकता है कि उन्हें अपनी पसंद का कॉलेज या यूनिवर्सिटी न मिले, लेकिन जहां भी दाखिला मिलेगा, वो भी अच्छा ही होगा। जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें भी कुछ रुकावटें और ध्यान भटकने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा देते समय सावधानी बरतें और छोटी-छोटी गलतियों से बचें।

स्वास्थ्य– साल के पहले भाग में स्वास्थ्य अच्छा रहने की उम्मीद है, लेकिन साल का दूसरा भाग परेशानियां बढ़ा सकता है। पूरे साल दिसंबर तक राहु का आपकी राशि में बैठना मानसिक तनाव और चिताओं का कारण भी बनेगा। इस समय अवधि में आपको अपनों की देखभाल करने की ज्यादा जरूरत पड़ेगी। परिवार के लोगों की सेहत में कमी आने से आपको चिंताएं महसूस होगी। मौसम का प्रभाव और वात, पित्त और कफ का बैलेंस न होने से रोग प्रभावित करेंगे। आपको भी अपने रूटीन को सुचारू बनाना पड़ेगा। साल की शुरुआत सामान्य रहेगी। बृहस्पति का आपकी राशि मे आना, भले ही राहु का आपकी राशि में प्रभाव हो। साल 2026 की शुरुआत में आपको स्वास्थ्य के मामले में कुछ अच्छे संकेत मिलेंगे। लग्न में बृहस्पति का देखना आपको सेहत के लिहाज से मजबूत बनाने का काम करने वाला होगा। आप आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करेंगे। लेकिन इसी समय पर लग्न पर राहु विराजमान हैं तो अब यहां शुभ और पाप ग्रहों का प्रभाव होने वाला है। इस समय आपकी शारीरिक स्थिति संतुलित रहेगी और आपको कोई बड़ी बीमारी नहीं होगी। आपको नियमित मेडिटेशन, योग और अच्छे साहित्य को पढ़ना या कुछ अपनी रुचि के कामों में शामिल होना ही उचित होगा।

इससे आप व्यर्थ की उलझनों से बच पाएंगे। राहु ऊपरी बाधा, ब्लैक मैजिक या संदेह मानसिक उन्माद का कारण बन जाता है तो ऐसे में खुद के विचारों को बिगड़ने से बचाने की जरूरत होगी। मेंटल बैलेंस बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि मानसिक तनाव को नियंत्रित किया जा सके। गुरु की स्थिति इस साल या तो आपके पक्ष में रहेगी या फिर आपके लिए तटस्थ रहेगी। वहीं, वर्ष 2026 में आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले अशुभ ग्रहों की संख्या शुभ ग्रहों की तुलना में ज्यादा रहेगी इसलिए इस साल आपको स्वास्थ्य को लेकर बेहद जागरूक रहना होगा। साथ ही, आपको अपना खानपान और दिनचर्या भी उत्तम रखनी होगी, तब ही आप स्वस्थ जीवन का आनंद ले सकेंगे क्योंकि लापरवाही बरतना आपके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है।

ज्योतिष उपाय– शनिवार के दिन सरसों के तेल का दीपक शनि मंदिर या पीपल के पेड़ पर नियमित रूप से जलाते रहें। शनिवार और मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भोजन में उड़द की दाल, चना दाल और काली मिर्च का उपयोग करें। शनि देव के मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप करें। श्री सूक्त और कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें।

संपादकीय

यूनुस की भूमिका ही संदेहास्पद

भारत ने बांग्लादेश को 2024 और 2025 में 120-120 करोड़ रुपए के पैकेज दो बार दिए। 'लाइन ऑफ क्रेडिट' में 25 फीसदी कर्ज ब्याज की बेहद आसान दरों पर दिया। भारत बांग्लादेश को 60 फीसदी प्याज, 78 फीसदी मसालों, 65 फीसदी चावल, 19 फीसदी रासायनिक उत्पादों और करीब 20 फीसदी बिजली की आपूर्तियां करता है। ढाका का कपड़ा उद्योग भारत की कृपा पर ही चलता है। बांग्लादेश में मेडिकल वीसा की मांग सबसे अधिक भारत के लिए है। वहां के लोगों के अनुभव हैं कि भारत में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं हैं। यदि भारत मौजूदा हालात के मद्देनजर इन आपूर्तियों को रोक दे, तो क्या बांग्लादेश जिंदा रह सकता है? क्या बांग्लादेश में खाद्य संकट पैदा नहीं होगा और वह अंधेरे में डूब नहीं जाएगा? बांग्लादेश के साथ भारत नदियों का पानी और अन्य संसाधन भी साझा करता रहा है। दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 फौजियों का आत्मसमर्पण एक अद्भुतसत्य है। बांग्लादेश की मुक्ति और आजादी की उस लड़ाई में भारत को भी अपने 3864 जांबाज सैनिकों और अफसरों की शहादतें देनी पड़ी थीं। उस दौर में करीब 10 लाख बहन-बेटियों-माताओं के साथ बलात्कार किए गए थे। हत्याओं का कोई निश्चित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (परोक्ष रूप में प्रधानमंत्री) मुहम्मद यूनुस का एक कुरूप यथार्थ सामने आया है कि उन्होंने 2016 में 3 लाख डॉलर (करीब 2.5 करोड़ रुपए) 'हिलेरी क्लिंटन फाउंडेशन' को दान दिए थे। यूनुस को अमरीका की कृपा से ही नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था। उनके 'गरीब, ग्रामीण बैंक' की दुनिया में खूब चर्चा हुई थी, लेकिन बाद में सच बेनकाब हुए कि गरीब, मछुआरों, किसानों का पैसा लूट कर किसको चढ़ावा दिया जा रहा था? यूनुस को जेल भी जाना पड़ा। तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी भी यूनुस को झेलनी पड़ी थी। ट्रंप आज भी अमरीकी राष्ट्रपति हैं, लिहाजा हिलेरी-यूनुस की कथित भ्रष्ट मिलीभगत, सांठगांठ और लेन-देन की जांच कराई जा रही है। यूनुस अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में बांग्लादेश में गद्दीनशीं किए गए। बाइडेन भी क्लिंटन की डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति थे। बहरहाल आज क्लिंटन परिवार अमरीकी राजनीति और प्रशासन में अप्रासंगिक है, लिहाजा अमरीका के स्तर पर आज कोई भी यूनुस का पैरोकार नहीं है। यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार 8 अगस्त, 2024 से जारी है, जबकि बांग्लादेश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। न जाने क्यों बांग्लादेश में किसी भी बौद्धिक और राष्ट्रवादी नागरिक ने इस व्यवस्था को अदालत में चुनौती नहीं दी है? संविधान में सिर्फ यह व्यवस्था है कि कार्यवाहक सरकार को तीन महीने की अवधि में चुनाव निश्चित रूप से कराने हैं, ताकि एक जनादेशी और लोकतांत्रिक सरकार देश का नेतृत्व संभाल सके। आज बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा, सांप्रदायिकता, हत्याओं का दौर है, तो यूनुस ही उसके लिए 'खलनायक' हैं, क्योंकि वह कट्टरपंथी जमात को उकसा रहे हैं। सजायाफ्ता आतंकियों को जेल से रिहा कराया है। सड़कों पर भारत-विरोधी, हिंदू-विरोधी जो भीड़ नजर आ रही है, यूनुस उसे नियंत्रित ही नहीं करना चाहते। वह चुनाव को आगे खिसकाने के मंसूबों पर काम कर रहे हैं। यूनुस ने अपने कार्यकाल में, खासकर 1.30 करोड़ अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए, ऐसे अराजक और हत्यारे हालात बना दिए हैं कि हिंदू खौफ और दहशत में जीने को अभिशप्त हैं। जिस निर्ममता, बर्बरता के साथ हिंदुओं की हत्याएं की गई हैं, भारत के विरोध में हमलावर दुष्प्रचार जारी है, उसके मद्देनजर भारत सरकार को बांग्लादेश की आपूर्तियों में तुरंत कटौती करनी चाहिए और अंतरिम सरकार को निर्णायक चेतावनी जारी करनी चाहिए। देश की मोदी सरकार को अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि बांग्लादेश में ईसाफ और इनसान दोनों ही जल रहे हैं। यूनुस एक साल में दो बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात कर चुके हैं। वह पाकिस्तान के 'फौजी तानाशाह' मुनीर के मोहरा बने हैं। जिन्होंने छात्र आंदोलन के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट किया था, उनके अग्रणी नौजवान नेताओं की अचानक हत्याएं की जा रही हैं। ये हालात भारत ही नहीं, समूचे लोकतांत्रिक विश्व के हित में नहीं हैं। बार-बार खबरें आ रही हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा तथा ज्यादतियां हो रही हैं। इस हिंसा को तत्काल रोकना होगा। तभी बांग्लादेश की समस्या का हल होगा।

भारत बांग्लादेश को 60 फीसदी प्याज, 78 फीसदी मसालों, 65 फीसदी चावल, 19 फीसदी रासायनिक उत्पादों और करीब 20 फीसदी बिजली की आपूर्तियां करता है। ढाका का कपड़ा उद्योग भारत की कृपा पर ही चलता है। बांग्लादेश में मेडिकल वीसा की मांग सबसे अधिक भारत के लिए है। वहां के लोगों के अनुभव हैं कि भारत में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं हैं। यदि भारत मौजूदा हालात के मद्देनजर इन आपूर्तियों को रोक दे, तो क्या बांग्लादेश जिंदा रह सकता है? क्या बांग्लादेश में खाद्य संकट पैदा नहीं होगा और वह अंधेरे में डूब नहीं जाएगा? बांग्लादेश के साथ भारत नदियों का पानी और अन्य संसाधन भी साझा करता रहा है। दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 फौजियों का आत्मसमर्पण एक अद्भुतसत्य है। बांग्लादेश की मुक्ति और आजादी की उस लड़ाई में भारत को भी अपने 3864 जांबाज सैनिकों और अफसरों की शहादतें देनी पड़ी थीं। उस दौर में करीब 10 लाख बहन-बेटियों-माताओं के साथ बलात्कार किए गए थे। हत्याओं का कोई निश्चित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (परोक्ष रूप में प्रधानमंत्री) मुहम्मद यूनुस का एक कुरूप यथार्थ सामने आया है कि उन्होंने 2016 में 3 लाख डॉलर (करीब 2.5 करोड़ रुपए) 'हिलेरी क्लिंटन फाउंडेशन' को दान दिए थे। यूनुस को अमरीका की कृपा से ही नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बंगभूमि का भारत में विलय करवा दी हुई होतीं तो ये नौबत ही न आती

सच से कब तक मुंह मोड़ोगे?

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की जिस बर्बरता के साथ हत्या की गई है। ब्लासफेमी का आरोप लगाकर उसे जिंदा जला दिया गया। क्योंकि वो हिंदू था। इस्ला-मिक आक्रांताओं ने ठीक इसी तर्ज़ पर ही ही भारत को रक्तरंजित किया है। हमारे असंख्य पूर्वजों की नृशंसता के साथ 'हत्या-एं' की। ये ध्यान रखिए कि भारत में 'इस्-लाम' , ख़ूनी तलवार के साथ ही आया था। वो कोई शांति का संदेश लेकर नहीं आया था। न ही अरब से कोई विकास की बयार लाया था। जैसा की तथाकथित गल्पकारों ने इतिहास की किताबों में पढ़ाया। इस्लामिक आक्रांताओं का उद्देश्य केवल लूट-मार नहीं था। केवल सत्ता पर कब्ज़ा करने का उनका इरादा नहीं था। बल्कि उनका विज़न शुरू से क्लियर था। वो ये कि — गैर मुस्लिमों को इस्लाम में कन्वर्ट करना था। जो कन्वर्ट नहीं होंगे उन्हें जीने का हक़ नहीं होगा। ये इतिहास की क्रूर सच्चाई है। इन बातों को स्वीकार किए बिना आप आगे नहीं बढ़ सकते। फ़ालतू का एकतरफा सेक्युलर तराना नहीं गा सकते। अगर गाते हैं तो ये सुसाइडल अटेम्प्ट है। वस्तुतः बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद जितने भी घटनाक्रम हो रहे हैं। हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है। वो कोई निजी दुश्मनी नहीं है। बल्कि वो मज़हबी आतंक है। एक सोच है। एक साफ्टवेयर है। वो जिस हार्डवेयर में अपलोड होगा। वो ऐसा ही हो जाएगा। ये क्यूं भूलना कि जो आज मज़हबी उत्पात मचा रहे हैं। वो सब कन्वर्टेड ही हैं। कन्वर्ट हुए तो उनका चेहरा-मोहरा, सोच-पहचान — सब बदल गई। वो उन्हीं लोगों के दुश्मन हो गए जो कभी उनके पूर्वज थे। क्योंकि उनकी मज़हबी कट्टर सोच काफ़िर को जीने का अधिकार ही नहीं देती है। जो मज़हबी तराने गाते हैं। वो पाकिस्तान, आज के बांग्लादेश को देख लें। उन्हें पता लग जाएगा कि मज़हबी मुल्कों में काफ़िरों का हश्र क्या होता है। ये भी ध्यान रखना चाहिए कि ये वही कृतघ्न बांग्लादेश है जिसका निर्माण ही भारत ने किया था। काश उस वक्त आयरन लेडी, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बंगभूमि का भारत में विलय करवा दी हुई होतीं तो ये नौबत ही न आती। लेकिन जो होना था वो नहीं हुआ। अब उस पर पछतावा, क्रोध और दुःख प्रकट करने के सिवाय कुछ और नहीं बचा है। आज पाकिस्तान और बांग्लादेश में गैर मुस्लिमों के साथ जो हो रहा है। उसके दोषी केवल अकेले पंडित नेहरू नहीं हैं। बल्कि उसके प्रमुख विलेन में जोगेंद्र नाथ मंडल भी शामिल हैं। ये वही मंडल हैं जिन्होंने 'दलित-मुस्लिम' एकता का राग अलापा था। पाकिस्तान के प्रमुख पैरोकारों में से एक थे। पाकिस्तान बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। जब पाकिस्तान बना तो वो वहां के पहले कानून और श्रम मंत्री भी बने। लेकिन उनका 'दलित-मुस्लिम' एकता वाला भ्रम भी बहुत जल्दी टूट गया। भारत विभाजन की त्रासदी के साथ ही लगातार हिंदुओं का कत्लेआम हुआ। हिंदू स्त्रियों के साथ अनाचार हुआ। वो पीड़ा इतनी क्रूर और मर्मांतक थी कि उसकी कल्पना भर से हृदय कांप जाए। अंततोगत्वा

हमारे असंख्य पूर्वजों की नृशंसता के साथ 'हत्या-एं' की। ये ध्यान रखिए कि भारत में 'इस्-लाम' , ख़ूनी तलवार के साथ ही आया था। वो कोई शांति का संदेश लेकर नहीं आया था। न ही अरब से कोई विकास की बयार लाया था। जैसा की तथाकथित गल्पकारों ने इतिहास की किताबों में पढ़ाया। इस्लामिक आक्रांताओं का उद्देश्य केवल लूट-मार नहीं था। केवल सत्ता पर कब्ज़ा करने का उनका इरादा नहीं था। बल्कि उनका विज़न शुरू से क्लियर था। वो ये कि — गैर मुस्लिमों को इस्लाम में कन्वर्ट करना था। जो कन्वर्ट नहीं होंगे उन्हें जीने का हक़ नहीं होगा। ये इतिहास की क्रूर सच्चाई है। इन बातों को स्वीकार किए बिना आप आगे नहीं बढ़ सकते। फ़ालतू का एकतरफा सेक्युलर तराना नहीं गा सकते। अगर गाते हैं तो ये सुसाइडल अटेम्प्ट है। वस्तुतः बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद जितने भी घटनाक्रम हो रहे हैं। हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है। वो कोई निजी दुश्मनी नहीं है। बल्कि वो मज़हबी आतंक है।

फ़र्ज़ी दलित मुस्लिम एकता का अंतिम हश्र जोगेंद्र नाथ मंडल ने भी देखा। 8 अक्टूबर 1950 को जोगेंद्र नाथ मंडल पाकिस्तान सरकार से इस्तीफा देकर भारत चले आए। भारत के हिंदू समाज के साथ किए पापों के चलते 1968 में वो ख़ुद गुमनामी में मर गए। लेकिन उन्होंने जो अक्षम्य पाप किया — उसकी सज़ा आज भी पाकिस्तान और बांग्लादेश में बचा-खुचा हिंदू समाज (सिख समाज) भुगत रहा है। दोयम दर्जे का जीवन जी रहा है। समाप्त होने की स्थिति में है। अपनी सांसों की गिनती गिन रहा है। ख़ुद अपने इस्तीफे में जोगेंद्र नाथ मंडल ने पाकिस्तान में दलितों पर हुए अत्याचारों को लेकर विस्तार से लिखा था। उसका एक संक्षिप्तांश शायद 'दलित-मुस्लिम' एकता वाले पाखंड को लेकर आपकी आंखें खोल दे "खुलना जिले के कलशैरा में सशस्त्र पुलिस, सेना और स्थानीय लोगों ने निर्ममता से हिंदुओं के पूरे गांव पर हमला किया। मैंने 28 फरवरी 1950 को कलशैरा और आसपास का दौरा किया। वह स्थान खंडहर में बदल चुका है। लगभग 350 घरों को ध्वस्त कर दिया गया था। मैंने तथ्यों के साथ सूचना दी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। ढाका में नौ दिनों के प्रवास के दौरान मैंने दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। नारायणगंज और चटगांव के बीच रेल पटरियों पर निर्दोष हिंदुओं की हत्याओं ने मुझे अंदर से झकझोर दिया। मैंने पूर्वी बंगाल के मुख्यमंत्री से मुलाक़ात कर दंगा रोकने का आग्रह किया। 20 फरवरी 1950 को मैं बारिसाल पहुंचा। यहां बड़ी संख्या में हिंदुओं को जिंदा जला दिया गया। मैंने जिले के सभी दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया, मधापाशा के जमींदार के घर में 200 लोगों की मौत हुई। मैंने खुद वहां नरकंकाल देखे, जिन्हें गिद्ध और कुत्ते खा रहे थे। वहां पुरुषों की हत्याओं के बाद महिलाओं को आपस में बांट लिया गया। पूर्वी बंगाल के दंगे में 10,000 से अधिक हिंदुओं की हत्याएं हुईं। महिलाओं और बच्चों का विलाप देख मेरा दिल पिघल गया और मैंने स्वयं से पूछा, क्या मैं इसी इस्लाम के नाम पर पाकिस्तान आया था ?" आज जो लोग भी तुष्टिकरण, मोटे-मोटे फंड, स्वार्थ के चक्कर में हिंदुओं को बांट रहे हैं। 'दलित मुस्लिम' एकता के 'भीम-मीम' वाले नारे लगाते हैं। वो भी जोगेंद्र नाथ मंडल जैसे ही घातक रास्ते पर जा रहे हैं। जबकि बाबा साहेब अंबेडकर इस समस्या को अच्छी तरह से जानते थे। इसीलिए वो कभी भी इसके बहकावे में नहीं आए। उन्होंने 'पाकिस्तान अथवा भारत का विभाजन' पुस्तक में अल्पसंख्यक समस्या, मुस्लिम भ्रातृत्व, इस्लामिक मान्यताओं को लेकर सविस्तार लिखा था। सबको चेतावनी दी थी। हिंदू-मुस्लिम जनसंख्या की अदला बदली की बात भी कही थी। लेकिन पंडित नेहरू ने उनकी एक बात नहीं मानी। इस बात की कहीं खुलकर चर्चा नहीं होती। क्योंकि इससे एक विशेष एजेंडा सेट नहीं होगा। और तो और ख़ुद को बाबा साहेब अंबेडकर का अनुयायी कहने वाले तथाकथित नेता, दल — इसकी कभी चर्चा नहीं करते हैं। बाबा साहेब अंबेडकर बता गए थे कि — "इस्लाम एक बंद निकाय की तरह है, जो मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच जो भेद यह करता है, वह बिल्कुल मूर्त और स्पष्ट है। इस्लाम का भ्रातृभाव मानवता का भ्रातृत्व नहीं है। मुसलमानों का मुसलमानों से ही भ्रातृभाव मानवता का भ्रातृत्व नहीं है। मुसलमानों का मुसलमानों से ही भ्रातृत्व है। यह बंधुत्व है, परन्तु इसका लाभ अपने ही निकाय के लोगों तक सीमित है और जो इस निकाय से बाहर हैं, उनके लिए इसमें सिर्फ घृणा और शत्रुता ही है। इस्लाम का दूसरा अवगुण यह है कि यह सामाजिक स्वशासन की एक पद्धति है और स्थानीय स्वशासन से मेल नहीं खाता, क्योंकि मुसलमानों की निष्ठा, जिस देश में वे रहते हैं, उसके प्रति नहीं होती, बल्कि वह उस धार्मिक विश्वास पर निर्भर करती है, जिसका कि वे एक हिस्सा है।" (बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर सम्पूर्ण वाङ्मय, खंड 15- संस्करण 2000) इन बातों पर गंभीर विमर्श होना चाहिए। क्योंकि ये ज़रूरी नहीं बल्कि अनिवार्य है। इतिहास को यथावत देखना। उस पर चर्चा करना कभी भी हानिकारक नहीं होता है। इस्लामिक आक्रमण से लेकर भारत विभाजन, पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही मर्मांतक त्रासदी — इन पर चर्चा करने से कोई तनाव नहीं बढ़ता है। कोई क़ौम ख़तरे में नहीं आती है। बल्कि सच जानेंगे। मानसिकता समझेंगे तो इस भयावह समस्या का समाधान मिलेगा। अन्यथा न जाने कितने दीपू चंद्र दास भारत से बाहर और अन्दर मारे जाते रहेंगे। सिर्फ़ इस अपराध के चलते कि वो हिंदू थे। पहलगाम का आतंकी हमला भी वही है। स्थान और तौर-तरीके बदले थे। कॉन्सेप्ट एक ही था। साथ ही ये तथ्य भी मत भूलियेगा कि बांग्लादेश में जिसके राज में हिंदुओं का अभी नरसंहार हो रहा है। उसे नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। यानी शांति की परिभाषा और पश्चिम के जितने भी प्रतिष्ठित पुरस्कार होते हैं। उसके पीछे की मंशा क्या हो सकती है? इसे समझने में आसानी होगी। क्योंकि पश्चिमी देशों के पुरस्कार एक तरह से — उनके वैश्विक एजेंडे का पर्याय बनते जा रहे हैं। उस प्रतिष्ठा के आधार पर पश्चिमी देश – हर जगह अपने उन मोहरों को लॉन्च कर रहे हैं। जो उनके मॉड्यूल को आगे बढ़ा सकें। ऐसे में जो वर्तमान में अवार्ड धारी गैंग है। उसकी कही, लिखी बातों को केवल इस आधार पर सच नहीं मानना चाहिए कि उसे नोबेल पुरस्कार, रैमन मैग्सेसे, बुकर जैसे अवार्ड मिले हैं।

देश दुनिया से

स्वस्थ जीवन के लिए सतत जरूरी है ध्यान

गत 21 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस व्यतीत हुआ, किंतु दुर्भाग्य है अथवा दुनिया की आधुनिक भागमभाग, जो यहां-वहां किसी को भी उक्त दिवस का ध्यान नहीं आया। बीते इक्कीस दिसंबर को द्वितीय ध्यान दिवस था। कुछ वर्ष पूर्व भारत के आग्रह पर महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाना आरंभ किया था। इस प्रकार भारतीय आवाह्न पर दो महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दिवसों का आयोजन हमारे देश के लिए गर्व का विषय है। ध्यान मानवीय जीवन में एक दिन, घंटा, प्रहर अथवा किसी समयावधि की सीमा में बंधने के लिए नियत नहीं है। यह जीवनपर्यंत चलने वाली बौद्धिक, मानसिक तथा आत्मिक प्रक्रिया है। अतः ध्याननिष्ठ होने के लिए केवल एक तिथि ही पर्याप्त नहीं। हिंदू मान्यता के अनुसार जीवित एवं श्वास प्रति श्वास ग्रहण कर रहे व्यक्ति का प्रथम आत्मिक ध्यान उस सर्वशक्तिमान सत्ता के प्रति उत्पन्न होता है, जिसने उसका तन-मन-आत्मा का निर्माण किया है। अतः ध्यान में जो प्रथम मंत्रोच्चार होता है, वह 'ओउम भूर्भवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात' है। इस मंत्र द्वारा मनुष्य अपने एक स्वस्थ जीवित अस्तित्व के लिए ईश्वर से लेकर ईश्वर द्वारा निर्मित पंचतत्त्वों सहित समस्त प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष तत्त्वों तथा शक्तियों के प्रति नतमस्तक होता है। उनके प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करता है। अपने होने, जीवित रहने, अस्तित्व के साथ विवेकवान व विचारवान होने के लिए प्रथम तो ईश्वर का तथा द्वितीय ईश्वर द्वारा रचित समस्त ब्रह्माण्ड को धन्यभाव ज्ञापित करता है। इस प्रकार मनुष्य अपनी भौतिक, भाविक व आत्मिक स्थिति के लिए उस शक्तिनियंता के प्रति श्रद्धा प्रकट करता है, जो अदृश्य रहकर एक प्रमुख प्रबंधक-नियंत्रक के रूप में संसार को संभालता है। मनुष्य के स्तर पर बुद्धिमान, विवेकवान तथा सर्वगुणसंपन्न होने के लिए यह दैनिक अभ्यास अत्यंत अनिवार्य है। ध्यान का ऐसा विलक्षण कार्य धरती पर उपस्थित सभी जीवों में से केवल और केवल मनुष्य ही कर सकता है। आज जब धरती पर मत-मतांतरों के कारण मनुष्यों के मध्य अनेक अशुभकारी प्रतियोगिताएं होने लगी हैं तथा दिनोंदिन इनमें वृद्धि हो रही है, तब ध्यान का पौराणिक व प्राकृतिक औचित्य विचारों में उत्पन्न होता है। ध्यान शब्द तथा इसका असीमित भाव-विचार मनुष्य को इष्टतम मानुषिक गुणों से संयुक्त करता है। मानव को महामानव बनाने के लिए सर्वव्यापक, सार्वभौमिक तथा सर्वशक्तिमान अस्तित्व ने जिस वैचारिक गुण की उत्पत्ति की है, वह ध्यान है। ध्यान अपरिमित है। यह ऐसी ऊर्जा है, जो कायायुक्त मानव को जीवित रहते हुए ही कायामुक्ति का अनुभव कराती है। ध्यानी व्यक्ति प्रतिदिन अपने सद्गुणों का उन्नयन करता है। ध्यानयुक्त होकर मनुष्य अपने सöावों में गुणात्मक वृद्धि करता है। कालांतर से पृथ्वी पर मनुष्यों के मध्य अनेक स्तरीय संघर्ष होते रहे हैं। परिणामस्वरूप विचार से लेकर जीवन जीने की अनेक शैलियों तक की भिन्नताओं के कारण बौद्धिक एवं बाहु युद्ध होते रहे हैं। वर्तमान में यह स्थिति विज्ञान एवं आधुनिकता के वशीभूत होकर सर्वाधिक संकटजन्य बनी हुई है। जीवन में उपस्थित मानवों के मध्य ऐसी वैचारिक तथा जैविक भिन्नता के बाद ही विश्व में विभिन्न देशों, भाषाओं, भोजन पद्धतियों एवं जीवन शैलियों की उत्पत्ति हुई। मतांतरों के कारण ईश्वर तथा उसके सिद्धांतों में भी अंतर उत्पन्न कर दिया गया। फलतः जितने देश हैं, उतनी ही ईश्वरीय मान्यताएं बन गईं। उतने ही मत प्रसारित होते गए। ऐसी स्थिति में मनुष्य अपने तन-मन की मूल प्रकृति से पृथक होता चला गया। मनुष्यों के मध्य ही उपस्थित रहे, वर्तमान में उपस्थित अनेक वैज्ञानिकों ने अपने कृत्रिम वैज्ञानिक प्रयोगों के कारण सदैव प्रकृति तत्त्वों तथा उनकी जीवनसम्मत प्रणालियों की उपेक्षा की है। समयांतर में इसके व्यापक दुष्परिणाम हुए, होते रहे तथा अब भी हो रहे हैं। मानव समाज में जब मानव के अस्तित्व को पंचतत्त्वों की निर्धारित प्राकृतिक सीमा से आगे प्रायोगिक बनाया जाएगा, तो उसके प्रतिकूल व जीवनघाती दुष्परिणाम ही उभरेंगे। कोरोना विषाणुओं के उत्सर्जन के रूप में मानव जाति ने ऐसे दुष्परिणाम की पराकाष्ठा का साक्षात्कार किया है। करोड़ों लोग असमय ही मृत्यु के मुख में समा गए। किंतु वैज्ञानिकों के पास उनके प्राणों की रक्षा के लिए कोई आधुनिक उपचार नहीं था। इक्कीसवीं सहस्राब्दि में ध्यान की प्रथम शिक्षा यही है कि मनुष्य अपनी कायिक-बौद्धिक क्षमता का संवर्द्धन केवल और केवल प्राकृतिक व पांचतात्त्विक स्वरूप में रहकर ही कर सकता है। वैज्ञानिकता तथा आधुनिकता पर अंधविश्वास करके अभी तक मानव को अपनी काया के लिए कोई चमत्कारिक लाभ नहीं हुआ है। विश्व के सबसे धनी व्यक्ति जो आधुनिकता व वैज्ञानिकता के कारण निर्मित सर्वाधिक मूल्यवान वस्तुओं एवं सेवाओं का उपभोग करने में पूर्णतः सक्षम हैं, उनकी आयु में भी वृद्धि नहीं हुई है। वे भी स्वस्थ होकर दीर्घजीवी नहीं बन सके हैं। रोग-व्याधियों से मुक्त नहीं हो सके हैं। उनमें भी तन-मन के रोग फैले हुए हैं। जबकि इनके विपरीत जो अज्ञात, अप्रसिद्ध, निर्धन तथा संसाधनहीन सच्चे साधु-संत हैं, वे ईश्वर द्वारा निर्मित प्रकृति तथा इसके नियमों का अनुसरण करते हुए न केवल स्वास्थ्य संपूर्णता के साथ दीर्घजीवी होते हैं, अपितु मृत्युपर्यंत ध्यान की गहनता में स्थिर होकर अपने जीवन, अपने जीवित रहने का इष्टतम ध्येय ढूंढ लेते हैं। इस उपलब्धि पर जो परमानंद जो आत्संतोष उन्हें प्राप्त होता है, वह जीवन जीने का सर्वोत्तम प्रसाद है। उनके ऐसे होने-जीने से ज्ञात होता है कि यह सब ध्यान का प्रतिफल है। अतः ध्यान की महिमा असीमित है। इसका प्रतिफल सर्वश्रेष्ठ है। इसमें मनुष्य की मौलिकता, नैतिकता, नवीनता और व्यक्तित्व की श्रेष्ठता समाहित है। संसार की साधारण गतिविधियों को निःस्वार्थ व निर्मोही होकर ग्रहण करके जीवन में संतोष के बिंदु पर स्थिर होना ही ध्यान है। ध्यान व्यक्ति को अंतर्यात्रा करवाता है। यह व्यक्ति की एकल आंतरिक यात्रा है। इस यात्रा के विविध अनुभव ही उसे वह व्यक्तित्व प्रदान करते हैं, जो एक पूर्णरूपेण आदर्श होता है। ध्यान के प्रवाह में भौतिक व बाहरी जगत शून्य हो जाता है। इस आध्यात्मिक युक्ति द्वारा व्यक्ति स्वयं का इष्टतम बौद्धिक-मानसिक उपचार करता है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति के अहम, स्व, मैं व मेरे के साधारण भाव विराट कर्तव्य बोध में रूपांतरित होने लगते हैं। ध्यान की गहनता में स्थिर होकर व्यक्ति व्यक्तिगत दोषों को स्पष्ट देखता है, उन्हें स्वीकार करता है तथा उन्हें समाप्त करने का संकल्प करता है। ध्यान एक आंतरिक एकांत है। इसमें अंतर्मन की स्थिति मनुष्य को हरसंभव विधि से वही विचार व भाव अपनाने की शिक्षा देती है, जो मानव कल्याण के लिए अभीष्ट है। मन में एक शांत विश्राम ग्रहण कर श्वास-निःश्वास पर केंद्रित होना ध्यान का आरंभिक चरण है। यदि यह अवस्था दीर्घावधि तक रहती है तो निश्चित रूप में मनुष्य का तन-मन व आत्मा आश्चर्यजनक ढंग से बलवान होने लगते हैं।

आप का नज़रिया

सत्ता के द्वार संघर्ष का अलाव

बूथ-बूथ, चारपाई-चारपाई, यह है भाजपा के चप्पे-चप्पे की लड़ाई। हिमाचल के सियासी सफर में मुद्दों को मुकाम तक खींचती भाजपा के सामने अब संघर्ष की कुटिया में बैठी कांग्रेस नजर आएगी। मनरेगा स्कीम से आहत गलियों में कांग्रेस फेरी लगाएगी, बल्कि सरकार के द्वार संघर्ष का अलाव जलेगा। जी राम जी के दर पर पहुंचा मनरेगा, वो तो नहीं जिसे ग्रामीण राजनीति या कांग्रेस गठबंधन से उभरा आईएनडीआईए (इंडिया) सहज स्वीकार कर लेगा। मोटे तौर पर देखें तो बेहद पतली हो गई मनरेगा की आभा। जिसके सहारे गांव के बेसहारों की रोजगार मांग पूरी होती थी, वे अब हक से नहीं केंद्र की अनुकंपा पर सरकारी दिहाड़ी लगाएंगे। खैर एक बड़े सवाल पर कांग्रेस कितना बड़ा संघर्ष, यह देखना होगा, लेकिन भाजपा अपनी बिरादरी के अलावा सोशल मीडिया की हाजिरी में छोटे मुद्दों-विवादों से अपनी अंगीठी में अंगारे जलाए रखती है। बात सदन की नहीं अब गलियों के घमासान में मुद्दे संवारे जा रहे हैं। सरकार के तीन साला समारोहों में सत्ता पक्ष की हाजिरी के मुकाबिल भाजपा का दृष्टिकोण महज विपक्षी नहीं, बल्कि हिमाचल के संदर्भों में अपनी ठोस अभिव्यक्ति का मसौदा पेश करती पार्टी बन कर प्रासंगिक बने रहने का है। बेशक भाजपा मशीनरी की तरह हुआं-हुआं तक पहुंच जाती है, लेकिन ताज के खिलाफ उसके तरानों की वजह बन जाती है। कार्निवाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर चला युद्ध अब आईजीएमसी के एक स्थानीय किस्से को प्रादेशिक मंच पर ले आया, तो छोटा सा कार्यकर्ता भी बड़ा नेता बन जाता है। आईजीएमसी की घटना का एक पक्ष व्यवस्था, तो दूसरे पहलू में प्रदेश की संवेदना को छुआ जाता है। आश्चर्य यह कि प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल के एक छोटे से लाल (यानी अनुबंध पर डाक्टर) ने मरीज के खिलाफ हाथ खोले दिए। चारपाई पर मरीज को पीटने की नौबत में, मुफ्त में बदनाम हो गई व्यवस्था, लेकिन भाजपा के प्रश्नचिन्ह आमादा हैं। पार्टी अपने विरोध की सर्कस दिखा कर मजमा लगा देती है, जबकि सरकार अपनी बेहतरीन पारी को भी गंवा देती है। चिट्टे के खिलाफ हल्ला बोल रही सरकार को अपने हिस्से की कार्रवाइयों, सख्तियों और मोम सी अच्छी कहानियों को पेश करना होगा। जमीनी कागजातों में आए बदलाव तथा इंतकाल के आंकड़ों में राहत तक पहुंची जनता की कहानियों को कौन चित्रित करेगा। सुक्खू सरकार के कारनामों-उपलब्धियों के चित्रकार अगर विधायक-मंत्री नहीं बन रहे, तो बहते दरियाओं की आवाज सुन लेनी चाहिए। जाहिर है विपक्ष के पास एक स्वाभाविक छूट तथा कहने का अवसर रहता है, लेकिन अपने किए को बताना सरकार की कला है। राज्य की कौनसी फाइल बेवजह दिल्ली में अटकी या हिमाचली अधिकारों में भाजपा के मौन के शीशे तोडने होंगे। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार या पर्यटन की दरकार में अगर सफलता की डींगें हैं, तो सत्ता को बताना होगा कि सपने बड़े करने के लिए बहुत काम हुआ है। कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच अभी लहूलुहान होने का प्रमाण नहीं चाहिए, लेकिन जहां जनता का लहू प्राकृतिक आपदाओं से गिरा, वहां सत्तारूढ़ दल को कहने के लिए भाजपा की तरह आक्रोश में बहना पड़ेगा। पंद्रह सौ करोड़ की आपदा राहत में पूरा राज्य आर्थिक अस्पताल की चारपाई पर पड़ा है और इसके सामने केंद्र के भाजपायी चिकित्सक अगर मरीज को पीट रहे हैं, तो वहां मुकदमा है अदालत है। कांग्रेस एक बार सीख ले कि भाजपा उससे बेहतर विरोध कैसे करती है, वरना कहने को सत्ता के पास भी मुद्दे, मजमून और खोजी दस्तावेज हो सकते हैं।

मनरेगा स्कीम से आहत गलियों में कांग्रेस फेरी लगाएगी, बल्कि सरकार के द्वार संघर्ष का अलाव जलेगा। जी राम जी के दर पर पहुंचा मनरेगा, वो तो नहीं जिसे ग्रामीण राजनीति या कांग्रेस गठबंधन से उभरा आईएनडीआईए (इंडिया) सहज स्वीकार कर लेगा। मोटे तौर पर देखें तो बेहद पतली हो गई मनरेगा की आभा। जिसके सहारे गांव के बेसहारों की रोजगार मांग पूरी होती थी, वे अब हक से नहीं केंद्र की अनुकंपा पर सरकारी दिहाड़ी लगाएंगे। खैर एक बड़े सवाल पर कांग्रेस कितना बड़ा संघर्ष, यह देखना होगा, लेकिन भाजपा अपनी बिरादरी के अलावा सोशल मीडिया की हाजिरी में छोटे मुद्दों-विवादों से अपनी अंगीठी में अंगारे जलाए रखती है। बात सदन की नहीं अब गलियों के घमासान में मुद्दे संवारे जा रहे हैं। सरकार के तीन साला समारोहों में सत्ता पक्ष की हाजिरी के मुकाबिल भाजपा का दृष्टिकोण महज विपक्षी नहीं, बल्कि हिमाचल के संदर्भों में अपनी ठोस अभिव्यक्ति का मसौदा पेश करती पार्टी बन कर प्रासंगिक बने रहने का है। बेशक भाजपा मशीनरी की तरह हुआं-हुआं तक पहुंच जाती है, लेकिन ताज के खिलाफ उसके तरानों की वजह बन जाती है। कार्निवाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर चला युद्ध अब आईजीएमसी के एक स्थानीय किस्से को प्रादेशिक मंच पर ले आया, तो छोटा सा कार्यकर्ता भी बड़ा नेता बन जाता है। आईजीएमसी की घटना का एक पक्ष व्यवस्था, तो दूसरे पहलू में प्रदेश की संवेदना को छुआ जाता है। आश्चर्य यह कि प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल के एक छोटे से लाल (यानी अनुबंध पर डाक्टर) ने मरीज के खिलाफ हाथ खोले दिए। चारपाई पर मरीज को पीटने की नौबत में, मुफ्त में बदनाम हो गई व्यवस्था, लेकिन भाजपा के प्रश्नचिन्ह आमादा हैं।

कुछ अलग

रिश्वतवीर जिंदाबाद...

अच्छा नहीं, बहुत अच्छा लगता है, जब कोई रिश्वतवीर रिश्वत लेता है। रिश्वतवीरों को लाख रुपए वेतन के उतनी शांति नहीं देते जितना हजार पांच सौ रिश्वत के दे जाते हैं। रिश्वतवीर को देख नैतिकता का ढोंग करने वालों की छाती पर सांप लोटते हों तो लोटते रहें, पर मेरी छाती तो फूल कर अस्सी हो जाती है। वाह! कितना गजब का रिश्वतवीर है! सारी शर्म हया त्याग लाख वेतन लेने पर भी हजार पांच सौ को हाथ फैला रहा है। आदमी जब जब रिश्वत लेता है अपने को भरापूरा महसूस करता है। वेतन बदबू मारता है। रिश्वत खुशबू फैलाती है। लेकिन जब कोई रिश्वतवीर रिश्वत लेता हुआ किसी एंटी सोशल एलीमेंट के कर कमलों से कानून का शिकार बनवाया जाता है तो उस एंटी सोशल एलीमेंट के लिए मन से इतनी बद्दुआएं निकलती हैं, इतनी बद्दुआएं निकलती हैं कि उसको बद्दुआएं देते देते गला सूख जाए तो सूख जाए, मुझे इसकी कतई परवाह नहीं होती। ये भी कोई बात होती है भाई साहब कि जब समाज का रिश्वत नित्य प्रति का व्यवहार बन गया हो तो रिश्वतवीरों को मुफ्त में कोसा जाए? आज बहुमत से रिश्वत को सभ्य सामाजिकों द्वारा भ्रष्टाचार की श्रेणी में नहीं, शिष्टाचार की श्रेणी में शुमार कर लिया गया है। इसलिए जो रिश्वत लेते हैं, वे दुराचारी नहीं, सभ्यचारी कहलाने के हकदार हैं।

दृष्टि कोण

डोनाल्ड ट्रम्प की कूटनीतिक पराजय

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अत्यंत महत्वपूर्ण घटना के रूप में उभरी है जिसने वैश्विक स्तर पर नए डिबेट को जन्म दिया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह यात्रा निरंतर चर्चा का विषय बनी रही। हालांकि महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस यात्रा को अमेरिका किस दृष्टि से देख रहा है, विशेष रूप से उस संदर्भ में जब ट्रंप प्रशासन ने भारत पर कई प्रकार टैरिफ लगाये जिसकी वजह से भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका भारत पर विभिन्न प्रकार के रणनीतिक और आर्थिक दबाव डाल रहा है, विशेष रूप से रूस से तेल आयात में कमी के लिए। ऐसी स्थिति में पुतिन की यात्रा को यह संकेत माना जा रहा है कि भारत बाहरी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अमेरिका अगला कदम किस दिशा में उठाता है: क्या वह चीन की भांति भारत पर अधिक दबाव बनाने का प्रयास करेगा, या नए तरीकों से भारत के साथ संबंधों को पुनर्संरचित करेगा चूँकि भारत और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर का व्यापार है जिसे बढ़ावा देने में ही दोनों देशो का हित है। यदि हम भारत और अमेरिका के संबंधो का मूल्यांकन करें तो हमें यह पता चलता है कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही भारत-अमेरिका संबंधों में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। सन 1947 से लेकर 1962 के भारत-चीन युद्ध तक भारत-अमेरिका के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई किंतु चीन युद्ध के दौरान अमेरिका ने भारत की कुछ स्तर पर सहायता की जिससे द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन आए लेकिन इस सकारात्मक परिवर्तन में उस समय विराम लग गया जब सन 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू हुआ। इस युद्ध में अमेरिका ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया। इस परिस्थिति को समझते हुए भारत ने सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की जिसके फलस्वरूप सोवियत संघ ने भारत को हर प्रकार की सहायता प्रदान की। इस दौरान भारत-अमेरिका संबंध सबसे निचले पायदान पर पहुच गए थे। प्रधानमत्री इंदिरा गांधी के इस कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंध के संबंधो में खास बदलाव नहीं आया लेकिन सन 1977 में जब पहली बार भारत में जब गैर-कांग्रेसी सरकार बनी और मोरारजी देसाई भारत के प्रधानमंत्री बने तो भारत और अमेरिका के संबंधों में सुधार के प्रयास शुरू हुए। सन 1991 में भारत ने आर्थिक उदारीकरण को अपनाया जिसके फलस्वरूप भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक, तकनीकी और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा। अमेरिका ने रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करने तथा भारत में रक्षा विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए भी सहमति व्यक्त की। इसी अवधि में ही सोवियत संघ का विघटन हुआ। यह एक ऐसा दौर था जब रूस आन्तरिक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा था किंतु भारत-रूस संबंधों में विशेष परिवर्तन नहीं आया और दोनों देशों ने परंपरागत सहयोग बनाए रखा। 2001 के बाद भारत-अमेरिका संबंध और अधिक सुदृढ़ हुए। इस दौरान तकनीक, रक्षा, परमाणु ऊर्जा तथा व्यापार जैसे क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए किंतु अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद भारत-अमेरिका संबंध में पुनः अस्थिरता देखने को मिल रही है। अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए नए व्यापारिक करों से भारत को आर्थिक हानि हुई है जिसके कारण भारत विश्व के विभिन्न क्षेत्रों जैसे दक्षिण एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और मध्य एशिया के देशों के साथ नए अवसरों की खोज कर रहा है। पिछले 25 वर्षों में भारत और अमेरिका ने अपने संबंधों को मजबूत करने में व्यापक निवेश किया है। लोकतांत्रिक मूल्यों की समानता के कारण भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ निकटता बढ़ाने का प्रयास किया किंतु राष्ट्रीय हितों के स्तर पर उत्पन्न मतभेदों ने इस वैचारिक निकटता को सीमित कर दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पद–ोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा,दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हुई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डू खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जी–वन खुशियों से उज्ज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कार–ोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे.बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेद–ारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावस–ायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आ–कर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत रहेगी. अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे. छोटे बच्चों को निराश नही करना चाहिए कुछ उपहार देना होगा आप के कार्य सिद्ध होंगे सफलता चरम पर होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 दिसंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 01:44 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 08:19 तक
योग : वज्र सायं 03:13 तक
करण : बालव दोपहर 01:44 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:00 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , पं.मालवीय जयंती, क्रिसमस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंचकुला में सहकारी सम्मेलन

अमित शाह ने हरियाणा को दीं कई सौगातें, नायब सैनी के नेतृत्व की सराहना

पंचकुला, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज पंचकुला आगमन पर हरियाणा को एक साथ कई सौगातें दी हैं। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित थे। शाह सहकारी सम्मेलन में पहुंचे थे। इस अवसर पर सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि अमित शाह ने जिला भिवानी में दूध शीतकरण केंद्र सलेमपुर प्लांट , जिला रेवाड़ी के हैफेड आटा मिल जाटूसाना तथा सहकारिता मंत्रालय द्वारा तैयार आईवाईसी के पोर्टल का पंचकुला से रिमोट द्वारा ई –लोकार्पण किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने इसी अवसर पर हरियाणा राज्य सहकारी बैंकों के 5 लाभार्थियों को रुपे –प्लैटिनम डेबिट कार्ड तथा हरियाणा में कृभको द्वारा बनाए गए 2 एम–पैक्स के अध्यक्षों को पंजीकरण प्रमाण–पत्र का वितरण किया। उन्होंने कृभको द्वारा तैयार आईवाईसी के समारोहों पर आधारित वर्ष पुस्तिका का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण , सहकारिता मंत्री अरविन्द शर्मा , कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, खेल मंत्री गौरव गौतम, हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के अलावा कृभको के अध्यक्ष श्री वी सुधाकर चौधरी , प्रबंध निदेशक एस एस यादव भी उपस्थित थे।केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने पंचकूला में आयोजित 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा आज देश में किसान कल्याण, पारदर्शी शासन और तेज़ निर्णय क्षमता का आदर्श बन चुका है।

अमित शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वह कर दिखाया है, जिसकी हिम्मत बहुत कम सरकारें कर पाती हैं। चुनावी घोषणा पत्र के दौरान जब 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का प्रस्ताव सामने आया, तो उन्होंने रात को फोन करके इस घोषणा को पुनः कन्फर्म किया तो मुख्यमंत्री सैनी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि आप घोषणा करिए, खरीद की ज़िम्मेदारी मेरी है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहाँ 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केवल खरीद ही नहीं, बल्कि 48 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में फसलों का भुगतान करके हरियाणा सरकार ने एक नई प्रशासनिक क्रांति भी की है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को देश में सबसे अधिक मूल्य देने का काम भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किया है, जिससे पूरे देश की सरकारों पर सकारात्मक दबाव बना है।

अमित शाह ने हरियाणा सरकार की जल प्रबंधन और सिंचाई योजनाओं की भी विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि पर ड्रॉप – मोर क्रॉप योजना के अंतर्गत 85 प्रतिशत सब्सिडी, दशकों से वंचित क्षेत्रों तक सिंचाई का पानी पहुँचाना और 2088 अमृत सरोवरों का निर्माण, ये सभी कदम दूरदर्शी सोच को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का छोटा राज्य होते हुए भी कृषि, दुग्ध उत्पादन, खेल और राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे बड़ा योगदान देता रहा है। आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में यह परंपरा और भी सशक्त हुई है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हरियाणा का उद्योग, जीएसटी और आयकर में बड़ा योगदान है, लेकिन किसी भी सरकार की असली पहचान यह होती है कि उसका किसान खुश है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के किसान को मुस्कुराने का कारण दिया है और यही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

हरियाणा में आज भर्ती प्रणाली जनता के साथ खुला धोखा बन चुकी : चौटाला

चंडीगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने हरियाणा की भर्ती प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि प्रदेश में दलितों, पिछड़ों, सामान्य वर्ग और पूरी जनता के साथ सरकार खुला धोखा कर रही है। हाल ही में आए अंग्रेज़ी असिस्टेंट प्रोफेसर के परिणामों ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया है। उन्होंने बताया कि ओएससी की 60 पोस्ट में सिर्फ 2, डीएससी की 60 पोस्ट में सिर्फ 1, बीसीए की 85 पोस्ट में केवल 3, बीसीबी की 36 पोस्ट में 5 और ईडब्ल्यूएस की 60 पोस्ट में महज 6 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। वहीं सामान्य वर्ग की 312 पोस्ट में 134 का चयन हुआ, जिनमें से 80 से अधिक अभ्यर्थी हरियाणा से बाहर के हैं। दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि यह आंकड़े साफ़ दिखाते हैं कि दलितों और पिछड़ों को सिर्फ चपरासी

बनाने के लिए छोड़ा गया है, अधिकारी बनाने के लिए नहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या हरियाणा में 150 में से 35% यानी 52.5 अंक लाने वाला भी कोई योग्य नहीं है? और अगर ऐसा है तो सरकार को इस पर ज़रा भी चिंता क्यों नहीं है। पारदर्शिता और ईमानदारी की बातें अब केवल चुनावी जुमले बनकर रह गई हैं। उन्होंने विशेष रूप से डीएससी समाज के युवाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि सबसे ज्यादा धोखा डीएससी बच्चों के साथ हो रहा है, दिग्विजय चौटाला ने बताया कि हरियाणा लोक सेवा आयोग के तहत प्रोफेसर भर्ती में डीएससी कैटेगरी के लिए 200 पद निर्धारित थे, लेकिन चयन सिर्फ 6 का हुआ और 194 पद जानबूझकर खाली छोड़ दिए गए।

यही हाल पीजीटी और एएम ओ भर्ती में भी देखने को मिला, जहां डीएससी के लिए 674 पद थे, लेकिन केवल 324 पर ही भर्ती की गई और आधे से अधिक पद खाली छोड़ दिए गए। दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि यह व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि एक ऐसी नीति है, जिसके तहत डीएससी युवाओं को आगे बढ़ने से रोका जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जब पद मौजूद हैं और योग्य अभ्यर्थी भी हैं, तो फिर भर्ती क्यों नहीं की जा रही? दिग्विजय सिंह चौटाला ने साफ शब्दों में कहा कि जननायक जनता पार्टी इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी और हरियाणा के युवाओं के हक की लड़ाई पूरी ताक़त से लड़ी जाएगी।

नेशनल टैलेंट हंट के तहत चंडीगढ़ में कांग्रेस के अंतिम साक्षात्कार, देशभर के युवा नेताओं का चयन

चंडीगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम के अंतर्गत आज चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रतिभावान युवाओं के अंतिम साक्षात्कार आयोजित किए गए। देशभर से चयन की विभिन्न प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पार करने के बाद चयनित उम्मीदवार अंतिम चरण के लिए चंडीगढ़ पहुंचे।

अंतिम साक्षात्कार प्रक्रिया हेतु हरियाणा के प्रभारी बीके हरिप्रसाद चंडीगढ़ मुख्यालय पहुंचे। इस अवसर पर चयन समिति ने उम्मीदवारों की योग्यता, क्षमता, वैचारिक समझ और संगठनात्मक दृष्टिकोण का गहन एवं निष्पक्ष मूल्यांकन किया। चयनित युवा कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप पार्टी के लिए मीडिया पैनलिस्ट, प्रवक्ता, रिसर्च कोऑर्डिनेटर एवं प्रचार कोऑर्डिनेटर जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाएंगे। हरियाणा के प्रभारी बी.के. हरिप्रसाद ने साक्षात्कार प्रक्रिया के दौरान कहा कि चयनित उम्मीदवारों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह युवा शक्ति कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।हरिप्रसाद ने स्पष्ट किया कि यह चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और मेरिट आधारित रही है, जिसमें किसी भी प्रकार की सिफारिश को स्थान नहीं दिया गया।

संभाग स्तरीय युवा महोत्सव में लालसोट की छात्रा आरुषि पारिक को कांस्य पदक

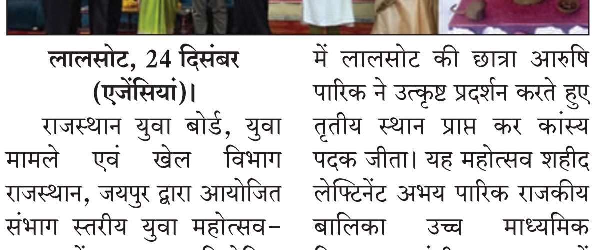

लालसोट, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान युवा बोर्ड, युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय युवा महोत्सव–2025 में हस्तकला प्रतियोगिता में लालसोट की छात्रा आरुषि पारिक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। यह महोत्सव शहीद लेफ्टिनेंट अभय पारिक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गांधीनगर, जयपुर में आयोजित किया गया। आरुषि पारिक स्वर्गीय मूलचंद मीणा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लालसोट (दौसा) की छात्रा हैं।

उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय व क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा जयपुर मंजू शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) सुनील कुमार सिंघल सहित अन्य अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।

हनुमानगढ़ में 29 दिसंबर से निःशुल्क क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर, जिला कलेक्टर ने किया पोस्टर विमोचन

हनुमानगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं आयुर्वेद विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 29 दिसंबर, 2025 से 7 जनवरी, 2026 तक दस दिवसीय निःशुल्क क्षारसूत्र अंतरंग शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर दुर्गा मंदिर धर्मशाला, हनुमानगढ़ जंक्शन में आयोजित होगा। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर के माध्यम से अधिकाधिक संख्या में रोगियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति से होने वाली यह चिकित्सा आमजन के लिए लाभकारी है और इसका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग समय पर उपचार प्राप्त कर सकें। उप निदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. तीर्थ कुमार शर्मा ने बताया कि दस दिवसीय शिविर में भर्ती होने वाले रोगियों के लिए जांच, ऑपरेशन, भोजन, औषधियां, बेड–बिस्तर एवं फॉलोअप उपचार पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। शिविर में अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा क्षारसूत्र पद्धति से उपचार किया जाएगा, जो बवासीर, भगंदर व फिशर जैसे रोगों में प्रभावी माना जाता है।शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे तक योगाभ्यास कराया जाएगा। वहीं ओपीडी सेवाएं प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। इसके अतिरिक्त 0 से 14 वर्ष तक के बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिदिन सुवर्णप्राशन पिलाया जाएगा तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए नियमित रूप से आयुर्वेदिक काढ़ा भी उपलब्ध कराया जाएगा।

विधायक निधि में कमीशनखोरी के आरोपों की जांच तेज

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने भरतपुर बयाना क्षेत्र का किया निरीक्षण

भरतपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधायक निधि से कराए गए विकास कार्यों में कथित भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के मामलों को लेकर प्रशासन की जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत बुधवार को भुसावर उपखंड क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। राज्य सरकार के निर्देश पर अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ग्राम पंचायत दीवली के बौराज गांव में विधायक निधि से बंध की पाल पर चल रहे विकास कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित कार्यों की गुणवत्ता, प्रक्रिया एवं क्रियान्वयन की जानकारी ली और विभिन्न विभागों के अधिकारियों से आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की। सावंत ने निरीक्षण के दौरान कहा कि पूरे प्रकरण की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। निरीक्षण के पश्चात वे भरतपुर के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उनके साथ जिला परिषद सीईओ मृदुल सिंह, भुसावर उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जांच टीम ने स्कूल में विधायक निधि से उपलब्ध कराई गई दरी–पट्टियों की जांच की तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों से संबंधित दस्तावेजों और प्रक्रिया को लेकर पूछताछ की। टीम में जिला परिषद के सीईओ मृदुल सिंह, एसीईओ रेखा रानी व्यास सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

बताया जा रहा है कि एक दैनिक अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में सामने आए तीन विधायकों द्वारा कराए गए तीन–तीन विकास कार्यों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में बयाना विधायक के कार्य भी जांच के दायरे में हैं। इससे पूर्व भी जिला परिषद की एसीईओ द्वारा बयाना क्षेत्र के स्कूलों में दरी–पट्टियों की जांच की जा चुकी है, वहीं शिक्षा विभाग की एक टीम रूपवास पहुंचकर विधायक निधि से संबंधित विकास कार्यों की फाइलें जब्त कर चुकी है।

राज्य सरकार 'विरासत के साथ विकास' के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

सीकर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विरासत के संरक्षण के साथ–साथ विकास के मूल मंत्र पर संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गत दो वर्षों में प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं और आधारभूत संरचना के विकास और विस्तार को नई गति दी है। शर्मा बुधवार को सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के उद्यमियों में समाज सेवा और परोपकारिता की भावना भरी हुई है। इस मिट्टी में जन्म लेने वालों में मातृभूमि की सेवा करने का जुनून भी होता है। यहां के लोग बड़ी संख्या में सेना एवं सशस्त्र बलों में शामिल होकर मां भारती की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी अद्वितीय धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया

गया है, जिन्हें पर्यटन हब के रूप में विकसित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इनके संरक्षण और विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिए शेखावाटी क्षेत्र पसंदीदा स्थान रहा है। राजस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण का केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार ने फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति–2025 जारी की है। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

शर्मा ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने के लिए यमुना जल समझौते की क्रियान्विति की जा रही है। इसकी डीपीआर तैयार करवाने का कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि शेखावाटी को यमुना का भरपूर पानी मिलेगा और शेखावाटी की यह भूमि हरी–भरी होगी। राम जल सेतु लिंक परियोजना को भी तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में किसान, युवा, गरीब, एवं महिला के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। गरीब कल्याण के इस संकल्प को हमारी सरकार आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को लखपति दीदी योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है तथा प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई हैं।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली राशि को 5 हजार से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है तथा अब तक लगभग 10 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ पहुंचाया गया है।

विधानसभा में सीएम योगी का सपा पर निशाना, बोले- अपनी ही विधायक को न्याय नहीं दे पाए

लखनऊ,24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर पीडीए को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने सपा से निष्काषित पूजा पाल का जिक्र करते हुए कहा कि आपके ही सामने आपकी ही पार्टी से सदस्य चुनी गई थीं, पूजा पाल। आप न्याय नहीं दिला पाए क्योंकि हिम्मत नहीं थी। आप बात पीडीए की करते हैं। क्या वो पीडीए का हिस्सा नहीं थीं? न्याय कैसे होता है, यह हमारी सरकार ने तय किया। बेटी चाहे उस पक्ष की हो या इस पक्ष की, उसको हर हाल में न्याय मिलेगा। विजमा यादव को मैंने बुलाया था कि आपको सुरक्षा हम देंगे। विधानसभा में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ सबसे बड़ा खिलवाड़ सपा शासन में हुआ। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने नौ लाख सरकारी नौकरियां दीं और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही, जबकि सपा सरकार में प्रदेश पहचान और सुरक्षा के संकट से जूझता रहा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने भर्तियों को पूरी तरह पारदर्शी बनाया है और नकल माफिया पर निर्णायक प्रहार किया गया है। इसके लिए भर्ती बोर्ड में सेवानिवृत्त डीजीपी को शामिल किया गया, ताकि माफिया तंत्र की कमर तोड़ी जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार सज्जनों की सुरक्षा और दुर्जनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। हम भजन करने नहीं आए हैं, भजन के लिए मठ पर्याप्त है, कहते हुए सीएम योगी ने सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सपा शासन में प्रदेशवासियों को पहचान और सुरक्षा का संकट झेलना पड़ा, जबकि आज उत्तर प्रदेश की पहचान बदली है। उन्होंने कहा कि आज यूपी देश का ऐसा प्रदेश है जहां सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे और एयरपोर्ट हैं। प्रदेश में निवेश और विकास के साथ कानून-व्यवस्था का मजबूत ढांचा खड़ा किया गया है।

मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना नाम और चेहरा देखे सभी को दिया जा रहा है। किसी के साथ भेदभाव करना पाप के समान है। विकास योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचेगा-यही सरकार का संकल्प है।

नेता सदन ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के सुझावों पर आभार जताते हुए तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे सुझाव सपा नेताओं को सत्ता में रहते हुए दिए गए होते तो पार्टी की यह स्थिति नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें संतोष है कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश में माफिया के खिलाफ हो रही कार्रवाई को स्वीकार किया।सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया, लेकिन उनकी सरकार ने स्पष्ट नीति बनाई है कि बेटी चाहे किसी भी पक्ष की हो, उसे न्याय मिलेगा। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रदेश की हर बेटी, हर व्यापारी और हर नागरिक को सुरक्षा मिले। मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी जबरन कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी ने अवैध कब्जा किया है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा कि कानून का राज स्थापित करना ही सरकार की जिम्मेदारी और संकल्प है। उन्होंने कहा कि वर्दीधारी फोर्स के लिए महत्वपूर्ण होता है कि जितनी अच्छी ट्रेनिंग होगी यानी ट्रेनिंग के दौरान जितना पसीना बहेगा उतना सेवा के दौरान खून कम बहेगा। आपने ट्रेनिंग के पीरियड को कम कर दिया था। 9 महीने से घटाकर 6 महीने कर दिया था। भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि अगर आबादी की भूमि पर या किसी सरकारी भूमि पर कोई माफिया कब्जा करके उसपर मॉल बनाकर या वसूली का अड्डा बनाकर उसके माध्यम से अनैतिक, अवैध गतिविधियों का संचालन करके कोई छांगुर जैसा व्यक्ति वहां अनैतिक गतिविधियों का संचालन करेगा तो बुलडोजर भी चलेगा, उसको कोई रोक नही सकता। उन्होंने कहा कि आज रूल ऑफ लॉ यूपी के अंदर है। कोई साम्प्रदायिक दंगा नहीं है। दंगाई का उपचार कैसे होता है, इसको बरेली के मौलाना से पूछ लो। अब न कर्फ्यू है, न दंगा है, अब यूपी में सब चंगा है। ये है नया यूपी।

पंचायत चुनाव से पहले संभल में 48 लोगों पर एफआईआर दर्ज, फर्जी दस्तावेज के जरिए वोट बनवाने का आरोप

संभल,24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से ठीक पहले संभल के गांव विलालपत से सामने आया फर्जी वोटर बनाने का मामला प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। फर्जी दस्तावेज और गलत आधार संशोधन के जरिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के आरोप में 48 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

यह कार्रवाई लेखपाल गुन्नू बाबू कीअसमोली थाने में दर्ज शिकायत पर की गई। मामला तब उजागर हुआ, जब जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र सिंह हाल ही में गांव विलालपत पहुंचे। वे वहां एसआईआर के कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान गांव से जुड़ी गंभीर शिकायतें उनके संज्ञान में आईं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल जांच समिति गठित की।

समिति ने 19 दिसंबर को अपनी जांच आख्या सौंपी, जिसमें स्पष्ट किया गया कि कई लोगों ने बीएलओ को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए, जिनके आधार पर उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कर दिए गए। यह सीधा-सीधा चुनावी प्रक्रिया से छेड़छाड़ का मामला बताया गया।

जांच रिपोर्ट के आधार पर 20 दिसंबर को जिलाधिकारी ने सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए। इसके बाद 22 दिसंबर को तहसीलदार ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। लेखपाल गुन्नू बाबू ने बताया कि डीएम संभल के आदेश पर असमोली थाने में मामला दर्ज किया गया

एफआईआर में ग्राम विलालपत के 48 नामजद आरोपी शामिल हैं, जिनमें पुरुष और महिला दोनों हैं। सभी पर फर्जी दस्तावेज के जरिए वोट बनवाने का आरोप है।

जांच आख्या में यह भी कहा गया है कि ग्राम विलालपत में आधार कार्ड में गलत तरीके से संशोधन कराकर वोट बनवाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जांच का दायरा आगे और बढ़ सकता है तथा आने वाले दिनों में और नाम सामने आ सकते हैं।

यह मामला सिर्फ फर्जी वोट बनवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पंचायत चुनाव से पहले लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश के रूप में देखा जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इतना बड़ा फर्जीवाड़ा बिना किसी अंदरूनी मिलीभगत के संभव था? क्या कार्रवाई सिर्फ 48 नामों तक सीमित रहेगी या फर्जी वोटर नेटवर्क की पूरी परतें उखड़ेंगी?

अमेठी में धारदार हथियार से युवक की हत्या छह लोगों के खिलाफ एफआईआर

अमेठी,24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अमेठी के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार देर शाम एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। अंतर्गत पिंडारा ठाकुर गांव में इस वारदात से हड़कंप मच गया। मंगलवार शाम रत्नेश मिश्रा (23) घर से शौच क्रिया के लिए निकला था। इसी दौरान घर से करीब 500 मीटर दूर गांव के ही छह लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में रत्नेश गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर

आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों को आता देख आरोपी फरार हो गए। रत्नेश मिश्रा कमला नगर में चश्मे की दुकान चलाता था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन रत्नेश को गंभीर अवस्था में नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही रत्नेश ने दम तोड़ दिया।

परिजनों का आरोप है कि रत्नेश का कुछ दिनों पहले गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हुआ था। इस संबंध में कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत भी दी गई थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने कार्रवाई की होती तो आज यह घटना नहीं होती।

फैसले लेने में केंद्र सरकार अक्षम : प्रमोद तिवारी

लखनऊ,24 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि आज देश में एक कमजोर सरकार चल रही है, जिसमें निर्णय लेने की क्षमता साफतौर पर नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो हालात बने हुए हैं, उसके पीछे जो कारण हैं, भारत सरकार उन्हें जानबूझकर नजरअंदाज कर रही है। उनका कहना है कि वहां मंदिर जलाए जा रहे हैं, तोड़े जा रहे हैं, हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, हत्या और दुष्कर्म की शिकायतें सामने आ रही हैं, लोग दुर्गा पंडाल तक नहीं लगा पा रहे हैं, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री इस पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेनी चाहिए। 1971 में इंदिरा गांधी ने सिर्फ 14 दिनों में पूर्वी पाकिस्तान को पराजित कर बांग्लादेश का निर्माण कर दिया था। वहीं, आज मोदी सरकार हर मुद्दे पर कमजोर दिखाई दे रही है।प्रमोद तिवारी ने साफ कहा कि बांग्लादेश में हो रही घटनाओं के लिए भारत सरकार जिम्मेदार है

और इसकी सीधी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की है। उनका आरोप है कि सरकार हर बार इल्जाम इधर-उधर डालकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो गई। अरावली को लेकर जो नई परिभाषा लाई गई है, अगर उसे लागू किया गया तो पर्यावरण को ज्यादा नुकसान पहुंचेगा। दिल्ली का बड़ा हिस्सा खुदा हुआ नजर आएगा और यह सब माइनिंग लॉबी के दबाव में किया जा रहा है ताकि कुछ चंद बड़े लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह सीधे-सीधे लोगों के जीवन से खिलवाड़ है। आज हालत यह है कि लोग कहते हैं कि दिल्ली में रहना मतलब रोज पच्चीस सिगरेट पीने के बराबर जहर झेलना।

विदेश नीति पर भी प्रमोद तिवारी ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो रिपोर्ट्स आ रही हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। प्रधानमंत्री चीन जाते हैं, गले मिलते हैं, लेकिन चीन की आक्रामकता पर एक शब्द भी नहीं बोलते।

उन्होंने सवाल किया कि भारत की विदेश नीति इतनी कमजोर कभी नहीं रही। आखिर सरकार चीन से डरती क्यों हैं? अरुणाचल का कण-कण हमारा है, भारत माता का कण-कण हमारा है। अगर कोई उस पर टेढ़ी नजर डाले और हम विरोध तक न करें, तो यह साफ तौर पर सरकार की कमजोरी को दिखाता है।

उत्तर प्रदेश हो गया है माफिया विहीन, इसलिए सपा के पेट में हो रहा दर्द : पाठक

लखनऊ,24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान योगी सरकार ने सोमवार को अंतरिम बजट पेश किया, जिसको लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर जुबानी हमला किया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, विपक्ष पूरी तरह से फेल है, उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश को चार बार अराजकता की आग में झोंका है, लेकिन फिर भी उनकी पेट की आग शांत नहीं हुई है। सपा प्रदेश में दंगे करा चुकी है। वे प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया ला चुके थे, लेकिन अब जब प्रदेश माफिया विहीन है, तो उनके पेट में दर्द हो रहा है। उन्हें अब कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी की दाल उत्तर प्रदेश में नहीं गलने वाली है। उनके अराजक तत्वों को हमारी पुलिस ने ठिकाने लगा दिया है। अभी तक प्रदेश में जितने माफिया हुए हैं, उनको महिमा मंडित और पुष्पित पल्लवित

करने का काम समाजवादी पार्टी की सरकार में ही हुआ था। आज प्रदेश अमन-चैन की राह पर है और विकास राज्य के रूप में स्थापित हो रहा है। एक बार फिर 2027 में प्रदेश के अंदर भाजपा की सरकार बनने वाली है।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, उत्तर प्रदेश के विकास के लिए सप्लीमेंट्री बजट जरूरी था और इसे पेश किया गया है। विपक्ष को विकास में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे अराजकता और अपराध पर ध्यान देते हैं और माफिया को बचाते हैं। उनका बजट या विकास से कोई लेना-देना नहीं है, इसलिए वे इसकी आलोचना करते हैं।मौर्य ने कहा, जब विधानसभा सत्र चल रहा होता है, तो सभी विधायक एक-दूसरे से बातचीत करते हैं। इसे जाति या समुदाय के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, पिछड़ा या दलित। विधायकों का एक-दूसरे से मिलना और बातचीत करना स्वाभाविक और सकारात्मक है।

उन्होंने पीएम मोदी द्वारा गुरुवार को प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने को लेकर कहा, यह गर्व की बात है कि पीएम मोदी राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का उद्घाटन करने और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने आ रहे हैं। पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत है।मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा, उत्तर प्रदेश में हमारी योगी सरकार ने 2017 से राज्य के चौतरफा विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम किया है, खासकर इसका मकसद युवाओं को सशक्त बनाना, महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल देना, किसानों के लिए खुशहाली और विकास सुनिश्चित करना और पिछड़े, दलित और पसमांदा समुदायों का उत्थान करना रहा है।

विधानपरिषद में सपा का वाकआउट

लखनऊ,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिसम्बर।विधानपरिषद में आज शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन जमकर हंगामा और नारेबाजी हुई। विधानपरिषद में सपा के सदस्यों ने वाकआउट किया।

सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा भवन के बाहर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने अरावली पर्वत और भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को लेकर प्रदर्शन शुरू किया है। सपा विधायकों ने सेव अरावली, सेव लाइफ का नारा देकर विधान भवन के बाहर धरना दिया। सपा विधायकों ने कहा कि पर्यावरण प्रेमियों को जेल भेजा जा रहा है और कुलदीप जैसे बलात्कारियो को छोड़ा जा रहा है। भाजपा जल जंगल जमीन सब बेचने पर तुली है ऐसी सरकार जनता का भला नहीं क़र सकती है।

नमो भारत ट्रेन में अश्लील कृत्य का वीडियो वायरल युवक-युवती और ट्रेन ऑपरेटर पर मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद,24 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-मेरठ रूट पर चलने वाली आधुनिक नमो भारत रैपिड ट्रेन (आरआरटीएस) में बनाया गया आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। अब इस मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में एक युवक और युवती को ट्रेन के प्रीमियम कोच में सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य करते दिखाया गया है। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए युवक-युवती समेत वीडियो बनाने वाले ट्रेन ऑपरेटर पर बड़ी कार्रवाई हुई है। बता दें कि सबसे पहले मामले की शिकायत डीबीआरआरटीएस (मेंटेनेंस एजेंसी) के सुरक्षा प्रमुख दुष्यंत कुमार ने 22 दिसंबर को मुरादनगर थाने में दी थी।पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात युवक-युवती के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 (सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य) और धारा 77 (वॉयेरिज्म) के साथ-साथ आईटी एक्ट की धारा 67 (अश्लील सामग्री प्रसारण) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही, वीडियो रिकॉर्ड कर वायरल करने वाले

ट्रेन ऑपरेटर पर भी अभियोग लगाया गया है।दरअसल, ट्रेन के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई इस घटना का वीडियो एक कर्मचारी (ट्रेन ऑपरेटर) द्वारा मोबाइल से रिकॉर्ड कर लिया गया था। बाद में उसने इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था।इससे पहले सहायक पुलिस आयुक्त (मसूरी) लिपि नगायच ने बताया था कि मामले में आवश्यक विवेचनात्मक कार्यवाही चल रही है। वीडियो से आरोपियों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।जांच में पता चला है कि युवक बीटेक और युवती बीसीए की छात्रा है, दोनों गाजियाबाद के नजदीकी कॉलेजों से हैं।यह घटना नमो भारत ट्रेन की सुरक्षा और निजता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

निधि योजना : उत्तर प्रदेश में महिला उद्यमिता को मिला रहा मजबूत आधार

लखनऊ,24 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति दी है। कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सरकार का फोकस नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता पर है। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार की निधि योजना का प्रभाव उत्तर प्रदेश में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप्स, खासकर महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए प्रदेश में एक सकारात्मक और भरोसेमंद वातावरण तैयार हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को केवल श्रम शक्ति का नहीं बल्कि उद्यम शक्ति का केंद्र बनाना है। निधि कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2016 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा की गई थी। इस योजना का उद्देश्य प्रारंभिक चरण के विज्ञान एवं तकनीक आधारित स्टार्टअप्स को वित्तीय और संस्थागत सहायता देना है। योजना के अंतर्गत

देश में कुल 714 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को सहायता दी जा चुकी है। वर्ष 2017-18 में 23 महिला स्टार्टअप्स को सहायता मिली, वर्ष 2023-24 में 152, 2024-25 में 140 और वर्ष 2025-26 में 84 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को समर्थन दिया गया।

निधि कार्यक्रम के अंतर्गत देश भर में महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को शुरुआती स्तर पर सहायता दी जा रही है। इस राष्ट्रीय पहल में उत्तर प्रदेश ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश में 25 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को निधि योजना के तहत वित्तीय और तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ है। यह इस बात का संकेत है कि प्रदेश की महिलाएं अब केवल रोजगार की तलाश में नहीं हैं, बल्कि रोजगार देने वाली उद्यमी बनने की दिशा में आगे कदम बढ़ा रही हैं। योगी सरकार की स्टार्टअप नीति और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं ने इस बदलाव को गति दी है।

उत्तर प्रदेश में निधि प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर (टीबीआई) और समावेशी प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर (आईटीबीआई) की स्थापना योगी सरकार के विकास मॉडल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। प्रदेश में 7 टीबीआई और आईटीबीआई स्थापित किए गए हैं, जो महिला स्टार्टअप्स के लिए मार्गदर्शन का केंद्र बन रहे हैं। इन इनक्यूबेटरों के माध्यम से महिलाओं को तकनीकी सलाह, व्यवसायिक रणनीति, बौद्धिक संपदा अधिकार, कानूनी और नियामक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसका लाभ यह हुआ है कि छोटे शहरों और कस्बों की महिलाएं भी अब नवाचार आधारित उद्यम शुरू करने का साहस कर पा रही हैं, यह योगी आदित्यनाथ सरकार के विजन से ही संभव हो पा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि विकास केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे। इसी सोच के अंतर्गत टियर वन और टियर टू स्तर के शहरों में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कई ऐसे जिले जो पहले उद्यमिता के मानचित्र पर नहीं थे, अब धीरे-धीरे स्टार्टअप गतिविधियों के केंद्र बन रहे हैं। निधि योजना से जुड़े इनक्यूबेटर इन क्षेत्रों में स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही ही है।

रोहतक रॉयल्स ने कबड्डी चैंपियंस लीग से पहले दिग्गज डिफेंडर सुरेंद्र नाडा को मुख्य कोच नियुक्त किया

रोहतक,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) के उद्घाटन सत्र में रोहतक शहर का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रेंचाइज़ी रोहतक रॉयल्स ने भारतीय कबड्डी के सबसे सम्मानित नामों में से एक सुरेंद्र नाडा को अपना मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। अनुभव, नेतृत्व क्षमता और बेहतरीन रणनीतिक समझ के साथ, नाड़ा रॉयल्स को लीग के अपने पहले अभियान के लिए तैयार करेंगे।

1 जुलाई 1987 को हरियाणा के झज्जर में जन्मे सुरेंद्र नाडा को खेल ने अब तक के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरों में से एक माना जाता है। अपने घातक एंकल-होल्ड और निरंतर शानदार डिफेंस के लिए प्रसिद्ध नाडा ने प्रो कबड्डी लीग के उद्घाटन सत्र में सबसे अधिक टैकल पॉइंट्स हासिल कर खास पहचान बनाई थी। अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने लगातार पांच 'हाई 5' दर्ज करने का दुर्लभ रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, जो डिफेंस में उनके वर्चस्व को दर्शाता है।

रोहतक रॉयल्स के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति पर सुरेंद्र नाडा ने कहा, 'रोहतक रॉयल्स का मुख्य कोच बनने की जिम्मेदारी पाकर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह टीम ऐसे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती है जहां कबड्डी की जड़ें गहरी हैं। मैं खिलाड़ियों के साथ मिलकर एक ऐसी प्रतिस्पर्धी टीम बनाना चाहता हूं जो निडर और समझदारी भरी कबड्डी खेले। कबड्डी चैंपियंस लीग एक बेहतरीन मंच है और हमारा लक्ष्य पहले ही सीज़न से ऊंचे मानक स्थापित करना होगा।' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाडा भारत की सफलता में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने 2016 कबड्डी विश्व कप, 2017 एशियन कबड्डी चैंपियनशिप, 2018 दुबई कबड्डी मास्टर्स और 2019 साउथ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीते हैं। कोचिंग में उनका यह कदम अनुशासन, जुझारूपन और उत्कृष्टता के प्रति अटूट समर्पण से भरे करियर का अगला अध्याय है। नियुक्ति पर एड्रॉइट स्पोर्ट्स के संस्थापक और रोहतक रॉयल्स के मालिक गजेंद्र शर्मा ने कहा, 'सुरेंद्र नाडा उन सभी मूल्यों का प्रतीक हैं जिनके लिए हमारी फ्रेंचाइज़ी खड़ी है—ईमानदारी, पेशेवर रवैया और कबड्डी के प्रति अटूट जुनून। खेल के सर्वोच्च स्तर पर उनका अनुभव उद्घाटन सत्र में हमारी पहचान गढ़ने में अमूल्य साबित होगा। हमारा लक्ष्य केवल प्रतिस्पर्धा करना नहीं, बल्कि ऐसी टीम बनाना है जो क्षेत्रीय गर्व को दर्शाए और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करे। अपने पहले सीज़न की तैयारी में जुटी रोहतक रॉयल्स फ्रेंचाइज़ी प्रतिस्पर्धात्मकता और खिलाड़ी विकास के संतुलन के साथ एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर केंद्रित है, साथ ही कबड्डी की परंपराओं और सांस्कृतिक महत्व का सम्मान भी करती है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा ओपन 2025 के प्रो-एम इवेंट का खिताब जोशुआ सील की टीम ने अपने नाम किया

जमशेदपुर। गोल्फ टूर्नामेंट टाटा ओपन 2025 के प्रो-एम इवेंट का खिताब युगांडा के पेशेवर गोल्फर जोशुआ सील की टीम ने अपने नाम किया। जोशुआ सील की टीम में एमेच्योर खिलाड़ी प्रथम चौधरी, गोकुल चौधरी और अजय कुमार मिश्रा शामिल थे। टीम ने 51.8 के स्कोर के साथ प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। विनय कुमार यादव की टीम 54.1 के कुल स्कोर के साथ उपविजेता रही। उनकी टीम में एमेच्योर खिलाड़ी अनिल कुमार शुक्ला, आलम नूरी और एमके झा शामिल थे। इवेंट के दौरान विभिन्न व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किए गए। होल नंबर 8 पर सबसे लंबी ड्राइव का पुरस्कार वरुण सोनी ने जीता, जिनकी ड्राइव 321 गज की दूरी पर जाकर गिरी। होल नंबर 7 पर 'क्लोजेस्ट टू द पिन' प्रतियोगिता में शरत कुमार ने होल-इन-वन कर सभी को चौंका दिया और यह पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं, होल नंबर 17 पर क्लोजेस्ट टू द पिन का पुरस्कार मृणाल कांती पॉल ने जीता, जिनकी टी शॉट होल से महज 8.7 इंच की दूरी पर जाकर रुकी। होल नंबर 12 पर सबसे सीधी ड्राइव (स्ट्रेटेस्ट ड्राइव) का पुरस्कार मोनिका लुक्टुके ने हासिल किया। उनकी शॉट फेयरवे के बीच में लगाई गई रस्सी पर जाकर गिरी।

एशेज 2025-26: बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित आर्चर बाहर-बेथेल को मौका

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज 2025-26 सीरीज के चौथे टेस्ट (बॉक्सिंग डे टेस्ट) के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने टीम में दो बदलाव किए हैं। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को चोटिल जोफ्रा आर्चर की जगह शामिल किया गया है, जबकि जैकब बेथेल को ऑली पोप के स्थान पर मौका मिला है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर बाईं साइड में खिंचाव (लेफ्ट साइड स्ट्रेन) के कारण शेष दौरे से बाहर हो गए हैं। आर्चर पहले तीन टेस्ट मैचों में इंग्लैंड के सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहे थे। उन्होंने 80 ओवर गेंदबाजी करते हुए 9 विकेट झटके। उनकी गैरमौजूदगी इंग्लैंड के लिए बड़ा झटका है, खासकर तब जब टीम पहले ही मार्क वुड को खो चुकी है और सीरीज में 0-3 से पीछे चल रही है। ऐसे में मेलबर्न टेस्ट में इंग्लैंड की कोशिश प्रतिष्ठा बचाने की होगी। वहीं, बल्लेबाज ऑली पोप को खराब फॉर्म का खामियाजा भुगतना पड़ा है। नंबर तीन पर खेलते हुए इस दौरे पर छह पारियों में उनका सर्वोच्च स्कोर पर्थ टेस्ट में बना 46 रन रहा। चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: जैक क्राउली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोश टंग बॉक्सिंग डे टेस्ट से इंग्लैंड की नजरें सीरीज में वापसी के बजाय सम्मान बचाने पर टिकी होंगी।

कमिंस शायद ही खेल पायें टी20 विश्वकप : रिपोर्ट

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस का अगले साल फरवरी में शुरु हो रहे

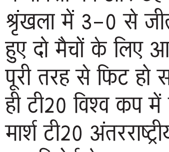

टी20 विश्व कप में खेलना तय नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस अभी तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले दो मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट में वापसी की और छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में 3-0 से जीत दिल दी। इसके बाद उन्हें बचे हुए दो मैचों के लिए आराम दिया जा रहा है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें। इससे साफ है कि वह शायद ही टी20 विश्व कप में खेल पाये। ऑलराउंडर मिचेल मार्श टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'विश्व कप के लिए कमिंसटीम में शामिल होंगे या नहीं, मैं अभी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कर सकता। अभी को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि कि वह फिट नहीं हैं पर हमें उम्मीद है कि विश्वकप तब तक फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'वह ठीक है लेकिन हम किसी तरह का खतरा नहीं उठाना चाहते हैं। हमने एशेज सीरीज जीत का लक्ष्य पा लिया है। कमिंस सीरीज के बचे हुए मैचों में नहीं खेलेंगे। उनकी वापसी को लेकर हमने काफी समय पहले इस बारे में बात की थी।

सूरमा क्लब की महिला हॉकी इंडिया लीग के खिताब पर नजर, पिछले सीजन की कसर पूरी करने उतरेगी टीम

सविता और सलीमा टेटे एक बार फिर उप कप्तान की भूमिका में

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे सीजन में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। उद्घाटन सत्र में पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर रहने के बावजूद फाइनल में खिताब से चूकने वाली सूरमा टीम इस बार एक कदम आगे जाने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

गोलकीपिंग में सविता की मजबूती - जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की सबसे बड़ी ताकत उसकी गोलकीपिंग यूनिट है। टीम की को-कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सविता, जिन्होंने हाल ही में भारत के लिए 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है, एक बार फिर गोलपोस्ट की जिम्मेदारी संभालेंगी। पिछले सीजन में उन्हें 'गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उनके साथ निती होंगी, जो भारतीय जूनियर महिला टीम की फर्स्ट चॉइस गोलकीपर हैं और हाल ही में चिली में आयोजित एफआईएच महिला जूनियर वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। सीनियर और जूनियर - दोनों भारतीय टीमों की पहली पसंद गोलकीपर का होना सूरमा के लिए बड़ी बढ़त है।

मजबूत डिफेंस लाइन - डिफेंस में ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी खिलाड़ी पेनी स्क्विब और भारत की उभरती सितारा ज्योति एक बार फिर टीम की रीढ़ होंगी। पिछले सीजन में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुनी गई ज्योति से इस बार भी बड़े प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इस सीजन टीम में जापान की अनुभवी डिफेंडर शिहोरी ओइकावा भी शामिल हुई हैं, जिनके नाम 193 अंतरराष्ट्रीय मैच और 56 गोल दर्ज हैं। उनके साथ ज्योति छत्री भी डिफेंस को मजबूती देंगी।

मिडफील्ड में सलीमा टेटे का नेतृत्व - मिडफील्ड की कमान भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे के हाथों में होगी, जो इस सीजन भी जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की को-कप्तान रहेंगी। उनकी ऊर्जा, नेतृत्व क्षमता और खेल की गति को नियंत्रित करने की काबिलियत टीम के लिए बेहद अहम होगी। उनका साथ देंगी वैष्णवी विट्ठल फाल्के, बलजीत कौर, अजमीना कुजूर, बिनिमा धान, हिना बानो और जूनियर खिलाड़ी निशा। इसके अलावा स्कॉटलैंड और ग्रेट ब्रिटेन के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी सारा रॉबर्टसन, उरुग्वे की विलार डेल वाये दुपुई और अर्जेंटीना की जिमेना मारिया सेड्रेस टीम को अंतरराष्ट्रीय अनुभव और धार देंगी।

आक्रमण में ग्रानाटो पर निगाहें - फॉरवर्ड लाइन में अर्जेंटीना की स्टार खिलाड़ी मारिया जोसे ग्रानाटो पर सभी की नजरें होंगी, जिन्होंने अपने सीनियर करियर में अब तक 145 गोल किए हैं। उनके साथ न्यूज़ीलैंड की 24 वर्षीय ओलिविया शैनन और भारत की युवा आक्रमण जोड़ी सोनम व मुमताज खान गोल करने की जिम्मेदारी संभालेंगी। पिछले सीजन में सोनम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा गोल करने वाली भारतीय खिलाड़ी बनने के साथ 'अपकमिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार भी जीता था।

कोचिंग में ज़ूड मेनेज़ेस की अहम भूमिका - टीम की कमान एक बार फिर हेड कोच जूड मेनेज़ेस के हाथों में होगी, जिनकी रणनीतिक सोच और शांत नेतृत्व ने पिछले सीजन में टीम को लगातार मजबूत प्रदर्शन दिलाया था। इस बार उनका लक्ष्य फाइनल की बाधा पार कर खिताब अपने नाम करना होगा।

ताकत: जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की सबसे बड़ी ताकत अनुभव और संतुलन है। गोल में सविता, डिफेंस में पेनी स्क्विब और शिहोरी ओइकावा, मिडफील्ड में सलीमा टेटे और आक्रमण में मारिया जोसे ग्रानाटो जैसी अनुभवी खिलाड़ी टीम को हर विभाग में मजबूत बनाती हैं।

कमजोरी : टीम को पिछले सीजन की कुछ अहम विदेशी खिलाड़ियों - शार्लोट एंगेलबर्ट, सोफी लुईस हैमिल्टन और मारिया वर्शूर की कमी खल सकती है। एंगेलबर्ट लीग की संयुक्त टॉप स्कोरर थीं और उनके जाने से गोल करने की जिम्मेदारी अन्य खिलाड़ियों पर बढ़ेगी। सूरमा हॉकी क्लब अपना पहला महिला हीरो एचआईएल 2025-26 मुकाबला 29 दिसंबर 2025 को रांची में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ खेलेगी।

सूरमा हॉकी क्लब स्क्वॉड:

सविता, निती, ज्योति, ज्योति छत्री, पेनी स्क्विब (ऑस्ट्रेलिया), शिहोरी ओइकावा (जापान), सलीमा टेटे, अजमीना कुजूर, हिना बानो, निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, बलजीत कौर, बिनिमा धान, सारा रॉबर्टसन (ग्रेट ब्रिटेन), जिमेना मारिया सेड्रेस (अर्जेंटीना), विलार डेल वाये दुपुई (उरुग्वे), सोनम, मुमताज खान, ओलिविया शैनन (न्यूज़ीलैंड), मारिया जोसे ग्रानाटो (अर्जेंटीना)।

न्यूजीलैंड ने भारत दौरे की लिए घोषित की टीम विलियमसन बाहर हुए

ब्रेसवेल एकदिवसीय सैंटनर टी-20 में करेंगे कप्तानी

ऑकलैंड,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीमें घोषित कर दी हैं। एकदिवसीय सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के अलावा मिचेल सैंटनर को आराम दिया गया है। वहीं टी20 सीरीज के लिए स्पिनर सैंटनर को कप्तानी दी गयी है। आगामी टी20 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। कीवी बोर्ड ने एकदिवसीय टीम में ज्यादार नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। इसमें आदी अशोक, कृश्चन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकरी फॉल्क्स, निक केली, जैडन लेनोक्स और माइकल रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं जबकि अनुभवी खिलाड़ियों में ब्रेसवेल के अलावा डेवोन कॉन्वे, काइल जैमिसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स और विल यंग आदि शामिल हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 11 जनवरी से सीमित ओवरों की सीरीज खेली जाएगी। एकदिवसीय सीरीज 11 , 14 जनवरी और 18 जनवरी को वडोदरा, राजकोट और इंदौर में खेली जाएगी। दोनों टीमें 21 से 31 जनवरी तक 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगी।

एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदी अशोक, कृश्चन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकरी फॉल्क्स, निक केली, जैडन लेनोक्स, माइकल रे, डेवोन कॉन्वे, काइल जैमिसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स और विल यंग।

टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमन, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैकरी फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमिसन, बेवोन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रोबिनसन, ईश सोढी।

68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में हिमांशु और रमिता को स्वर्ण

भोपाल। हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों औ रमिता जिंदल ने यहां आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पर निशाना लगाया। रमिता और हिमांशु ने फाइनल में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से पराजित किया। इस मुकाबले की शुरुआत से ही रमिता और हिमांशु ने सटीक निशाने लगाये और अपना पहला स्थान तय किया। इससे पहले पूरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सोमवार को हिमांशु ने 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड भी बनाया था। इससे टीम को भी लाभ मिला है। वहीं दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 से जीत हासिल कर कांस्य पदक पर कब्जा किया।

बिहार के कप्तान साकिबुल गनी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने

रांची, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप मुकाबले में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ महज 32 गेंदों में शतक जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए।

जेएससीए ओवल ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में गनी 40 गेंदों में नाबाद 128 रन बनाकर लौटे। उनकी इस रिकॉर्डतोड़ पारी में 10 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। इसी दिन झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ईशान किशन ने कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंदों में शतक जमाया था, लेकिन गनी उनसे एक गेंद पहले शतक पूरा कर रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे।

दिलचस्प बात यह रही कि विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के उद्घाटन दिन ही दो अलग-अलग मैदानों—रांची और अहमदाबाद—पर भारतीयों के दो सबसे तेज़ लिस्ट-ए शतक देखने को मिले।

लिस्ट-ए क्रिकेट में दुनिया का सबसे तेज़ शतक ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेज़र-मैकगर्क के नाम है, जिन्होंने 8 अक्टूबर 2023 को एडिलेड में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था।

इस मैच में बिहार की बल्लेबाज़ी पूरी तरह हावी रही। किशोर प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने 84 गेंदों में 190 रन की विस्फोटक पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट के सबसे कम उम्र के शतकवीर बने। वहीं आयुष लोहारुका ने 56 गेंदों में 116 रन बनाए। कप्तान गनी के शतक के साथ बिहार ने विपक्षी गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई की।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए बिहार ने 6 विकेट पर 574 रन बनाकर लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2022 में इसी टूर्नामेंट में तमिलनाडु (506/2 बनाम अरुणाचल प्रदेश) के नाम था। बिहार की पारी में कुल 49 चौके और 38 छक्के लगे।

लिस्ट-ए क्रिकेट में भारतीयों के सबसे तेज़ शतक

साकिबुल गनी - 32 गेंद, बिहार बनाम अरुणाचल प्रदेश (24 दिसंबर 2025)

ईशान किशन - 33 गेंद, झारखंड बनाम कर्नाटक (24 दिसंबर 2025)

अनमोलप्रीत सिंह- 35 गेंद, पंजाब बनाम अरुणाचल प्रदेश (21 दिसंबर 2024)

वैभव सूर्यवंशी - 36 गेंद, बिहार बनाम अरुणाचल प्रदेश (24 दिसंबर 2025)

यूसुफ पठान - 40 गेंद, बड़ौदा बनाम महाराष्ट्र (16 फरवरी 2010)।

क्रिकेट हमेशा कुछ न कुछ सिखाता है, अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना जरूरी है: शेफाली वर्मा

विशाखापट्टनम,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज़ शेफाली वर्मा ने कहा कि क्रिकेट उन्हें लगातार सीख देता है और बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना बेहद ज़रूरी है।

मंगलवार को विशाखापट्टनम में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ भारत को सात विकेट से जीत दिलाने के बाद शेफाली ने यह बात कही।

इस मुकाबले में शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों पर नाबाद 69 रन की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच के बाद शेफाली ने अपने खेल में आए बदलाव और आत्मविश्वास की वापसी पर बात करते हुए कहा कि बल्लेबाज़ी में खामियों को समझना और उन पर काम करना उनके लिए अहम रहा है।

शेफाली ने कहा, 'क्रिकेट हमेशा आपको कुछ न कुछ सिखाता है। अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना बहुत जरूरी है, तभी आप सुधार कर सकते हैं। शुरुआत में गेंद थोड़ी रुककर आ रही थी, इसलिए मैंने जमीन पर खेलते हुए सिंगल लेने की कोशिश की। शुरुआती ओवरों में गेंदबाज़ों ने अच्छी गेंदबाज़ी की, लेकिन बाद में चीज़ें हमारे पक्ष में रहीं।

उन्होंने मुख्य कोच अमोल मजूमदार का भी आभार जताया और बताया कि कठिन परिस्थितियों में कैसे बल्लेबाज़ी करनी है, इस पर उन्हें खास मार्गदर्शन मिला।

शेफाली ने कहा, 'कोच ने मुझे पहले जमीन पर खेलने और फिर मौके मिलने पर हवा में शॉट खेलने की सलाह दी। मैंने

खुद को शांत रखा, जमीन पर खेलती रही और जब गेंद सही आने लगी तो रन बनाए। मुझे भरोसा है कि अगर मैं जमीन पर खेलूं तो रन जरूर बना सकती हूं।'

गौरतलब है कि शेफाली ने चोटिल प्रतीका रावल के स्थान पर वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल में टीम में वापसी की थी, जहां उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में अर्धशतक लगाने के साथ दो विकेट भी झटके थे। इससे पहले मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने पावरप्ले में आक्रामक शुरुआत करते हुए भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। हालांकि, स्नेह राणा के आने के बाद मैच का रुख बदल गया। अस्वस्थ दीप्ति शर्मा की जगह खेलते हुए राणा ने चार ओवर में सिर्फ 11 रन देकर अटापट्टू का विकेट लिया और श्रीलंका की रनगति पर ब्रेक लगाया। अटापट्टू के आउट होते ही श्रीलंका की पारी लड़खड़ा गई। हर्षिता समरविक्रमा ने संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। भारतीय स्पिनरों ने लगातार दबाव बनाए रखा। वैष्णवी शर्मा ने अहम विकेट लिए, जबकि श्री चरनी ने पहले मैच की खराब शुरुआत से उबरते हुए दो बल्लेबाज़ों को पवेलियन भेजा। तीन रनआउट भी श्रीलंका के लिए नुकसानदेह साबित हुए और पूरी टीम एक साधारण स्कोर पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत में स्मृति मंधाना 16 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन इसके बाद शेफाली वर्मा ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने स्पिन और तेज़ गेंदबाज़ी दोनों पर आक्रामक अंदाज़ में रन बटोरे। इनोका रणवीरा और शशिनी गिम्हानी उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी का शिकार बनीं, जबकि चमारी अटापट्टू के एक ओवर में शेफाली ने 4, 6 और 4 जड़ दिए। दूसरी ओर, जेमिमा रोड्रिग्स ने भी तेज़ रन बनाकर अच्छा साथ निभाया, जिससे भारत ने 12वें ओवर में ही मुकाबला अपने नाम कर लिया।

एफटीए से भारतीय पेशेवरों के लिए विदेशों में अवसर खुलेंगे : राजेश अग्रवाल

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। **वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से लेखाकार, चिकित्सकों तथा 'आर्किटेक्ट जैसे पेशेवरों के लिए विदेशों में अवसर खुलेंगे।**

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने प्रोफेशनल सेवाओं पर नई दिल्ली में 23 दिसंबर को वाणिज्य भवन में आयोजित एक 'चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजेश अग्रवाल ने 'वैश्विक क्षितिज का विस्तार: भारतीय पेशेवरों के लिए अवसर विषय पर आयोजित विचार-विमर्श सत्र को संबोधित करते कहा कि एफटीए के तहत प्रोफेशनल सेवाओं पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए ग्लोबल मार्केट खोलेंगी।

अग्रवाल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए सेवाओं का व्यापार बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामान के निर्यात की तुलना में सेवाएं घरेलू वैल्यू एडिशन में मज़बूत योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश पेशेवर सेवाओं की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने की अपार क्षमता रखता है। वाणिज्य सचिव ने कहा कि इस क्षमता का लाभ उठाने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना एवं पेशेवरों को बदलते वैश्विक बाजार की जरूरतों तथा प्रौद्योगिकी विकास के अनुरूप उन्नत कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) जैसे पेशेवर निकायों को ज्ञान साझा करने एवं बेहतर सहयोग के लिए मंच प्रदान करने हेतु अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करने और उनमें हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। अग्रवाल ने 'भारतीय पेशेवर सेवाओं की खातिर वैश्विक बाजारों को खोलने के लिए हितधारकों के बेहतर समन्वय, घरेलू परिवेश में सुधार और विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के तहत पेशेवर सेवाओं पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं के महत्व पर जोर दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि 'वैश्विक क्षितिज का विस्तार: भारतीय पेशेवरों के लिए अवसर विषय पर आयोजित विचार-विमर्श सत्रों के दौरान चार मुख्य मुद्दों, वैश्विक स्तर पर पेशेवर तैयार करना, पारस्परिक मान्यता समझौतों (एमआरए) तथा समझौता ज्ञापनों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय परिवहन को मजबूत करना, विदेशों में पेशेवरों के नेटवर्क का विकास, गठन एवं विस्तार और पेशेवर सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाने पर विचार-विमर्श किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि भारत को विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के तहत प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ घोषित समझौता भी शामिल है, जिसके तहत उसके पेशेवरों के लिए आसान नियम और वीजा सुविधा प्रदान की जाएगी। इस समझौते के तहत योग प्रशिक्षकों, रसोइयों, आयुष पेशेवरों, आईटी पेशेवरों, शिक्षा शिक्षकों, नर्स, देखभालकर्ताओं जैसे लगभग 5,000 भारतीय पेशेवरों को न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए पेशेवर वीजा मिलेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

पर्सनल और कंज्यूमर लोन में तेजी क्रेडिट कार्ड पर सुस्ती जारी

नई दिल्ली। जेएम फाइनेंशियल्स की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-सितंबर 2025 में क्रेडिट कार्ड को छोड़कर सभी कंज्यूमर लोन में सालाना 6 फीसदी से 23 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में काफी बेहतर है, जब वृद्धि केवल -3 फीसदी से 11 फीसदी के बीच थी। अनसिक्योर्ड लोन में पर्सनल लोन सबसे अधिक बढ़ा। पहली छमाही में पर्सनल लोन वितरण 23 फीसदी बढ़ा, जबकि जुलाई-सितंबर तिमाही में यह सालाना 35 फीसदी तक पहुंच गया। टीवी, फ्रिज, मोबाइल और अन्य कंज्यूमर गुड्स के लिए लोन वितरण बीते वित्त वर्ष के 3 फीसदी से बढ़कर 19 फीसदी हो गया। इस सेगमेंट में प्राइवेट बैंकों का मार्केट शेयर भी बढ़ा। क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में नए कार्ड जारी होने में कमी देखी गई। अप्रैल-सितंबर में नए कार्ड सालाना 28 फीसदी कम जारी हुए। पर्सनल लोन की वृद्धि यह दर्शाती है कि उधार मुख्य रूप से वही लोग ले रहे हैं जिनकी आय स्थिर, नौकरी सुरक्षित और क्रेडिट हिस्ट्री मजबूत है। छोटे या इमरजेंसी खर्च के लिए लोन नहीं लिया जा रहा।

डब्ल्यूटीओ में भारत के खिलाफ चीन की शिकायत, टैरिफ और सोलर पीएलआई स्कीम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। चीन ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत के खिलाफ औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत भारत द्वारा कुछ आईटी उत्पादों पर लगाए गए आयात शुल्क और सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए लागू की गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम को लेकर है। डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार, किसी भी व्यापारिक विवाद को सुलझाने के लिए परामर्श की मांग पहला कदम होती है। चीन का यह अनुरोध 23 दिसंबर को डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्य देशों के साथ साझा किया गया। चीन का आरोप है कि भारत ने कई तकनीकी उत्पादों पर ऐसी कस्टम ड्यूटी लगाई है, जो डब्ल्यूटीओ में तय अधिकतम टैरिफ सीमा से ज्यादा है। इन उत्पादों में सेमीकंडक्टर डिवाइस, मोबाइल और वायरलेस नेटवर्क फोन, सेमीकंडक्टर निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें और अन्य आईटी सामान शामिल हैं। चीन का कहना है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करता है और चीनी आयात के साथ भेदभाव करता है। चीन ने भारत की सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए लागू पीएलआई स्कीम को भी चुनौती दी है। उसका दावा है कि इस योजना में लोकल वैल्यू एडिशन यानी घरेलू इनपुट के इस्तेमाल की शर्तें हैं, जो डब्ल्यूटीओ के व्यापार समझौतों के अनुरूप नहीं हैं। चीन के अनुसार, यह स्कीम घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देती है और आयातित सामानों के खिलाफ भेदभाव करती है, जिससे यह अवैध सब्सिडी की श्रेणी में आती है।

नए मोबाइल प्रोसेसर एक्सिनोस 2600 से पर्दा उठा सैमसंग ने

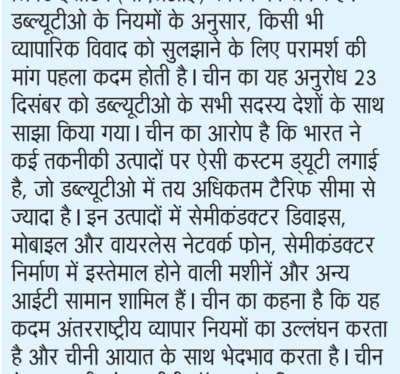

सियोल। सैमसंग कंपनी ने अपने नए मोबाइल प्रोसेसर एक्सिनोस 2600 से पर्दा उठा दिया है। इसे कंपनी की अब तक की सबसे एडवांस चिप माना जा रहा है। यही प्रोसेसर आने वाले फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी स्26 में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी जानकारी में बताया कि एक्सिनोस 2600 दुनिया का पहला ऐसा प्रोसेसर है, जिसे 2-नैनोमीटर गेट-ऑल-अराउंड तकनीक से तैयार किया गया है। इस अत्याधुनिक तकनीक की वजह से चिप न केवल ज्यादा तेज और पावरफुल है, बल्कि ऊर्जा की खपत भी पहले के मुकाबले कम करती है। कंपनी के अनुसार, एक्सिनोस 2600 का मास प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। इस प्रोसेसर में सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू को एक ही छोटे चिप में समाहित किया गया है, जिससे स्मार्टफोन की स्पीड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फीचर्स और गेमिंग परफॉर्मेंस में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। सैमसंग का दावा है कि यह नया प्रोसेसर पुराने एक्सिनोस 2500 की तुलना में सीपीयू परफॉर्मेंस में करीब 39 प्रतिशत ज्यादा तेज है, जबकि एआई से जुड़े कार्यों में 113 प्रतिशत तक बेहतर प्रदर्शन करता है।

हैचबैक कारों की बिक्री में मारुति सुजुकी का दबदबा बरकरार

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। **बीते नवंबर महीने में देश की टॉप-10 सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक कारों की बिक्री में मारुति सुजुकी का दबदबा फिर साफ नजर आया है। इस सेगमेंट में एक बार पुनः मारुति ने बाजी मारी, जहां टॉप-10 में उसके 5 मॉडल शामिल रहे। इसके अलावा टाटा और हुंडई के 2-2 मॉडल और टोयोटा का एक मॉडल इस सूची में जगह बना सका। सबसे बड़ा उलटफेर यह रहा कि लंबे समय से नंबर-1 पर काबिज वैगनआर को पछाड़ते हुए मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने पहला स्थान हासिल कर लिया। सेल्स आंकड़ों पर नजर डालें तो नवंबर 2025 में मारुति सुजुकी स्विफ्ट की 19,733 यूनिट बिकीं, जबकि नवंबर 2024 में इसकी बिक्री 14,737 यूनिट रही थी।**

इस तरह स्विफ्ट ने सालाना आधार पर 34 फीसदी की मजबूत ग्रोथ दर्ज की और सीधे टॉप पर पहुंच गई। वहीं, वैगनआर नवंबर 2025 में 14,619 यूनिट की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही। पिछले साल इसी महीने इसके 13,982 यूनिट बिके थे, यानी इसे केवल 5 फीसदी की सीमित बढ़त मिल पाई। मारुति सुजुकी बलेनो के लिए यह महीना थोड़ा कमजोर रहा।

नवंबर 2025 में इसकी 13,784 यूनिट बिकीं, जबकि पिछले साल नवंबर में 16,293 यूनिट की बिक्री हुई थी। यानी बलेनो को करीब 15 फीसदी की गिरावट झेलनी पड़ी। दूसरी ओर, मारुति ऑल्टो ने शानदार वापसी करते हुए 10,600 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 42 फीसदी की बड़ी ग्रोथ है। मारुति के अलावा अन्य ब्रांड्स की बात करें तो टाटा टियागो की 5,988 यूनिट, टोयोटा ग्लैंजा की 5,032 यूनिट और हुंडई ग्रैंड आई10 निओस की 4,559 यूनिट बिकीं। हुंडई आई20 और टाटा अल्ट्रोज भी टॉप-10 में शामिल रहीं।

चार नई एसयूवी पेश करने की योजना बना रही टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। हाल ही में टाटा मोटर्स कंपनी ने नई सिएरा को लॉन्च कर खूब सुर्खियां बटोरीं और अब कंपनी एक के बाद एक चार नई एसयूवी पेश करने की योजना बना रही है। नई एसयूवी में पेट्रोल इंजन से लैस मॉडल, फेसलिफ्ट वर्जन और एक दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी भी शामिल है। कंपनी की यह रणनीति सीधे तौर पर मिड और कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा को और तेज करेगी। सबसे पहले बात टाटा हैरियर और सफारी पेट्रोल की करें तो दोनों फ्लैगशिप एसयूवी अब पेट्रोल इंजन के साथ आने को तैयार हैं। इनमें नया 1.5-लीटर हायपेरियन टी जीडीआई पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 158 बीएचपी की पावर और 255 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह वही इंजन है, जिसे हाल ही में सिएरा के साथ पेश किया गया था। पेट्रोल इंजन के अलावा डिजाइन और फीचर्स में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसके बाद टाटा पंच फेसलिफ्ट की बारी आती है। माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में काफी पॉपुलर पंच को मिड-लाइफ अपडेट मिलने वाला है। नए मॉडल में एक्सटीरियर डिजाइन पंच ईवी से प्रेरित हो सकता है। केबिन में बड़ा 10.25-इंच टचस्क्रीन, फुल डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और नया स्टीयरिंग व्हील जैसे फीचर्स जोड़े जा सकते हैं, जबकि इंजन मौजूदा जैसा ही रहेगा। टाटा की सबसे खास पेशकश सिएरा ईवी होगी, जिसे 2026 की पहली तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। यह एसयूवी नए अर्गोस प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें आरडब्ल्यूडी के साथ एडब्ल्यूडी ऑप्शन भी मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 55केडब्यूएच और 65केडब्यूएच बैटरी पैक के साथ यह इलेक्ट्रिक एसयूवी करीब 500 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम होगी।

चांदी के भाव नए शिखर पर सोना 1.38 लाख के पार

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन घरेलू वायदा बाजार में चांदी के दाम ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए, जबकि सोना भी अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के बेहद करीब कारोबार करता नजर आया। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों के चलते कीमती धातुओं में यह तेजी बनी हुई है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 181 रुपये की तेजी के साथ 1,38,166 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 1,37,885 रुपये था। इस समय सोना 516 रुपये की तेजी के साथ 1,38,401 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान सोने ने 1,38,469 रुपये का उच्च स्तर और 1,38,126 रुपये का निचला स्तर छुआ। इससे पहले मंगलवार को सोने ने 1,38,496

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

रुपये का अब तक का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया था। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली।

एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 1,347 रुपये की तेजी के साथ 2,21,000 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछला बंद भाव 2,19,653 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी 3,318 रुपये की मजबूती के साथ 2,22,971 रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान चांदी ने 2,23,742 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बनी हुई हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,516 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 72 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई है। वैश्विक अनिश्चितताओं और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखने को मिल रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बड़ी ग्राम...

मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा लागू की जा रही कई कल्याणकारी योजनाओं को सूचीबद्ध किया, जिसमें गरीबों को बारीक चावल का वितरण, 200 यूनिट मुफ्त बिजली का प्रावधान और रायथु भरोसा योजना के तहत नौ दिनों के भीतर 9,000 करोड़ रुपये का वितरण शामिल है।

उन्होंने आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और एक करोड़ महिलाओं को एक करोड़ साड़ियाँ वितरित करने की उपलब्धि पर भी प्रकाश डाला।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि यदि कोई पात्र लाभार्थी कल्याणकारी लाभों से वंचित रह जाता है, तो सरपंचों को तुरंत इसे सरकार के संज्ञान में लाना चाहिए।

उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना मेरी जिम्मेदारी है कि सभी पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

उन्होंने आगे घोषणा की कि अगले शैक्षणिक वर्ष से स्कूलों में मनाश्ता और दोपहर का भोजनफ योजना लागू की जाएगी।

जब तक मैं ...

उन्होंने कहा, बीआरएस और केसीआर का इतिहास खत्म हो चुका है। मैं कोडांगल को गवाह मानकर इसकी शपथ लेता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए दावा किया कि 119 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस 87 सीटें जीत सकती है। उन्होंने बीआरएस के खिलाफ आक्रामक रणनीति का संकेत देते हुए कहा, ङ्कयदि 150 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होते हैं, तो कांग्रेस 100 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

रेवंत रेड्डी ने केसीआर सरकार पर अपने दस साल के शासन के दौरान पालमुरु की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास परियोजनाएं अधूरी छोड़ दी गईं जबकि कुछ व्यक्तियों ने अपार संपत्ति जमा कर ली। उन्होंने कहा, जिन लोगों के पास बुनियादी जरूरतें भी नहीं थीं, उन्होंने हजारों करोड़ की संपत्ति बना ली, लेकिन पालमुरु को पानी नहीं मिला।

कांग्रेस सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उपेक्षित परियोजनाओं को व्यवस्थित रूप से पुनर्जीवित किया जा रहा है।

उन्होंने हाल के विवादों, जिनमें फोन टैपिंग के आरोप भी शामिल हैं, को लेकर केसीआर और उनके परिवार की आलोचना की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री को कालेश्वरम सिंचाई परियोजना, कृष्णा-गोदावरी जल विवाद और शासन के मुद्दों पर विधानसभा में बहस करने की चुनौती दी।

रेवंत रेड्डी ने सीधे केसीआर को ललकारते हुए कहा, पीछे कुछ लोगों को लेकर नारे लगाने से काम नहीं चलेगा। सदन में आइए और मेरे साथ बहस कीजिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है और बीआरएस की उकसावे वाली हरकतों का कड़ा राजनीतिक जवाब दिया जाएगा।

रेवंत रेड्डी के इन कड़े शब्दों ने 2029 के विधानसभा चुनावों से पहले तेलंगाना में तेज होती राजनीतिक जंग को रेखांकित कर दिया है, जहाँ कांग्रेस खुद को केसीआर की बीआरएस के सामने एक शक्तिशाली चुनौती के रूप में पेश कर रही है।

दिल्ली को प्रदूषण...

रणनीतिक गलियारा तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक जाएगा, जो नोएडा और गुरुग्राम के बीच एक वैकल्पिक रास्ता देगा। इन तीनों गलियारों का साझा असर यह होगा कि सड़कों पर ट्रैफिक घटेगा, निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण के सबसे बड़े स्रोतों में से एक पर सीधा प्रहार होगा।

अब जरा इस निर्णय को उस हकीकत के संदर्भ में देखिए, जहां हर सर्दी में दिल्ली गैस चेंबर बन जाती है। स्कूल बंद होते हैं, बुजुर्ग और बच्चे घरों में कैद हो जाते हैं और सरकारें बयानबाजी में उलझी रहती हैं।

ऐसे में मेट्रो विस्तार का यह कदम किसी तात्कालिक उपाय जैसा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान की बुनियाद है। मेट्रो का मतलब है हजारों कारें और दोपहिया वाहन सड़कों से गायब। मेट्रो का मतलब है ईंधन की बचत, धुएं में कमी और समय की बचत भी। जब तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक मेट्रो पहुंचेगी तो नोएडा से गुरुग्राम जाने वाला ट्रैफिक दिल्ली की सड़कों की बजाय पटरियों पर दौड़ेगा।

यह भी याद रखना होगा कि भारत का मेट्रो नेटवर्क अब दुनिया में तीसरे स्थान पर है। 2014 में जहां केवल पांच शहरों में मेट्रो थी, आज छब्बीस शहर इससे जुड़ चुके हैं। औसत दैनिक यात्रियों की संख्या अट्ठाइस लाख से बढ़कर एक करोड़ पंद्रह लाख से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़े सिर्फ विकास का बखान नहीं करते, बल्कि यह बताते हैं कि देश का आम नागरिक मेट्रो को अपना रहा है, उस पर भरोसा कर रहा है। दिल्ली में यह भरोसा और मजबूत होने जा रहा है।देखा जाये तो दिल्ली का वायु प्रदूषण कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि वर्षों की नीतिगत शिथिलता और शहरी अव्यवस्था का नतीजा है। हर साल पराली, मौसम और पड़ोसी राज्यों पर दोष मढ़कर हाथ खड़े कर देना आसान रहा है। लेकिन सड़कों पर बढ़ती गाड़ियों, कमजोर सार्वजनिक परिवहन और बेतरतीब शहरी फैलाव पर चोट करने की हिम्मत कम ही दिखाई गई। आज का यह मेट्रो विस्तार निर्णय उसी हिम्मत की झलक है। यह फैसला बताता है कि सरकार अब समस्या की जड़ पर वार करने को तैयार है।

मेट्रो कोई जादुई छड़ी नहीं, लेकिन यह सबसे भरोसेमंद हथियार जरूर है। जब सार्वजनिक परिवहन सस्ता, सुलभ और तेज होता है, तो लोग स्वेच्छा से कार छोड़ते हैं। यही बदलाव हवा को साफ करता है, शहर को सांस लेने लायक बनाता है। दिल्ली मेट्रो के नए गलियारे केवल नक्शे पर खिंची लाल और नीली रेखाएं नहीं हैं, वे उस सोच का प्रतीक हैं जिसमें विकास और पर्यावरण को आमने सामने खड़ा नहीं किया जाता।

अगर यह परियोजना तय समय पर पूरी होती है और इसके साथ बस सेवाओं, पैदल मार्गों और अंतिम छोर कनेक्टिविटी पर भी ध्यान दिया गया, तो आज का दिन इतिहास में दर्ज होगा। यह दिन उस मोड़ की तरह याद किया जाएगा जब दिल्ली ने धुएं के आगे घुटने टेकने से इंकार किया और पटरी पर दौड़ती मेट्रो को अपनी साफ सांसों का जरिया बनाया।

अरावली में कोई ...

परिवर्तन मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को पूरे अरावली क्षेत्र में अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा है, जहां खनन को पर्यावरण, भूवैज्ञानिक और भूदृश्य दृष्टिकोण से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

संपूर्ण अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन हेतु एक व्यापक, विज्ञान-आधारित प्रबंधन योजना (एमपीएसएम) तैयार करते समय आईसीएफआरई को यह कार्य करने का निर्देश दिया गया है। यह योजना, जिसे व्यापक हितधारक परामर्श के लिए सार्वजनिक किया जाएगा, संचयी पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन करेगी।

यह योजना पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करेगी और बहाली एवं पुनर्वास के उपाय निर्धारित करेगी।

केंद्र द्वारा किया जाने वाला यह प्रयास स्थानीय स्थलाकृति, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए, संपूर्ण अरावली क्षेत्र में खनन से संरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों के दायरे को और अधिक बढ़ाएगा।

केंद्र सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि पहले से ही चालू खदानों के संबंध में संबंधित राज्य सरकारें सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ खनन पद्धतियों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए चल रही खनन गतिविधियों को अतिरिक्त प्रतिबंधों के साथ सख्ती से विनियमित किया जाना चाहिए।

भारत सरकार अरावली पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, क्योंकि वह मरुस्थलीकरण को रोकने, जैव विविधता के संरक्षण, जल भंडारों के पुनर्भरण और क्षेत्र के लिए पर्यावरणीय सेवाओं में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एएसटी सुपर सिंगर के फाइनलिस्टों का अग्रवाल समाज कार्यालय में भव्य स्वागत व सम्मान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित एएसटी सुपर सिंगर प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में चयनित 15 में से 13 फाइनलिस्टों का राघव रतन टावर (आबिड्स) स्थित अग्रवाल समाज कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया।

अग्रवाल समाज कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, समाज कार्यालय में महाराज श्री अग्रसेन जी की आकर्षक तस्वीर के समक्ष समाज के सचिव विकास केसान, कोषाध्यक्ष आंचल गुप्ता, आयोजन समिति के संयोजक डॉ. दिलीप पंसारी एवं सह-संयोजक महेंद्र अग्रवाल ने उपस्थित 13 फाइनलिस्टों का अग्र दुपट्टा एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया तथा सभी को ग्रैंड फिनाले के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सभी फाइनलिस्टों ने कार्यक्रम के शुरुआती पंजीकरण से लेकर अब तक दूसरे ऑडिशन तक के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने आयोजन की प्रत्येक प्रक्रिया, विशेषकर अनुशासन और पारदर्शिता, की भरपूर प्रशंसा की।

साथ ही सभी 13 फाइनलिस्टों ने आगामी ग्रैंड फिनाले के आयोजन को लेकर अपने-अपने विचार भी रखे।

इसी क्रम में जानकारी दी गई कि गुरुवार दि. 24 दिसंबर को आबिड्स स्थित होटल रॉयलटन में आयोजित विशेष कार्यक्रम ग्रीट एंड मीट के दौरान एएसटी सुपर सिंगर के प्रायोजकगण सभी 15 फाइनलिस्टों से मुलाकात कर उनका स्वागत एवं सम्मान करेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के पदाधिकारी एवं आयोजन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

रौडी शीटर जफर पहलवान के घर पर 60 पुलिसकर्मियों का छापा, हथियार बरामद

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 60 पुलिस अधिकारियों की विशेष टीमों ने कुख्यात रोडी शीटर जफर पहलवान और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की और याकूतपुरा स्थित उसके घर से कई अवैध हथियार जब्त किए। पुलिस के अनुसार, बुधवार तड़के की गई यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना के आधार पर हुई। यह छापेमारी जफर के भतीजे जुनैद-बिन भरमूस की हत्या की जांच का हिस्सा थी, जिसकी हत्या 3 दिसंबर को जफर के बेटे और उसके साथियों ने कर दी थी।जफर पहलवान के घर के अलावा, पुलिस टीमों ने उसके दो बेटों के घरों पर भी तलाशी ली।

दक्षिण क्षेत्र के डीसीपी किरण खरा ने कहा कि हमने गुंडागर्दी और आपराधिक तत्वों के खिलाफ तेज कार्रवाई के तहत यह अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने कई अवैध चाकू और संदिग्ध अवैध संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं। डीसीपी ने कहा कि जब्त किए गए दस्तावेजों का फिलहाल बारीकी से सत्यापन किया जा रहा है।अवैध हथियारों की बरामदगी के आधार पर, पुलिस ने फरार आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत दो एफआईआर दर्ज की हैं। मुख्य आरोपियों में जफर पहलवान शामिल है, जो 40 आपराधिक मामलों में शामिल एक रौडी शीटर है। इसके अलावा उसका बेटा सईद पहलवान (पूर्व रौडी शीटर, 5 मामलों में शामिल) और सुलेमान पहलवान (1 मामले में शामिल) भी आरोपी हैं।पुलिस ने बताया कि कानून-व्यवस्था और दक्षिण क्षेत्र टास्क फोर्स की विशेष टीमें प्राथमिकता के आधार पर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास कर रही हैं। किरण खरा ने जनता से अपील की है कि वे आरोपियों या उनकी गतिविधियों से संबंधित कोई भी जानकारी साझा करने के लिए आगे आएं। यह आश्वासन दिया गया है कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि गुंडागर्दी और आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के चुनाव में 21 प्रत्याशियों ने प्राप्त किए नामांकन पत्र

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के आगामी चुनावों को लेकर चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। चुनाव के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए कुल 21 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र प्राप्त किए हैं।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मुख्य चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु: अशोक कुमार बंसल एवं पुरुषोत्तम गुप्ता, उपाध्यक्ष पद हेतु: मुकेश कुमार अग्रवाल एवं पंकज कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री पद हेतु: कमल कुमार पटवारी, सहमंत्री पद हेतु: सुनील कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष पद हेतु: कमल ए. आहूजा, कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु: अजय अग्रवाल, अशोक गुप्ता, दिनेश कुमार, टी. सुनील कुमार, लक्ष्मी नारायण मूंदड़ा, पंकज कुमार मित्तल, राजेंद्र कुमार संघी, राज कुमार खुसरिया, रोहित कुमार अग्रवाल, एस. गौतम चंद जैन, सोमेश बंसल, तिवारी नारायण, विजय कुमार अग्रवाल, विजय कुमार आहूजा ने नामांकन पत्र प्राप्त किए हैं।एसोसिएशन में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, सहमंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु एक-एक प्रत्याशी तथा कार्यकारिणी समिति हेतु 11 प्रत्याशियों का चुनाव होना है। नामांकन पत्र शुक्रवार,

26 दिसंबर को जमा किए जाएंगे, जबकि नाम वापसी सोमवार, 29 दिसंबर को दोपहर 2 बजे तक की जा सकेगी।यदि आवश्यकता हुई तो चुनाव रविवार, 4 जनवरी 2026 को वेज व्यंजन होटल, हिमायतनगर में मध्याह्न 12 बजे से 2 बजे तक संपन्न कराए जाएंगे। नामांकन पत्र प्राप्त करने के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल के साथ अन्य चुनाव अधिकारी विनय जैन एवं राहुल अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

बाबू जगजीवन राम शासकीय स्नातक महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाबू जगजीवन राम शासकीय स्नातक महाविद्यालय (स्वायत्त), नारायणगुड़ा, हैदराबाद ने 23 दिसंबर 2025 को सस्टेनेबिलिटी इन फोकस: इनोवेशन्स फॉर ए ग्रीनर टुमॉरो – ए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक किया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य वैज्ञानिकीय, तकनीकीय, आर्थिक, वाणिज्यिक तथा सामाजिक दृष्टिकोणों को एकीकृत करते हुए निरंतरता (सस्टेनेबिलिटी) के प्रति जागरूकता लाना और अकादमिक संवाद को प्रोत्साहित करना था।

उद्घाटन सत्र का आरंभ संयोजक सी.एच. मुथैया के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद प्राचार्य कैप्टन डॉ. एम. विजय कुमार के अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने में उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी पर बल दिया।

एक अत्यावश्यक आधिकारिक दायित्व के कारण संयुक्त निदेशक, सीसीई, प्रो. पी. बाला भास्कर संगोष्ठी में उपस्थित नहीं हो सके, किंतु उन्होंने संगोष्ठी की प्रासंगिकता और अकादमिक महत्त्व की सराहना करते हुए अपने शुभकामनाओं का संदेश प्रेषित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में टीजीएचईसी (तेलंगाना उच्च स्तरीय शिक्षा संस्थान) के अध्यक्ष प्रो. वी. बालकिष्टा रेड्डी ने अपने संबोधन में पाठ्यक्रम, शोध तथा संस्थागत प्रशासन में सततता को एकीकृत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

पर्यावरणविद् प्रो. के. पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा प्रस्तुत मुख्य भाषण (की-नोट एड्रेस) में पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके नवोन्मेषी समाधानों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें ग्रीन मैटीरियल्स, नैनो टेक्नोलॉजी, ग्रीन सिंथेसिस, सतत रासायनिक प्रक्रियाएँ तथा सततता के आर्थिक और वाणिज्यिक पहलुओं पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने सभा को संबोधित किया। इन सत्रों के माध्यम से बहुविषयक दृष्टिकोण से सतत विकास पर सार्थक चर्चा हुई।

दूसरे चित्र में तेलंगाना हायर एजुकेशन काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. वी. बालकिष्टा रेड्डी का सम्मान करते हुए प्राचार्य कैप्टन डॉ. एम. विजय कुमार, उप-प्राचार्य डॉ. कलवल श्रीनिवास, रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. चिंता मुथैया व अन्य गणमान्य अतिथि द्रष्टव्य हैं।

आईसीएसआई के नवनिर्वाचित अध्यक्षा श्रीमती शिल्पा बंग अग्रवाल, उपाध्यक्ष पवन कांकाणी, निवर्तमान अध्यक्ष मंजीत बूसा का सम्मान करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, निदेशक अमितकुमार लडड्डा (गग्गु), दीपक कुमार बंग, समाजसेवी नरेन्द्रकुमार गोयल, आदित्य चाण्डक, सीएस सौरभ गुप्ता, एडवोकेट रमाकान्त इन्नानी, एडवोकेट सिद्धार्थ गिलडा, राहुल असावा, सीए संदीप झँवर, सीएस नितीन बजाज, शरद चाण्डक एवं अन्य ।

चित्रकूट रामबाग खाकी अखाड़ा महोत्सव का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निमंत्रण

लखनऊ/हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं दोनों उप मुख्यमंत्रियों ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, साथ ही चैनपुर विथरी विधायक डॉ. राघबेंद्र शर्मा से भेंट कर चित्रकूट रामबाग खाकी अखाड़ा में आयोजित होने वाले भव्य धार्मिक आयोजन का औपचारिक निमंत्रण दिया गया।

यह निमंत्रण जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा मठ, बेगम बाजार, हैदराबाद के मठाधिपति अमृत दास खाकी ने प्रदान किया। उन्होंने जानकारी दी कि 19 जनवरी से 28 जनवरी तक चित्रकूट रामबाग खाकी अखाड़ा में महोत्सव, शत चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी

अतिथियों को धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया। मठाधिपति अमृत दास खाकी ने कहा कि यह आयोजन सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

जप के साथ सेवा भी होती है : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि राधे राधे ग्रुप से जुड़कर सेवा करने का सौभाग्य मिलता है, जहाँ सेवा के साथ-साथ नाम जप भी स्वतः हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब भावपूर्वक किसी भूखे को भोजन कराया जाता है, तो वह केवल सामाजिक दायित्व नहीं रहता, बल्कि भक्ति और साधना का स्वरूप ले लेता है।

रोहित अग्रवाल ने आगे कहा कि राधे राधे ग्रुप एक ऐसा परिवार है, जहाँ हर सदस्य निस्वार्थ भाव से सेवा करता है और राधे रानी की कृपा से यह पुण्य कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है। अन्नदान के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों का पेट भरता है, बल्कि मन को भी शांति और आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। केबीआर पार्क पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से जारी नियमित अन्नदान मे रोहित अग्रवाल ने अपने विचार साझा किये।इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, सुरेश बजाज मुंबई, रणधीर, ई जगन चंपापेट, रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,गौरव गोयल, जयप्रकाश सारडा आदि उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा श्रद्धा व उल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को केबीआर पार्क में आयोजित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा बड़े ही हर्ष, श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने सहभागिता कर भगवान गणेश से सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।पूजा का शुभारंभ भक्तों द्वारा गणेशजी की स्तुति, आरती एवं प्रसाद अर्पण के साथ किया गया। संपूर्ण वातावरण गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से भक्तिमय हो उठा।

इस पावन अवसर पर सुरेंद्र अग्रवाल (गोयल), विठ्ठलदास जी बड़ेगांव वाले, अशोक लकोटिया, विजय अग्रवाल (एडवोकेट), गोपाल बलदेवा, राहुल सिंगल, शेषाह, राजकुमार अग्रवाल, अशोक सरायवाला, सुभाष देहलीवाला, कैलाश दांडू, माया अग्रवाल, रेखा, संतोष अग्रवाल एवं संध्या सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तेलंगाना के 50,000 से अधिक उद्योगों ने की

जीओ 27 और बिजली शुल्क पर सरकार से पुनर्विचार की मांग

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रमुख औद्योगिक, व्यापार और वाणिज्य निकायों ने तेलंगाना सरकार से कई महत्वपूर्ण नीतिगत और नियामक उपायों पर तत्काल पुनर्विचार और बदलाव करने का आह्वान किया है। इन निकायों का कहना है कि ये नीतियां राज्य में उद्योग, निवेश और रोजगार को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही हैं।

चिंता के मुख्य विषयों में – (1) हैदराबाद औद्योगिक भूमि रूपांतरण नीति (एचआईएलटीपी) के तहत जीओ एमएस नंबर 27। (2) लीड केवीएआरएच बिलिंग को अचानक लागू करना, जिससे बिजली की लागत में भारी वृद्धि हुई है। (3) रात के समयमिलने वाली 1.50 प्रति यूनिट की रियायत को बहाल करना, या सस्ती सौर ऊर्जा की उपलब्धता को देखते हुए दिन के शुल्क में अधिक रियायत देना; और (4) लीड केवीएआरएच बिलिंग के कार्यान्वयन के लिए अधिक समय, जागरूकता और चरणबद्ध बदलाव की तत्काल आवश्यकता।

एकजुटता दिखाते हुए, बुधवार को फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें एफटीसीसीआई के साथ तेलंगाना इंडस्ट्रियलिस्ट फेडरेशन (टीआईएफ), तेलंगाना आयरन एंड स्टील मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टिस्मा), तेलंगाना स्टेट टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीएसटीएमए), चेरलापल्ली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (सीआईए) और कई अन्य औद्योगिक संघ शामिल हुए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को आर. रवि कुमार (अध्यक्ष, एफटीसीसीआइ), के.के. माहेश्वरी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एफटीसीसीआइ), श्रीनिवास गरिमेला (उपाध्यक्ष, एफटीसीसीआइ), के. सुधीर रेड्डी (अध्यक्ष, टीआईएफ), डी. श्रीनिवास रेड्डी (अध्यक्ष, सीआईए), स्वामी गौड़ (अध्यक्ष, आईएएलए), राजमहेंद्र रेड्डी (अध्यक्ष, फेटसिया), अनिल अग्रवाल और श्री प्रकाश गोयनका (टिस्मा), तथा श्री वेंकट एन.एन.के. (महासचिव, टीए-सओएडीए) ने संबोधित किया।

उद्योग जगत की सबसे गंभीर चिंताओं में से एक मङशरव ज्ञतअॲहफ का अनलॉकिंग है। डिस्कॉम ने व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए इसे अचानक लागू कर दिया है, जिससे बिजली के बिल 3 से 5 गुना तक बढ़ गए हैं। केवीएआरएच बिलिंग ग्रिड से ली गई रिएक्टिव एनर्जी पर आधारित होती है, लेकिन मङशरवफ स्थिति में उपभोक्ता ग्रिड को ऊर्जा वापस देता है। उद्योगों का तर्क है कि डिस्कॉम अब उस बिजली के लिए भी शुल्क ले रहे हैं जो उपभोक्ता ग्रिड में इंजेक्ट कर रहे हैं, जो तकनीकी रूप से तर्कहीन है। उन्होंने मांग की है कि इसे सख्ती से लागू करने से पहले तकनीकी मार्गदर्शन और पर्याप्त समय दिया जाए।

उद्योग निकायों ने एक विशेषज्ञ समिति के गठन का सुझाव दिया है, जिसमें औद्योगिक संघों, प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों (IIT/NIT/JNTU), जनरेटरों और

तेलंगाना राइजिंग के विजन पर जताई चिंता

डिस्कॉम के प्रतिनिधि शामिल हों, ताकि ग्रिड की वास्तविक जरूरतों का मूल्यांकन कर एक रोडमैप तैयार किया जा सके।

प्रतिनिधियों ने बताया कि जनवरी 2025 में घोषित क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी पॉलिसी के बावजूद, सौर डेवलपर्स को एनओसी मिलने में देरी, ओपन एक्सेस खरीद में बाधाओं और उच्च संपत्ति कर के कारण नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश ठप हो गया है। लगभग एक साल बीत जाने के बाद भी एनओसी जारी नहीं किए गए हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है।

उद्योगों की मांग है कि या तो रात की पुरानी 1.50 प्रति यूनिट की रियायत बहाल की जाए या दिन के समय अधिक रियायत दी जाए, क्योंकि डिस्कॉम अब दिन में सौर स्रोतों से काफी सस्ती बिजली खरीद रहे हैं। बिना किसी लाभ के टीओडी बिलिंग मांग-प्रबंधन उपकरण के बजाय लागत का बोझ बन गई है।

हैदराबाद औद्योगिक भूमि रूपांतरण नीति (एचआईएलटीपी) के तहत जारी यह आदेश 2012 से वैचारिक रूप से मौजूद था, लेकिन अब इसे अचानक और अस्पष्ट रूप से सामने लाया गया है। हालांकि इसे ङ्गस्वैच्छिकङ्ग कहा जा रहा है, लेकिन उद्योगपतियों को इसके क्रियान्वयन पर संदेह है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को निवासों की तरह स्थानांतरित नहीं किया जा सकता; इसके लिए बुनियादी ढांचे, कार्यबल और वर्षों की योजना की आवश्यकता होती है। उन्होंने सरकार से इस नीति को फिलहाल स्थगित रखने और परामर्श का रास्ता अपनाने का आग्रह किया।50,000 से अधिक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रवक्ताओं ने ङ्गतेलंगाना राइजिंगङ्ग के विजन का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे एकतरफा फैसले निवेश को आकर्षित करने में मदद करेंगे? उन्होंने सरकार के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए अनुरोध किया कि इन बाधाओं को बातचीत के जरिए दूर किया जाए ताकि राज्य का सतत और समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।

नुकृति गर्ग के जन्मदिन पर बेगम बाजार में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की तत्वावधान में बुधवार को नुकृति गर्ग के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भू देवी माता मंदिर बेगम बाजार के पास गौशाला के सामने अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। आज की सेवा बाबूलाल जी अखिलेश जी गर्ग परिवार मैसर्स दुर्गा लाइटिंग की ओर से की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोविंदराम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, अनिल अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल,नीलम विजयवर्गीय आदि उपस्थित थे।

श्री बालाजी मन्दिर चारमीनार में वैकुण्ठ एकादशी महोत्सव 30 को

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चौक मैदान खाँ, चारमीनार (ईस्ट), हैदराबाद स्थित श्री बालाजी मन्दिर, चारमीनार में मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को वैकुण्ठ एकादशी महोत्सव धूमधाम से मनाई जाएगी ।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वैकुण्ठ एकादशी महोत्सव के अंतर्गत सुबह 3 बजे सुप्रभातम, 3.30 बजे अभिषेक, 4 बजे तोमला सेवा, 6 बजे बालाजी भगवान के नेत्र दर्शन और आरती, 6.30 बजे वैकुण्ठ द्वार दर्शन और सवारी का आयोजन होगा। मध्यान 3:00 बजे से 6:00 बजे तक श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जायेगा। 8 बजे से आरती और तुलसी अर्चना प्रारंभहोकर रात 11 बजे तक चलेगी। इसके साथ सुबह 10 से रात 11 बजे तक गायक द्वारा भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएँगे। रात 12.01 बजे विशेष शयन आरती होगी।

वैकुंठ एकादशी महोत्सव में अतिथि के रूप में पधारने हेतु मंत्री जी किशन रेड्डी को निमंत्रण पत्र प्रदान करते हुए आत्रेय स्वामी ।

जो भक्त कल्याणोत्सव और वैकुण्ठोत्सव में भाग लेना चाहते हैं, वह मन्दिर के पुजारी से सम्पर्क करें। मंदिर के प्रधान पुजारी रामणाचार्य महाराज व शृंगाराम आत्रेय स्वामी ने भक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

एसएसके समाज के नए कैलेंडर का अनावरण अलादुर श्री रेणुका माता रानी मंदिर, अलादुर में मुख्य अतिथि अलादुर के नए सरपंच सुरेश गौड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसएसके समाज के पूर्व अध्यक्ष रतन राजेंद्र नाहारू, उपाध्यक्ष नागरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिगर शंकर राव, कोषाध्यक्ष शिव रतन, एसएसके माक्ट सोसाइटी के अध्यक्ष गणेश पवार, उपाध्यक्ष श्रीगिरी बाबरू, सीईओ सचिव विश्वनाथ आनंद कुमार, निदेशक डी. शंकर कुमार, निदेशक नागरी पांडु जूनियर, मीडिया कमेटी अध्यक्ष एच. कुमार, कैलेंडर कमेटी अध्यक्ष बारादी अशोक बसुदे कृष्ण उपस्थित रहे।

प्रकाश चंद्र बजाज की पुण्यतिथि पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास श्री प्रकाश चंद्र जी की पुण्यतिथि पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आज की सेवा स्वर्गीय श्री प्रकाश सिंह जी बजाज की पुण्य समिति में श्रीमती पुष्पा देवी प्रकाश चंद्र बजाज श्रीमती चंद्रिका जी एवं श्री सुरेश जी बजाज सनी क्रिएशन मुंबई की ओर से की गई।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,ई जगन चंपापेट, भगत राम गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी, सुरेश बजाज, प्रतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवानन केडिया, राजेश नथानी,, अनिता नथानी, संजय गोयल किरण गोयल गोयल गोयल आदि उपस्थित थे।

नराकास हैदराबाद (3) की छमाही बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.) हैदराबाद (3) की 17वीं एवं 18वीं छमाही बैठक का आयोजन 19 दिसंबर 2025 को अपराह्न 3:30 बजे सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के एस.बी. हॉल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कार्यालयों एवं स्वायत्त संस्थानों में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करना तथा इसके अधिक प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भावी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श करना था।

बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एवं सीएसआईआर-एनजीआरआई के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय कार्यान्वयन

कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरु के उप निदेशक श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास उपस्थित रहे, जिनके प्रेरणादायी संबोधन ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया।

मंच पर हिन्दी शिक्षण योजना की उप निदेशक (प्रभारी) डॉ. सीमा कुमारी तथा समिति के सदस्य सचिव एवं वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी श्री चि.वें. सुब्बाराव भी सम्मिलित थे।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान की ओर से डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक तथा डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं हिंदी प्रभारी ने प्रतिभाग किया। दोनों अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की।

बैठक में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन, हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं के आयोजन, तिमाही प्रगति रिपोर्टों, डिजिटल उपकरणों के उपयोग तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने तकनीकी तथा प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया तथा सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इसके बाद सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोटों की समीक्षा की गई तथा हिंदी पदाधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों पर प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ। विभिन्न कार्यालयों से कुल 119 प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने बैठक को सफल बनाया।

समिति द्वारा राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान की प्रगति रिपोर्ट एवं हिंदी कार्यान्वयन की सराहना की गई, जिसके लिए संस्थान के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

हम उन्हें हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् राष्ट्रगान के साथ बैठक का विधिवत् समापन हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की धर्मपत्नी श्रीमती जसोदा बेन के नगरागमन पर स्वागत करते श्री खेमदास मठ के मठाधिपति महंत डॉ. मनुदास स्वामी, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, महासर माता भक्तमंडल के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल एवं मंत्री दिनेश अग्रवाल।

अटल बिहारी वाजपेयी के 101वें जन्मदिवस पर 46वां राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व प्रधानमंत्री कविवर श्री अटल बिहारी वाजपेयी के 101वें जन्मदिवस पर जी. राजेंद्र कुमार द्वारा स्थापित 46वें राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन का आयोजन नगरद्वय की कवि संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में गोशामहल स्थित हज़ारी भवन में गुरुवार, दि. 25 दिसंबर को सायं 4:30 बजे से होगा।गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि कार्यकारी गोविंद अक्षय (मगोलकोण्डा दर्पणफ के संपादक) संचालन करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में आईसीएआर सदस्य श्री डी. गोपाल और भाजपा गोशामहल पार्षद श्री लाल सिंह उपस्थित रहेंगे, तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाजसेवी अमृत कुमार जैन होंगे।

कार्यक्रम माँ सरस्वती पूजन, दीप प्रज्ज्वलन और अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण से प्रारंभ होगा। सरस्वती वंदना के बाद अटल जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी कविताओं का पाठ होगा; डॉ. प्रेमलता शीवास्तव, अनिल कुमार गुप्ता, अशोक दोषी, आशा ठाकुर व ममता मिश्रा विशेष रूप से सहभागी होंगी। नगर के प्रमुख कवि काव्यपाठ करेंगे तथा सभी अतिथियों का सम्मान किया जाएगा।

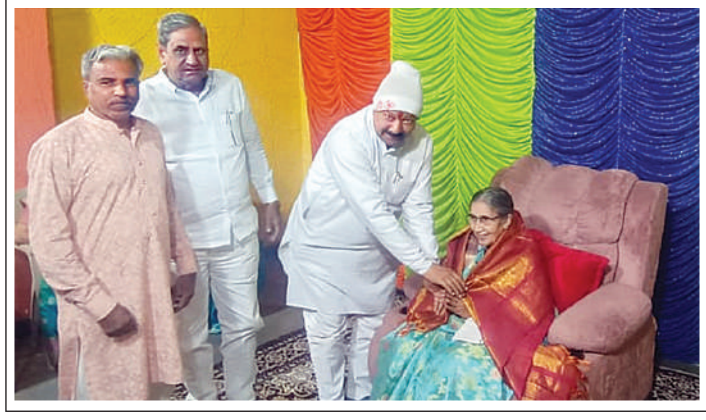

नगर पधारीं जसोदा बेन से शिष्टाचार भेंट करते हुए भाजपा नेता सतीश अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल।

अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती पर दीपोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती के अवसर पर आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम मेंएन. रामचंद्र राव, अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना ने सहभागिता की और अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

यह दीपोत्सव अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारधारा और उनकी स्थायी विरासत को समर्पित रहा। कार्यक्रम के दौरान उनके लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रनिष्ठा और प्रेरणादायक नेतृत्व को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने कहा कि अटल जी की सोच आज भी राष्ट्र को दिशा और प्रेरणा प्रदान करती है।

यह कार्यक्रम श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, नामपल्ली, हैदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एन. रामचंद्र राव, अध्यक्ष, भाजपा तेलंगाना, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, जामबाग डिविजन पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य उपस्थित रहे।

इसी क्रम में एल.बी. प्ले ग्राउंड, रामपुरा मंगलहाट, गोलकोंडा जिला में भी दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में टी. उमा महेंद्र (अध्यक्ष, भाजपा गोलकोंडा जिला), जेडी नितिन मुकेश सिंह, भाजपा सोशल मीडिया इंचार्ज, गोलकोंडा जिला आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अटल बिहारी वाजपेयी जी के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ संपूर्ण वातावरण श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा।

ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा 11 जनवरी को

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के पावन निर्देशन में ज्ञानशाला प्रकोष्ठ, महासभा द्वारा संचालित ज्ञानार्थी परीक्षा 25 का आयोजन पूरे देश में एक साथ एक समय में आगामी 11जनवरी 2026 को होने जा रहा है। इसी संदर्भ में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में परीक्षा संचालन एवं व्यवस्था के आयोजन संबंधी ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं की एक महत्त्वपूर्ण मीटिंग डीवी कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में 22 दिसंबर को रखी गई । यहां राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा के नेतृत्व में तेलंगाना व आंध्रा की आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्सानी व सह संयोजक सरोज लोढा, ज्ञानशाला परामर्शक अंजू जी बैद के मार्गदर्शन में आयोजित इस गोष्ठी में सभी ईकाई ज्ञानशालाओं की प्रशिक्षिकाओं को परीक्षा संबंधित विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। सिकंदराबाद सभा के तत्वावधान में आयोजित होने जा रही ज्ञानार्थी परीक्षा में इस वर्ष सात परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएंगे और लगभग 300 परीक्षार्थी इस मौखिक परीक्षा में सहभागिता दर्ज कराएंगे। इन परीक्षाओं के समयबद्ध सुचारू संचालन में लगभग 100 प्रशिक्षकाओं का समुचित सहयोग रहेगा। नमस्कार महामंत्र के साथ गोष्ठी का शुभारंभ हुआ।आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्सानी ने केंद्र द्वारा प्रेषित ज्ञानार्थी परीक्षा संबंधित नियमों की जानकारी साझा की। केंद्र परीक्षा व्यवस्थापक सरिता नखत ने 11 जनवरी 2026 को प्रशिक्षिकाओं को उनके कार्यक्षेत्र और अध्यापन सामग्री की जानकारी दी। परामर्शदाता अंजू जी बैद ने परीक्षा से जुड़ी जिज्ञासाओं को समाहित करते हुए सभी को इस महत्वपूर्ण दायित्व को प्रामाणिकता और कुशलता के साथ संपादित करने की प्रेरणा दी। मुख्य प्रशिक्षक पुष्पा जी बरड़िया ने सभी प्रशिक्षिकाओं को परीक्षा लेते समय कुछ विशेष बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। वर्ष भर चलने वाली ज्ञानशाला कक्षाओं के माध्यम से ज्ञानार्थियों को जैन धर्म और तेरापंथ की मुख्य जानकारियाँ व विशेष आगमिक कहानियाँ, सूत्र आदि कंठस्थ कराए जाते हैं जिनके वार्षिक मूल्यांकन की दृष्टि से ये परीक्षाएँ अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती हैं।

साथ ही 18-19 सितंबर को आयोजित ज्ञानशाला प्रशिक्षक रिफ्रेशर कोर्स के दौरान प्रदर्शित आचार्य भिक्षु कला मंजरी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए व विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रथम हिमायत नगर व अत्तापुर, द्वितीय काचीगुडा व शिवरामपल्ली और तृतीय स्थान पर क्रमश: तारनाका व चैतन्यपुरी ज्ञानशाला रही। पच्चीस बोल के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भेंट किए गए। गोष्ठी में मुख्य प्रशिक्षक पुष्पा बरड़िया, केंद्र परीक्षा व्यवस्थापक सरीता नखत व सह संयोजक जूली बैद आदि 50 प्रशिक्षिकाओं समेत आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्सानी, आंचलिक सहसंयोजक सरोज लोढ़ा आदि उपस्थित थे। गोष्ठी के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई। आंचलिक सह संयोजक सरोज जी लोढ़ा ने मंच का संचालन किया। क्षेत्रीय सहसंयोजक सुरभि सिंघी के आभार ज्ञापन के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

अटल बिहारी वाजपेयी का 101वां जन्मदिन और राजेंद्र दिगन मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जियागुडा डिवीजन स्थित डबल बेडरूम कम्युनिटी हॉल ग्राउंड में भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का 101वां जन्मदिन एवं स्वर्गीय राजेंद्र दिगन मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह टूर्नामेंट जयागुडा की पार्षद बोहिनी दर्शन के संरक्षण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी एवं स्वर्गीय राजेंद्र दिगन के चित्रों पर उनके पिता पूरन सिंह तथा पार्षद बोहिनी दर्शन द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 26 टीमों ने भाग लेकर खेल भावना और प्रतिस्पर्धा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों और दर्शकों में पूरे आयोजन के दौरान खासा उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर पार्षद बोहिनी दर्शन ने कहा कि स्वर्गीय राजेंद्र दिगन ने भाजपा के गोलकोंडा जिला अध्यक्ष के रूप में पार्टी और समाज की निस्वार्थ भाव से सेवा की थी। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।कार्यक्रम में गोशामहल के पार्षद लाल सिंह, क्रांति कुमार, एससी राज्य मोर्चा के अध्यक्ष क्रांति कुमार, नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, डबल बेडरूम एसोसिएशन के अध्यक्ष नरसिंग राव, भाजपा नेता अन्नू यादव, देवरा श्रीनिवास, मुरली, बाला प्रसाद तिवारी, पूरन दिगन, प्रवीण बागेदी, उदय कुमार, कट्टा नरसिंग राव, संजय गनाटे, वेंकटेश सागर, श्रीकांत सागर, राधाकृष्ण यादव, सुधाकर गौड़, टिल्लू, जी. महेंद्र, एन. जगदीश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजस्थान सोजत सिखवाल समाज के अध्यक्ष जगदीशचंद्र तिवाड़ी का नगर आगमन, हुआ भव्य सम्मान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान सोजत सिखवाल समाज के अध्यक्ष जगदीशचंद्र जी तिवाड़ी के नगर आगमन पर ऋषि शृंग भवन में समाज की ओर से उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाजजनों में हर्ष और उत्साह का वातावरण रहा।

समाज की ओर से श्री तिवाड़ी का सम्मान करते हुए रामदेव नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय, पवन कुमार व्यास (बाबरा), कैलाशचंद तिवाड़ी, श्रीकांत तिवाड़ी, राधेश्याम पांडिया, पं. वासुदेव तिवाड़ी, द्वारिकाप्रसाद तिवाड़ी, पवन पुरोहित, दामोदर पुरोहित, लखन पुरोहित, श्रीनिवास नागला, बद्रीलाल तिवाड़ी, रामकिशन (रामू) सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

दक्षिण भारत में हिंदी भाषियों की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

गांधीनगर/हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री जयसिंह मानसिंह चौहान भी उपस्थित रहे।भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण भारत में रह रहे हिंदी भाषियों, विशेषकर गुजराती एवं मारवाड़ी भाषी समाज की परिस्थितियों और उनके समक्ष आने वाली समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और हर संभव सहयोग एवं सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान की भी सराहना की।इस अवसर पर संस्था की ओर से मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को सम्मानित किया गया तथा हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मासिक पत्रिका भी भेंट की गई।प्रतिनिधिमंडल में- पत्रिका के प्रधान संपादक महेश अग्रवाल, रिद्धिश जागीरदार जैन, महासचिव श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष भारत भट्ट उपस्थित थे। परामर्शदाता महेश अग्रवाल एवं रिद्धिश जागीरदार ने बताया कि हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन हिंदी भाषा के पत्रकारों और संवाददाताओं का एक संगठित मंच है, जो निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए समर्पित है। यह संगठन समाज की वास्तविक समस्याओं को उजागर करने, जनहित के मुद्दों को प्रमुखता देने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के उद्देश्य से कार्य करता है।उन्होंने आगे कहा कि यह समूह अनुभवी एवं युवा हिंदी रिपोर्टर्स को एक साथ जोड़कर पत्रकारों के अधिकारों, सुरक्षा, प्रशिक्षण और पेशेवर विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। सत्य, ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी संस्था की पत्रकारिता की मूल भावना है।

तापमा डायरी सह निर्देशिका-2026 का विमोचन

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आंध्र प्रदेश प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) की ओर से डायरी सह निर्देशिका-2026 का बुधवार को आबिड्स स्थित तापमा कार्यालय में विधिवत विमोचन किया गया।

डायरी समिति के अध्यक्ष विजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस डायरी में दिसंबर 2025 तक के सभी सदस्यों की अद्यतन सूची शामिल की गई है। यह डायरी सह निर्देशिका सभी सदस्यों के लिए एक त्वरित संदर्भ उपकरण के रूप में उपयोगी होगी, जिसमें सदस्यों की विस्तृत जानकारी के साथ-साथ विभिन्न प्लास्टिक उद्योगों के विज्ञापन भी सम्मिलित हैं।

उन्होंने बताया कि यह डायरी जनवरी माह में सभी सदस्यों को भेजी जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत में तापमा के अध्यक्ष नरेंद्र बल्दवा ने सभी उपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत किया और डायरी के प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर तापमा के पूर्व अध्यक्ष अमदियाला सुधाकर, वेणुगोपाल जस्ती एवं ए. दयाकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भास्कर रेड्डी, उपाध्यक्ष अरुण लाहोटी, संयुक्त सचिव ए. किशोर कुमार एवं नितिन सांघी, प्रबंध समिति के सदस्य सुरेश सोमानी, संजीव जैन, नवनीत जैन,तथा पूर्व प्रबंध समिति सदस्य अशोक भार्गव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।उपस्थित सदस्यों ने डायरी सह निर्देशिका-2026 को तापमा की उपयोगी पहल बताते हुए इसकी सराहना की और इसे उद्योग जगत के लिए सहायक संसाधन बताया।

महेश बैंक वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी का सम्मान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश बैंक के वाइस चेयरमैन पद पर गोविंद नारायण राठी के मनोनयन पर भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति की ओर से उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राघव रेड्डी, करोड़ीमल नरसीघपुरिया, कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास, आले भास्कर, कोड़ी महेंद्र, रामा राजू, महामंत्री शशि, संजीव रेड्डी एवं बच्ची रेड्डी ने शॉल ओढ़ाकर श्री गोविंद नारायण राठी का सम्मान किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं।

समिति पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गोविंद नारायण राठी अपने अनुभव और नेतृत्व से महेश बैंक को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे तथा समाज और बैंकिंग क्षेत्र के हित में सराहनीय कार्य करेंगे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की रानी सती दादी महिला शाखा द्वारा सुंदरकांड एवं अन्नकूट प्रसाद का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की रानी सती दादी महिला शाखा, घासी बाजार द्वारा घासी बाजार स्थित रानी सती मंदिर में सुंदरकांड पाठ एवं अनकूट प्रसाद का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम विपिन महाराज जी के सान्निध्य में बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया। उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत मधुर एवं भावपूर्ण भजनों ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया।इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति के पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिरुद्ध जी, आईपीपी मनीष जी, उपाध्यक्ष रुपेश जी, मंत्री विकास जी एवं कोषाध्यक्ष आंचल जी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।अपने संबोधन में अध्यक्ष अनिरुद्ध जी ने धर्म, एकता एवं सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए महिला शाखा द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की खुले दिल से सराहना की।कार्यक्रम में विशेष सहयोग संजय जी अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी रजनी अग्रवाल का रहा। आयोजन में लगभग 250 समाजजनों ने सहभागिता की। महिला शाखा के प्रत्येक सदस्य को परिवार सहित आमंत्रित किया गया था, जिससे आयोजन में व्यापक एवं उत्साहपूर्ण उपस्थिति देखने को मिली।इस सफल आयोजन में महिला शाखा की पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंजू अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कविता संघी, कविता गोयल तथा कार्यकारिणी सदस्य पूनम अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल सहित सभी सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफल रहा।

श्री जैन सेवा संघ के चुनाव में कोरा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी अविनाश प्रकाशमल भंडारी का भव्य स्वागत करते हुए जैन रत्न रमेश पी तातेड सिरोही निवासी , सत्यनारायण मूंदड़ा, गोयलजी, प्रीतेश मेहता, राकेश सुराना, हितेश श्रीश्रीमाल, विक्रम भंडारी, विशाल भंडारी, रितेश तातेड, तपन तातेड, नितिन मेहता, मिलन मेहता, मनीष, विनोद जैन, सुरेश नेपाली एवं अन्य ।

भाग्यनगर गौशाला में तुलसी वितरण एवं सामूहिक गौ आरती आज

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान, श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं सर्वदलीय गौरक्षा मंच (महिला शाखा) के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी वितरण एवं सामूहिक गौ आरती का भव्य कार्यक्रम दिनांक 25 दिसंबर 2025 (बुधवार) को आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन भाग्यनगर गौशाला, लोअर टैंकबंड, हैदराबाद में शाम 3.30 बजे से प्रारंभ होगा।आयोजकों के अनुसार जो श्रद्धालु तुलसी वितरण में सहभागी बनना चाहते हैं, वे प्रति तुलसी वृक्ष 50/- के हिसाब से दान कर सकते हैं। अब तक 175 तुलसी वृक्षों के दानी मिल चुके हैं, जो भक्तों की सहभागिता और गौ-सेवा के प्रति आस्था को दर्शाता है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SAPNA KHIRWAR Spouse of Service No. 15748401L S/M PAVAN KHIRWAR, Resident of Vill:Nagla Akkhey, Post:Patholi, Dist:Agra, Uttar Pradesh-283105 have changed my name from SAPNA KHIRWAR to SAPNA NOHWAR vide affidavit dt:24-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 692434-G SGT (Retd) CH K V V DHANUMJAYA RAO, Resident of H.No.1-3-49/51/1/S-3, Anand Rao Nagar Colony, Old Alwal, Near Z P Boys High School, Secunderabad, Hyderabad, Telangana-500010 have changed my name from CHIRLAM CHERLA KASI VEERA VENKATA DHANUMJAYA RAO to CH K V V DHANUMJAYA RAO vide affidavit dt:24-12-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

उपमुख्यमंत्री भट्टी की अधिकारियों को चेतावनी

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, जन कल्याण ही प्राथमिकता

खम्मम24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बुधवार को सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी कि कर्तव्य में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जन कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यहाँ कलेक्ट्रेट कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए, भट्टी ने कहा कि सरकार अधिकारियों को राज्य की प्रगति के लिए काम करने की पूरी स्वतंत्रता देती है, लेकिन प्रत्येक कल्याणकारी और विकास योजना लक्षित लाभार्थियों तक पहुँचनी चाहिए।उन्होंने कहा, “लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना सरकार का मुख्य उद्देश्य है,” और साथ ही जोड़ा कि सभी कर्मचारियों के लिए सख्त अनुशासन और जवाबदेही अनिवार्य है।उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यहाँ तक कि विधायक और मंत्री भी उपस्थिति प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, जिसमें फेस रिकग्निशन और अंगूठे का निशान (थंब इम्प्रेशन) शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों का वेतन करदाताओं के पैसे से आता है, इसलिए जवाबदेही अनिवार्य है।

भट्टी ने राज्य के मविजन 2047फ के लिए मानव पूंजी के निर्माण में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया, जिसका लक्ष्य तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था विकसित करना है।

उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा में भारी निवेश कर रही है, पौष्टिक भोजन, बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रही है और स्कूलों की उचित निगरानी सुनिश्चित कर रही है। जिला कलेक्टर से लेकर अन्य अधिकारियों को नियमित रूप से शैक्षिक डेटा ऑनलाइन अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।उपमुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि सरकारी या निजी शिक्षण संस्थानों में किसी भी तरह की चूक के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

निजी स्कूलों को अनिवार्य सुविधा आवश्यकताओं को पूरा करना होगा, और जो अनुपालन करने में विफल रहते हैं, उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष से पहले अपग्रेड किया जाना चाहिए।प्रशासनिक दक्षता पर उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित बिलों का अब नियमित रूप से भुगतान किया जा रहा है और चेतावनी दी कि जो सचिव हर तीन महीने में बिल जमा करने में विफल रहेंगे, उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

श्री जैन सेवा संघ चुनाव में श्री अरिहंत पैनल की विजयी होने पर जश्न मनाते हुए जैन बंधु।

उपमुख्यमंत्री भट्टी का खम्मम जिले में लड़कियों के गुरुकुल डिग्री कॉलेज का औचक निरीक्षण

खम्मम24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बुधवार को जिले के कोनिजेरला मंडल के तनीकेला स्थित तेलंगाना जनजातीय कल्याण बालिका गुरुकुल डिग्री कॉलेज का औचक निरीक्षण किया।

खम्मम कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक पूरी करने के बाद जब वे मधिरा निर्वाचन क्षेत्र की ओर जा रहे थे, तब उपमुख्यमंत्री का काफिला अचानक गुरुकुल छात्रावास की ओर मुड़ गया।उन्होंने छात्रावास भवन का निरीक्षण किया और छात्रों व प्रधानाचार्य के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने छात्रों की संख्या, छात्रावास की सुविधाओं, निर्धारित मेनू के पालन, दोपहर के भोजन के समय और शिक्षण की गुण-वत्ता के बारे में जानकारी ली।

उपमुख्यमंत्री ने डाइनिंग हॉल और खाना पकाने के बर्तनों का निरीक्षण किया और बाद में छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया।

बातचीत के दौरान, उन्होंने छात्रों से उनके मूल स्थान, शैक्षणिक स्तर और क्या दैनिक मेनू का पालन किया जा रहा है, इस बारे में पूछा। उन्होंने पूर्व छात्रों और वे वर्तमान में किन क्षेत्रों में कार्यरत हैं, इसके बारे में भी जानकारी मांगी।

बाद में, उन्होंने पुस्तकालय का दौरा किया और ग्रुप-ख और ग्रुप-खख जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के मार्गदर्शन और संबंधित अध्ययन सामग्री की उपलब्धता के बारे में पूछताछ की।उन्होंने छात्रों को मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती (incense sticks) बनाते हुए देखा और जिला कलेक्टर अनुदीप को छात्रों द्वारा बनाए गए उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन (मार्केटिंग) के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

जब छात्रों के स्वास्थ्य ऐप और हेल्थ कार्ड के बारे में सूचित किया गया, तो उपमुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना की।

यात्रा के अंत में, छात्रों ने उन्हें एक पेंटिंग भेंट की, और उन्होंने कॉलेज परिसर में पौधे रोपे। बिना किसी पूर्व सूचना के किए गए इस दौरे ने काफी ध्यान आकर्षित किया और यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कल्याण पर सरकार के जोर को दर्शाता है।

यादगिरिगुट्टा मंदिर के ईओ और अर्चकों ने वैकुंठ एकादशी के लिए सीएम को दिया निमंत्रण

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यादगिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) श्री वेंकटराव और मंदिर के अर्चकों (पुजारियों) ने इस महीने की 30 तारीख को वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी को दर्शन के लिए आमंत्रित किया है।इस विशेष उपलक्ष्य में, मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आकर श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के दर्शन करने और इस भव्य धार्मिक उत्सव का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया।

वैकुंठ एकादशी के दिन मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

भ्रष्ट डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर गिरफ्तार, 250 करोड़ की संपत्ति का खुलासा, अधिकारी रह गए दंग

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महबूबनगर के डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर एम. किशन नाइक को आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसीबी की छापेमारी में नाइक की करीब 250 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा होने से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, लगातार मिल रही भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के आधार पर नाइक के हैदराबाद स्थित आवास तथा उनके रिश्तेदारों के निजामाबाद और नारायणखेड़ स्थित घरों सहित कुल 12 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली गई। छापेमारी के बाद आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर एसीबी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नाइक को 24 दिसंबर की सुबह चंचलगुडा जेल स्थानांतरित किया गया।

जांच में सामने आया है कि नाइक ने तेलंगाना के विभिन्न स्थानों पर तैनाती के दौरान रियल एस्टेट का बड़ा साम्राज्य खड़ा किया। आरोप है कि उसने अवैध रूप से अर्जित धन से जमीन, फार्म हाउस, फ्लैट, होटल और शोरूम में हिस्सेदारी खरीदी। इसके अलावा परिवार व रिश्तेदारों के नाम पर बड़ी मात्रा में फिक्स्ड डिपॉजिट, सोने के गहने और दो एसयूवी वाहन भी खरीदे गए।

छापेमारी में उजागर संपत्तियां-

-संगारेड्डी जिले के नारायणखेड़ में 31 एकड़ जमीन
-निजामाबाद में 10 एकड़ जमीन
-निजामाबाद के एक होटल में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी
-फर्नीचर आउटलेट को लीज पर दी गई 3,000 वर्ग गज व्यावसायिक जमीन
-निजामाबाद के अशोक टाउनशिप में दो फ्लैट
-करीब एक किलोग्राम सोने के गहने
-1.37 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई संपत्तियों का दस्तावेजी मूल्य भले ही 12-13 करोड़ रुपये आंका गया हो, लेकिन आवासीय, कृषि और व्यावसायिक संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 250 करोड़ रुपये है। अधिकारियों के अनुसार, अकेले नारायणखेड़ की 31 एकड़ जमीन की कीमत 60 करोड़ रुपये से अधिक, जबकि नारायणखेड़ के मकान और निजामाबाद की व्यावसायिक संपत्तियों का मूल्य 40 करोड़ रुपये से अधिक है।एसीबी ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सभी संपत्तियों के दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं और आगे की जांच जारी है।

श्री सरस्वती शिशु मंदिर में भगवद् गीता श्लोक पाठ कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी के सहयोग से श्री सरस्वती शिशु मंदिर, निंबोलीअड्डा, काचीगुडा में भगवद् गीता श्लोक पाठ का एक सार्थक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।इस अवसर पर श्रीनिवास रंगाचार्युलु जी एवं श्री राम लिंगेश्वर राव जी की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनके प्रेरक विचारों और प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों में गहरी प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया।

यह कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रावंती जी के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय समिति सदस्य लिकिता जी द्वारा किया गया, जिसमें शिक्षिकाओं स्नेहा, सुर्वे सरिता एवं दीपिका के समर्पित प्रयासों का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्लोक पाठ के माध्यम से छात्रों ने न केवल गीता के संदेशों को आत्मसात किया, बल्कि अनुशासन, नैतिकता और जीवन मूल्यों के महत्व को भी समझा।कार्यक्रम की जानकारीपूर्ण प्रस्तुति और सक्रिय सहभागिता के कारण यह आयोजन पूर्णतः सफल रहा।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

ईसीआईएल की सीएसआर पहल – नलगोंडा जिले में दिव्यांगजनों को बैटरी चालित मोटरयुक्त ट्राइसाइकिल का वितरण

नलगोंडा, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई), इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के हिस्से के रूप में तेलंगाना के नलगोंडा जिले में दिव्यांगजनों को बैटरी चालित मोटरयुक्त ट्राइसाइकिल वितरित कीं। यह वितरण कार्यक्रम 24 दिसंबर, 2025 (बुधवार) को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनुराग कुमार और जिला कलेक्टर श्रीमती इला त्रिपाठी, आईएएस की गरिमामयी उपस्थिति में 105 लाभार्थियों के लिए आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री अनुराग कुमार ने बताया कि मोटरयुक्त ट्राइसाइकिल उन लोगों को प्रदान की गई हैं जो शारीरिक सीमाओं के कारण समाज में घुलने-मिलने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बहुत से लोग सहायक उपकरण नहीं खरीद पाते, जिससे वे अपनी बुनियादी दैनिक गतिविधियों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहते हैं। यह पहल उनके आर्थिक और सामाजिक एकीकरण को सुगम बनाने, उन्हें दैनिक जीवन में अधिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता प्रदान करने का प्रयास करती है। उन्होंने दोहराया कि ईसीआईएल अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज के सभी लोगों और व्यापक रूप से राष्ट्र के सामंजस्यपूर्ण और सतत विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

ईसीआईएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री कृष्ण कुमार पी. ने अपनी गहरी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि ईसीआईएल ने इतनी सराहनीय पहल शुरू की है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईसीआईएल केवल ट्राइसाइकिल का वितरण नहीं कर रहा है; बल्कि, यह स्वतंत्रता, सम्मान और बड़े सपनों की आकांक्षा करने के अवसर का उपहार प्रदान कर रहा है।श्रीमती इला त्रिपाठी, आईएएस ने इस अवसर पर दिव्यांग समुदाय को मोटरयुक्त ट्राइसाइकिल की आपूर्ति करने में उदार सहयोग के लिए ईसीआईएल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिससे वे अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम हो सकेंगे। उन्होंने ईसीआईएल से जिले में लोगों के उत्थान और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ऐसी और पहल करने का अनुरोध किया।

इस कार्यक्रम में कोमोडोर संतोष रामास्वामी (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन), डॉ. पी. वेणु बाबू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी (सीएसआर), सुनील कुमार जे., उप प्रबंधक (मानव संसाधन) और सांबमूर्ति, अधिकारी (टी) भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस परियोजना के सफल निष्पादन और कार्यक्रम के आयोजन के लिए अपना अटूट प्रयास समर्पित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.